RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Div./244/2020-2022
Desp. Date - 02 July, 2021

अंक – 01 (मासिक) वर्ष – 17 जुलाई, 2021 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

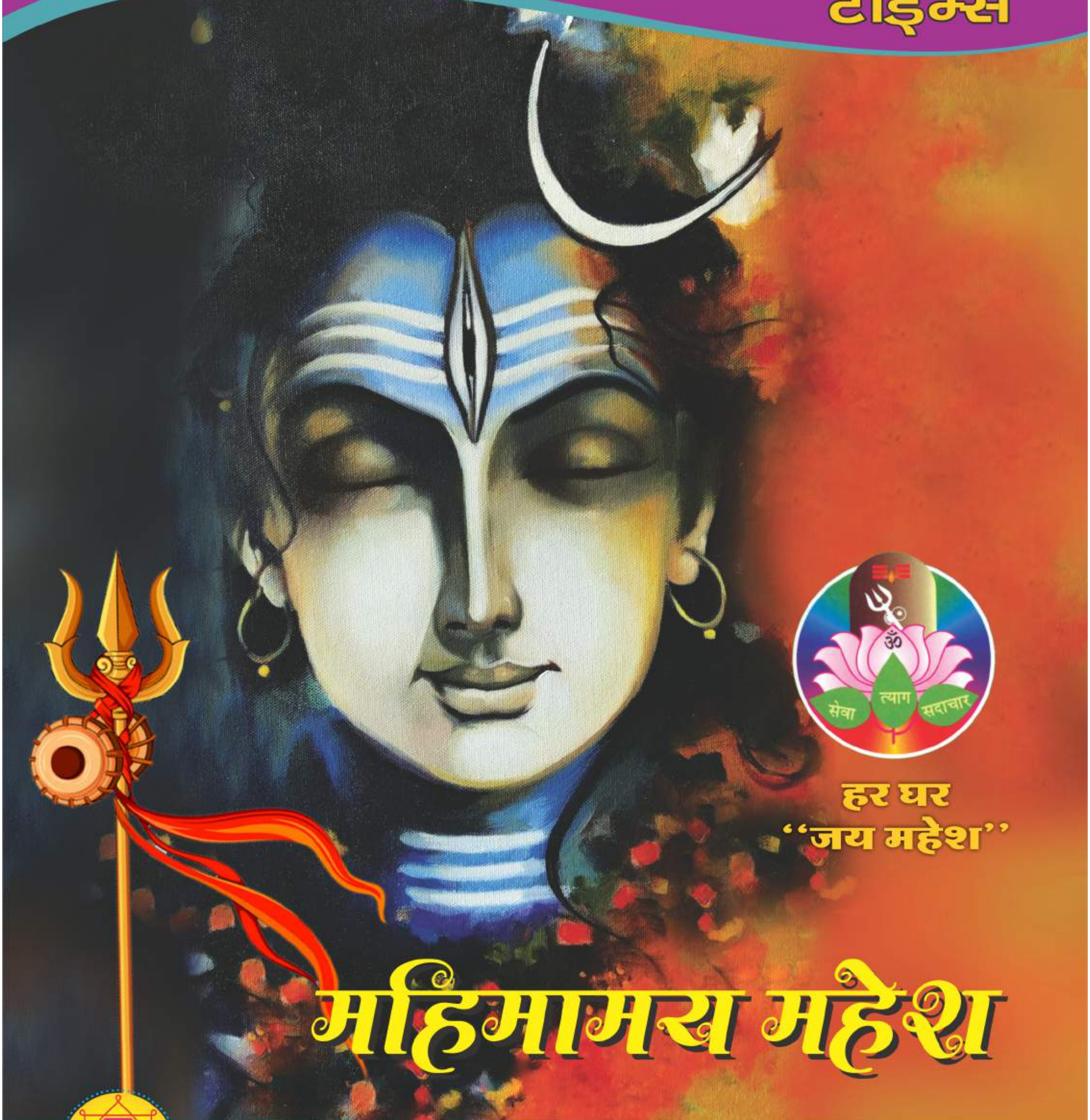

हर घर
''जय महेश''

महिमामय महेश

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2021
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us
@ www.srimaheshwaritimes.com

देखें प्रति मंगलवार
SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

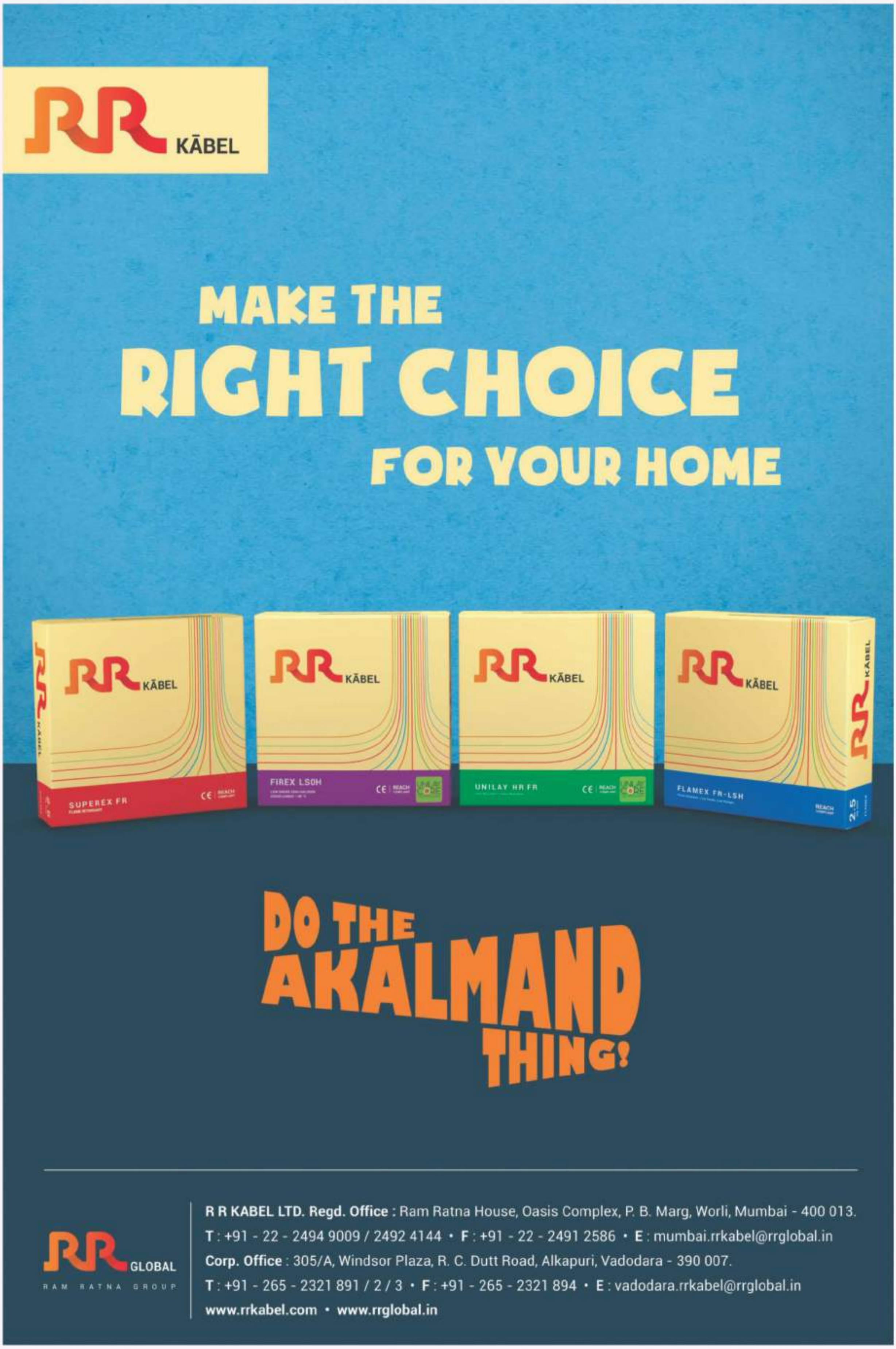

RR KĀBEL
MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME
SUPEREX FR
FIREX LSOH
UNILAY HR FR
FLAMEX FR-LSH
DO THE
AKALMAND
THING!
RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP
R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • F : +91 - 22 - 2491 2586 • E : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • F : +91 - 265 - 2321 894 • E : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-01 ▸▸ जुलाई 2021 ▸▸ वर्ष-17

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल (म.प्र.)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

आवरण चित्र सौजन्य
बिपिन सोनी, भुज (गुजरात)

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

महादेव का क्षमादान

विचार क्रान्ति

कृपापुंज करुणानिधान भगवान शिव की भक्त वत्सलता की एक अद्भुत कथा महाभारत के वन पर्व की धरोहर है। वन पर्व में इसके निमित्त 'कैरात पर्व' नाम से एक पृथक उप पर्व रचा गया है जिसके कुल चार अध्यायों में इस लोक प्रसिद्ध कथा के माध्यम से महादेव के एक अपूर्व रूप के दर्शन भी होते हैं।

कथा है कि कौरवों के साथ जुंआ में राज्य हारने के बाद युधिष्ठिर को अपने भाइयों व द्रौपदी के साथ वन जाना पड़ा। पाण्डव जानते थे कि वनवास के बाद भी कौरव उन्हें राज्य वापस न करेंगे और इसके लिए उन्हें युद्ध लड़ना होगा। युद्ध के लिए प्रभावी दिव्यास्त्रों की आवश्यकता थी, अतः अर्जुन दिव्यास्त्रों की प्राप्ति के लिए देवताओं के पास पहुँचे। हिमालय के इन्द्रकील पर्वत पर देवराज इंद्र ने उन्हें दर्शन दिए और कहा कि वे पहले महादेव के दर्शन का प्रयत्न करें। इसके बाद ही उन्हें दिव्यास्त्र मिल सकेंगे।

तब इन्द्र की आज्ञा और भगवान शिव के दर्शन की कामना से अर्जुन ने उसी पर्वत पर एकाग्रचित्त होकर घोर तप प्रारंभ किया और भगवान शिव प्रकट हुए। अर्जुन की परीक्षा लेने के लिए देवी पार्वती के साथ आए भगवान ने उस समय किरात का रूप बना रखा था। किरात अर्थात्त पर्वतीय निवासी या शिकारी के उस रूप में अर्जुन भगवान को पहचान न पाए और अपने बल के घमंड में साक्षात शिव से ही भिड़ गए। दोनों में युद्ध हुआ लेकिन अर्जुन ने पाया कि गांडीव से छोड़े गए सारे बाण किरात रूपी भगवान शिव के शरीर को प्रभावित किए बगैर उनमें समाते जा रहे हैं। यहाँ तक कि जब अर्जुन के बाण समाप्त हो गए और वे धनुष की नोक से महादेव को चोट पहुँचाने लगे तो गांडीव को भी शिव ने आत्मसात कर लिया। इसके बाद हुए द्वंद्व युद्ध में अर्जुन तो शिवजी को कष्ट न दे सके किन्तु शिवजी की मार खाकर वे अचेत हो गए। यहाँ तक कि उनकी श्वांस तक अवरुद्ध हो गई।

तब दो घड़ी बाद जब अर्जुन को चेत हुआ तो उन्होंने भगवान शिव की शरण ली और पास ही मिट्टी की एक वेदी बनाकर उस पर भगवान शिव का पार्थिव पूजन किया। अर्जुन ने देखा कि जो पुष्पमाला उन्होंने पार्थिव शिव पर चढ़ाई थी, वह किरात के मस्तक पर शोभायमान है। तब अर्जुन को अपनी भूल का भान हुआ और वे अपराध बोध से भरे किरात रूपी साक्षात शिवजी के चरणों में गिर पड़े। अर्जुन भगवान से युद्ध की भूल करने और उन्हें न पहचान पाने के लिए क्षमा मांग रहे थे जबकि शिव मुस्कुरा रहे थे। अर्जुन ने कहा, 'न मे स्यादपराधोऽयं महादेवातिसाहसात्। कृतो मयायमज्ञानाद् विमर्दो यस्त्वया सह। शरणं प्रतिपन्नाय तत् क्षमस्वाद्य शंकर।।' अर्थात् महादेव! अत्यंत साहसवश मैंने जो आपके साथ यह युद्ध किया, इसमें मेरा अपराध नहीं है। यह अनजाने में हो गया। अब मैं आपकी शरण में हूँ। कृपया मेरी धृष्टता को क्षमा करें।

जानते हैं तब महादेव ने क्या कहा! वे अर्जुन का सुंदर हाथ पकड़कर बोले, 'मैंने तुम्हारा अपराध पहले से ही क्षमा कर दिया है!' तमुवाच महातेजाः प्रहस्य वृषभध्वजः। प्रगृह्य रुचिरं बाहुं क्षान्तमित्येव फाल्गुनम्।।

साधो! शिव इसलिए देवाधिदेव महादेव हैं। वे अपराध पर दण्ड नहीं देते, अपितु सहज ही क्षमा कर देते हैं। कथा साक्षी है, इसके बाद शिवजी ने अपने स्पर्श से न केवल अर्जुन के तन-मन का समस्त अशुभ दूर कर दिया बल्कि पाशुपतास्त्र का उपदेश भी दिया और साथ ही आत्मसात किया अर्जुन का धनुष व बाण भी लौटा दिए। शिव सिखाते हैं कि अनजाने में हुई भूल क्षम्य है और क्षमा वही कर सकता है जो बलवान भी हो और शिव की भांति उदार भी।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

लौटते हुए लोग...!

कोरोना की दूसरी लहर कमजोर पड़ गई है। महामारी के इस तूफानी दौर से जो बच गए वे हांफते हुए लौटते दिखाई दे रहे हैं। उनके चेहरों पर राहत कम भय ज्यादा है। भय इस बात का कि तीसरी लहर की चेतावनी हर तरफ से आ रही है। जहां चार लोग जुटते हैं, वहां दूसरी लहर के हालातों को लेकर किस्से, कहानियां शुरू हो जाती हैं। कितने लोग चले गए, पता नहीं चला। सोशल मीडिया उनकी सूचनाएं देता रहा। बेहद नजदीकी तालुकात वालों की अंत्येष्टि तक में शामिल न हो पाने की कसक है। घर बैठने जाने तक के हालात नहीं रहे। झोला भर पैसा लेकर इलाज के लिए भटकने वालों को पता चल गया, दौलत अंतिम सत्य नहीं है। बड़ी गाड़ियों, बंगलों से बाहर न आने वालों को समझ आ गया, अट्टालिका के बाजू में बनी झोपड़ी में रहने वाले पड़ोसी की अहमियत क्या है? आधुनिकता की दौड़ में अपनी संस्कृति और परंपराओं को दकियानूसी कहने वालों को जवाब मिल गया कि क्यों हमारी जीवन शैली में शुचिता को शामिल किया गया? क्यों जल, जंगल और जमीन को देवता का दर्जा दिया गया? इन लौटते हुए लोगों के मन-मस्तिष्क में कई सारे सवाल हैं, जिनका जवाब उनके पास नहीं है। कई सारे विचार हैं। कई अनसुलझी गुत्थियां हैं।

यहां मैं कुछ किस्सों को शेयर करना जरूरी समझता हूं ताकि मेरी यह उलझी बातों को समझने में आपको आसानी होगी। गुजरात के एक राजवंशी बुजुर्ग ने कोरोना का दंश झेलने के बाद करीब सौ करोड़ रुपए गांव-गांव जाकर गरीब बालिकाओं को बांट दिए। उन्होंने कहा- मुझे यह समझ आ गया, यह दौलत मेरे किसी काम की नहीं है। एक बड़े उद्योग समूह के प्रमुख ने सार्वजनिक रूप से कहा- ''यह समय केवल जिंदगी बचाने का है, व्यापार का नहीं।'' मेरे एक मित्र मुंबई की होटल में रुके। वे धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धोती-कुर्ता जैसी वेशभूषा में थे तो गार्ड ने उनके सामान की तलाशी ली। जबकि सूट में आ-जा रहे लोगों को उसने नोटिस तक नहीं किया। एक उद्योग समूह के अंतरराष्ट्रीय स्तर के अस्पताल में चिकित्सकीय उच्च पद पर काम करने वाले बेटे ने अपने पिता को कोरोना से बचाने के लिए क्या कुछ नहीं किया लेकिन सफलता नहीं मिली। इन किस्सों में वही मैसेज है, जो यह हांफती भीड़ देना चाहती है। उनके स्वर जरूर अवरुद्ध हैं लेकिन चेहरे की भाषा से वे समझाना चाहते हैं- जिंदगी में दूसरे पल का भी कोई भरोसा नहीं है। दौलत से ज्यादा रिश्ते काम के हैं। प्रकृति का विज्ञान ही वास्तविकता है। (अब भी कुछ बची-खुची) भारतीय संस्कृति ही है जो आज भी मानव को सुसंस्कृत, सुसभ्य और सुस्वस्थ रखने की जीवन शैली है। हमने पाश्चात्य की आधुनिक दौड़ को विकास का आदर्श मान कर अपनी संस्कृति को परे रख कर आगे बढ़ने की कोशिश की है, उसका नतीजा है कि कोरोना से जंग में हम निहत्थे नजर आए। अन्यथा आयुर्वेद हमारे पास है जो हमें ऐसा जीवन देने का रास्ता है जिससे महामारी भी हमें छू नहीं सके। कोरोना के दौरान लोग आयुर्वेद की तरफ लौट आए। काढ़े से लेकर मसालों तक में कोरोना को रोकने की ताकत नजर आने लगी। हमारी परंपराएं स्वच्छता की सबसे ज्यादा हिमायती हैं, अब हम सैनिटाइजर जेब में लेकर घूम रहे हैं। सोशल डिस्टेंसिंग के लिए एक दूसरे से नमस्कार की परंपरा अब अमरिका तक नजर आ रही है। जलाशयों की स्वच्छता, पेड़-पौधों की सुरक्षा, जमीन की महत्ता को अब समझाने की जरूरत नहीं रह गई।

लौटती भीड़ के लोग अब रास्तों में बड़, पीपल, नीम, तुलसी रोप रहे हैं। उन्हें अनुभव हो गया कि कांक्रीट का जंगल उन्हें नहीं बचा सकता। कृत्रिम ऑक्सीजन से नहीं प्राकृतिक ऑक्सीजन से ही उनके फेफड़े स्वच्छ रह सकते हैं। ''ऑक्सीजन आत्मनिर्भर कॉलोनी'' का नया विचार फलीभूत हो रहा है। मेरा समाजबंधुओं से यही आग्रह है कि हम भी अपने समाज में टूटती परंपराओं और आदर्शों को फिर स्थापित करें, जो हमें स्वस्थ जीवन देते हैं।

यह अंक आपके हाथ में है। इसमें आप हमेशा की तरह विचारोत्तेजक आलेश, मर्मस्पर्शी कहानी-कविताएं, ज्ञानवर्द्धक जानकारी और समाज के आदर्श व्यक्तित्वों का परिचय पाएंगे ही। इस अंक में शामिल है, समाज के युवा उद्यमी चैन्नई निवासी विदुर माहेश्वरी की कहानी जिन्होंने ''चाय वाले'' शब्द को ठेले या गुमटी से ऊपर उठाकर कार्पोरेट सम्मान दिला दिया। अवश्य ही युवा पीढ़ी इनसे प्रेरित होगी। इसी प्रकार चित्तौड़गढ़ से सबसे कम उम्र की पायलट बनने का कीर्तिमान बनाने वाली अक्षी पुंगलिया को भी इसमें प्रेरक व्यक्तित्व के रूप में शामिल किया है। यह अंक विशेष रूप से समाज के उत्पत्ति पर्व महेश नवमी को समर्पित है। गत वर्ष की तरह फिर इस बार कोरोना महामारी की दूसरी लहर के कारण समाज ने घर की चार दीवारी में पर्व मनाकर पुनः सजग नागरिक होने का परिचय दिया। अंत में सभी स्वजनों को महेश नवमी पर्व की हार्दिक-हार्दिक बधाई देता हूँ।

स्थायी स्तंभों के अलावा समाज की गतिविधियों की जानकारी भी आप तक पहुंचाने का प्रयास है। कोशिश यही है कि हम आपकी अपेक्षाओं को पर खरे उतरें। लौटती डाक से अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराना न भूलें।

जय महेश

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

भोपाल (म.प्र.) निवासी उच्चतम मानवीय मूल्यों के पक्षधर श्री राजेन्द्र गट्टानी सामाजिक विद्रूपताओं और मानवीय विकृतियों पर गहरा कटाक्ष करने वाले व्यंग्य विधा के सशक्त हस्ताक्षर हैं। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशन के साथ ही काव्य मंचों और टीवी चैनल्स पर भी सुने जाते रहे हैं । गत एक वर्ष से जब लॉकडाउन पीरियड में फेसबुक पर लाइव काव्य पाठ का दौर शुरू हुआ तो आपने विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के माध्यम से लगभग 50 एकल काव्यपाठ किये हैं। तीन साझा संकलनों में आपकी रचनाएँ प्रकाशित हुई हैं और स्वयं का मुक्तक संग्रह प्रकाशनाधीन है। राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण अनुसंधान केंद्र, मध्यप्रदेश लेखक संघ, जिला पंचायत विदिशा, न्यायालयीन कर्मचारी संघ,अ.भा.माहेश्वरी युवा संगठन, रोटरी क्लब तथा सत्य समाज के साथ ही फेसबुक पर कविता को समर्पित प्रतिष्ठित समूह ''कवितालोक'' द्वारा सम्मान प्राप्त श्री गट्टानी साप्ताहिक समाचार पत्र 'शब्दशूल' के सम्पादक और मासिक पत्रिका 'शिवांशु दर्पण' के सलाहकार सम्पादक भी रहे हैं। आप अपनी सजग लेखनी से समाज को भी अपना मार्गदर्शन प्रदान करने का प्रयास सदैव करते रहे हैं।

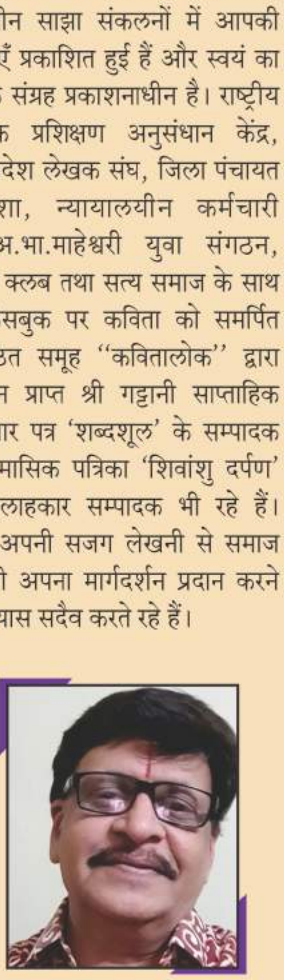

बढ़ाना होगा राजनीति में अपना वर्चस्व

देवाधिदेव भगवान महेश एवं माता पार्वती के आशीर्वाद से प्रादुर्भाव हुआ है, माहेश्वरी समाज का। देश के सुशिक्षित, सुसंस्कारित और श्रेष्ठ कुलीन समाजों में माहेश्वरी समाज अग्रणी है, संख्या में बहुत कम होने के बावजूद भी माहेश्वरी समाज का सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक दृष्टि से राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान रहा है। देश की अर्थव्यवस्था में माहेश्वरी समाज के योगदान को सत्ता के शीर्ष नेतृत्व ने भी कई बार स्वीकार किया है। ऐसी उच्च और आदर्शमयी विरासत के बाद भी आज हम स्वयं को वृहत्तर राष्ट्रीय फलक पर उस उन्नत मुकाम पर नहीं पाते जहाँ हमें होना चाहिये। आजकल राजनीति में प्रभावी हस्तक्षेप के बिना ऐसा संभव नहीं है जबकि हमारी राजनीति में सक्रियता नहीं के बराबर है। यदि हम इसके कारण खोजें तो संभवतः यह कुछ कारण हो सकते हैं कि हमारे समाज बंधु सक्रिय राजनीति से दूरी रखते हैं, क्योंकि राजनीति की कुटिल चालें हमारे निश्छल समाज जनों को रास नहीं आती। चाटुकारिता हमारे स्वभाव में नहीं है। स्वाभिमान से हम समझौता नहीं कर सकते। हमें खुद को एक्सपोज करना नहीं आता।

बाकी तीन कारण तो हमारी विशेषताएं हैं, जबकि चौथा कारण आज के समय में कमजोरी माना जाता है। चाहे संगठन के स्तर पर हो या व्यक्तिगत रूप में, हम अपने द्वारा किए गए जन सेवा के कार्यों को प्रचारित ही नहीं कर पाते, छोटा - बड़ा कोई भी पारमार्थिक कार्य हो हम स्वान्तः सुखाय की भावना से करते हैं। यहाँ यह स्पष्ट करना चाहूँगा कि प्रचार का मकसद स्वयं की जयकार कराना नहीं वरन जनसामान्य को अपने कार्यों की जानकारी देकर उनका अपने प्रति जुड़ाव पैदा करना है। आवश्यकता यही है कि हमें कार्य करते हुए जनसमर्थन को अपने पक्ष में करना है, जिससे राजनीतिक दलों को हमारे समाज का प्रभुत्व और वर्चस्व समझ में आये और अन्य जाति-समाजों की तरह हमें भी उचित महत्व मिल सके। यद्यपि वर्तमान में हमारे समाज बंधु का लोकसभा अध्यक्ष होना हमारे लिए गर्व की बात है परंतु यह भी आवश्यकता है कि हम राजनीति में रुचि रखने वाले समाज बंधुओं को आगे बढ़ने में सहयोग करें। दूसरा विचार बिंदु है अनेक सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में सक्रिय हमारे बंधु-बांधवी को भी समाज जनों अथवा संगठन के नेतृत्व कर्ताओं की तरफ से प्रोत्साहन और सहयोग का अभाव रहता है। हमारे समाज में साहित्य, संगीत, कला और क्रीड़ा क्षेत्र में कई ऐसी प्रतिभाएँ हैं जिन्हें प्रोत्साहन और सहयोग मिले तो वह राष्ट्रीय स्तर पर समाज को गौरवांवित कर सकती हैं। हम समाज में ही जब अपनी प्रतिभाओं को अवसर उपलब्ध नहीं कराते तो राष्ट्रीय फलक पर पहुँचने में उन्हें ऐसे कई अवरोधों का सामना करना पड़ता है जो संगठन के सहयोग से सहज ही दूर हो सकते हैं। तीसरा और बहुत ही महत्वपूर्ण विचार बिंदु है हमारे सामाजिक कार्यकर्ताओं में टीम भावना की कमी। इस विचार के पीछे मेरा यह अनुभव है कि हमारे सामाजिक संगठनों में पद प्राप्ति हेतु सक्रिय कार्यकर्ताओं की प्रतिस्पर्धा किसी से छिपी नहीं है, नगर इकाइयों से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर हुए चुनाव इस प्रतिस्पर्धा का प्रमाण हैं और इन्हें अनुचित भी नहीं कहा जा सकता, क्योंकि प्रजातांत्रिक मूल्यों की अनुपालना करते हुए संगठन में पद पाना तो स्वयं की विश्वसनीयता और कार्यशैली की स्वीकार्यता दर्शाता है, परंतु देखा यह गया है कि चुनाव प्रक्रिया में जो दो पक्ष होते हैं, वह निर्वाचन उपरांत अपनी विचार भिन्नता के कारण परस्पर सहयोगी तो हो ही नहीं पाते बल्कि कहीं-कहीं यह विचार भिन्नता स्थायी द्वेष और कटुता का रूप ले लेती है। हमें इस संकीर्णता से भी बचना चाहिये और खिलाड़ी भावना को अपनाते हुए निर्वाचन उपरांत, आपस की प्रतिस्पर्धा को भूलकर पदासीन समाज जनों के सहयोगी होकर कार्य करना चाहिये।

उपरोक्त अपेक्षाओं के साथ साथ यदि मैं उपलब्धियों और प्रयासों की चर्चा न करूँ तो बात अधूरी भी होगी और एक पक्षीय भी। इसलिये जो कार्य किये जा रहे हैं उनके प्रति साधुवाद व्यक्त करना भी अपना दायित्व मानता हूँ। अनेक ट्रस्टों के माध्यम से समाज बंधुओं में समता के प्रयास निरंतर जारी हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यवसाय हेतु सहायता की योजनायें बढ़ी हैं। आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से जरूरतमंद समाज जनों को चिन्हित कर उन तक पहुंचने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। इसी के साथ पिछले दो दशक में कुछ बड़े बदलाव समाज में देखने को मिले हैं कि हमने परंपराओं का निर्वहन करते हुए रूढ़ियों को त्यागा है। अपने संस्कार की सीमाओं में रहकर आधुनिकता को भी स्वीकार किया है। परिवारों में महिलाओं और युवाओं के विचारों को भी मान मिला है और वह निर्णयों में सहभागी बनने लगे हैं, जो निश्चित ही शुभ संकेत है।

अब आवश्यकता इस बात की है कि वैयक्तिक और पारिवारिक रूप से निरन्तर ऊंचाइयां छू रहे समाजजनों को साथ लेकर अनेकानेक क्षेत्रों में सक्रिय और विभिन्न विधाओं में प्रवीण अपने समाजजनों को राष्ट्रीय स्तर पर ख्यात करने के लिये भी विचार और व्यवहार करें, जिससे वृहत्तर राष्ट्रीय फ़लक पर भी माहेश्वरी समाज को गौरवशाली स्थान मिल सके। महेश नवमी पर्व की हार्दिक बधाई एवं अशेष शुभकामनाएं

राजेन्द्र गट्टानी
अतिथि सम्पादक

|| जय महेश ||

माहेश्वरी समाज का 5154वाँ उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक मंगल शुभकामनाएँ।

माहेश्वरी सभा, बेंगलुरु

निर्मलकुमार तापड़िया
अध्यक्ष

कार्यसमिति सदस्यगण
E-mail : mahsabblr@gmail.com | Website : www.msblr.org

भगवानदास लाहोटी
सचिव

माहेश्वरी महिला मंडल, बेंगलुरु

श्रीमती कान्ता काबरा
अध्यक्षा

श्रीमती विजयलक्ष्मी सारड़ा
सचिव

माहेश्वरी युवा संघ, बेंगलुरु

अरविन्द लोया
अध्यक्ष

धीरज काबरा
सचिव

माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित

मोहनलाल माहेश्वरी
चेयरमैन

गोपालदास इन्नानी
मैनेजिंग ट्रस्टी

3/4,Okalipuram Main Road, Bengaluru - 560 021.
Ph. : 080 - 2312 7597

11/12, 1st Main Road, Okalipuram 1st Stage,
Bengaluru - 560 021. Ph. : 080 - 2352 7672

माहेश्वरी फाउण्डेशन द्वारा संचालित

राजगोपाल भूतड़ा
चेयरमैन

ललित मालानी
मैनेजिंग ट्रस्टी

336, Ideal Home Society, 17th Cross, Rajrajeshwarinagar,
Bengaluru - 560 098. Ph. : 080 - 2860 3734
e-mail : mfblr121@gmail.com

माहेश्वरी सौहार्द्र क्रेडिट को-ऑपरेटिव लि.

नन्दकिशोर मालू
अध्यक्ष

सुरेशकुमार लखोटिया
उपाध्यक्ष

69, Sirsi Road, Sirsi Circle, Chamrajpet, Bengaluru - 560 018
Ph. : 080-48544445/26704425 E : msccltd2016@gmail.com | W : www.msccl.in

श्री झीण माताजी

माहेश्वरी समाज की सोढानी खांप की कुल माता है। इसके अलावा सोमानी, जाजू, बजाज, काबरा, राठी, बिड़ला, तोषनीवाल, छापरवाल, तापड़िया, खांपें वाले भी इन्हें मानते हैं।

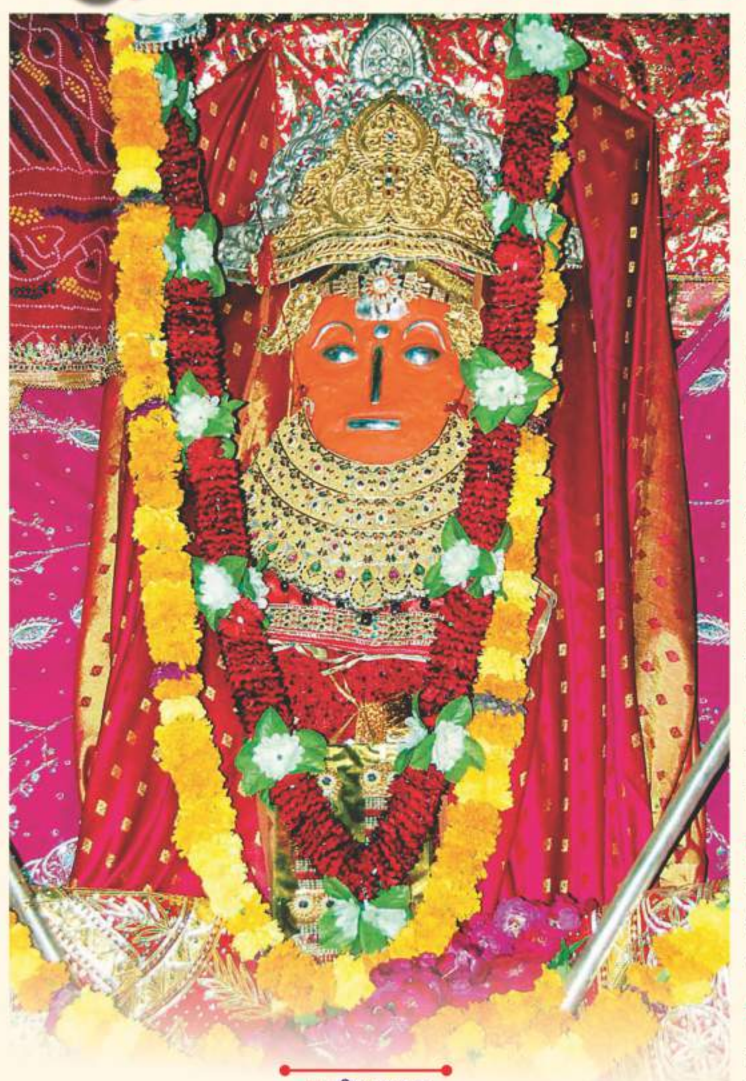

■ टीम SMT

झीणमाता का भव्य अति प्राचीन मन्दिर राजस्थान के सीकर जिले के 'झीणधाम' में स्थित है। श्री झीणमाताजी दुर्गा की नौ देवियों में प्रथम जयन्ती देवी का अवतार हैं। यह मन्दिर कई हजार वर्ष पुराना है। झीणमाताजी के सम्बन्ध में राजस्थान में लोकोख्यान प्रसिद्ध है कि यहाँ हर्ष और झीण ने कठोर तपस्या की थी। यह मंदिर केवल पूर्व दिशा में खुला हुआ है, बाकि तीनों दिशाओं में यह पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा हुआ है। मंदिर में स्थित माता की प्रतिमा अष्ट भुजाओं वाली है और सामने घृत और तेल के दो अखण्ड दीपक कई हजार वर्षों से प्रज्जवलित हैं।

इस मंदिर का प्राचीन इतिहास है। इसके इतिहास के बारे में पुजारी कमलकुमार पाराशरजी ने बताया कि मुस्लिम बादशाह औरंगज़ेब सेना के साथ कई मंदिरों को खंडित करते हुए यहाँ भी इसी उद्देश्य से आया था परंतु माताजी के चमत्कार के कारण ऐसा कुछ कर नहीं पाया और भवनेश्वरी माताजी मंदिर के यहाँ पर स्थित मधुमक्खी के छत्ते द्वारा आक्रमण कर सेना को वापस जाने को मजबूर होना पड़ा। इस चमत्कार से औरंगज़ेब भी हतप्रभ रह गया। बाद में उसने यहाँ पर छत्र चढ़ाकर अखंड ज्योत जलाई जो आज भी जल रही है। इस मंदिर की विशेषता यह है कि यहाँ पर कभी ताले नहीं लगे हैं। मंदिर पर कई मुस्लिम परिवार भी आस्था रखते हैं तथा सेवा करने आते रहते हैं।

यहाँ पर कई धर्मशालाएँ हैं जहाँ पर यात्रियों के लिए निःशुल्क सेवाएँ उपलब्ध रहती हैं। भोजन के लिए शुद्ध शाकाहरी ढाबा भी उपलब्ध है। मंदिर में पूर्व सूचना देने पर न्यूनतम दर पर भोजन व्यवस्था की जाती है तथा बर्तनों का किराया नहीं लिया जाता है।

आरती व प्रसाद - जीणधाम में माँ जीण की आरती तीन समय होती है,

प्रथम आरती - मंगला आरती सुबह 4 बजे होती है जिसमें माँ को सम्पूर्ण वाद्य यंत्रों द्वारा जगाया जाता है।

द्वितीय आरती - प्रातः 8 बजे मुख्य आरती के पश्चात भात (चावल) प्रसाद लगाकर यात्रियों में बांटा जाता है। इस प्रसाद को ढाई किलो चावल, आधा किलो घी, आधा किलो चीनी के साथ झीण कुण्ड के अमृत समान जल से बनाया जाता है।

तृतीय आरती - सायं 7 बजे आरती पश्चात दुर्गा सप्तशती के मंत्रोचारण के पश्चात चावल का भोग लगाया जाता है। (आरती के समय में फेरबदल सूर्य उदय व अस्त होने के अनुसार किया जाता है)

मंदिर के बारे में पुजारी बताते हैं कि यहाँ पर पहले कभी बलि एवं मदिरा का भोग लगाया जाता था परंतु आजकल यह नहीं होता है।

कैसे पहुँचे

राजस्थान के सीकर जिले में वाया कोछोर (सीकर) से 30 किलोमीटर दक्षिण की ओर जयपुर हाईवे पर गौरियां जंक्शन से 15 किलोमीटर दूर अरावली गिरी में स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए सड़क मार्ग से जाना होता है। लेकिन रेलमार्ग से पहुंचने के लिए गौरियां रेल्वे स्टेशन उतरना होता है। रेल या वायु मार्ग द्वारा जयपुर पहुंच कर यहां से बस या स्वयं के निजी वाहन द्वारा झीणधाम पहुंचा जा सकता है।

BROKING SINCE 1981

CELEBRATING 40 YEARS

online backoffice
bonds derivatives
mobile trading mutual
depository ipo fund
research equities
currency

Trade on Mobile

mSauda

DOWNLOAD
'Suresh Rathi mSauda'
Available on Playstore & iOS

- Live Holding Valuation
- Online Fund Transfer
- Market News & Info
- Back-Office Reports
- Corporate Actions

FREE SMS

Instant Sauda Confirmation
Price Variation
Whenever your Demat Scrip is Up/Down by 5%

Schemes
Life Time AMC Scheme
Lotus Scheme
(Save upto 60% for Demat Charges)

DOWNLOAD
MOBILE APP

BACK OFFICE — Suresh Rathi Back Office
MF — Suresh Rathi Mutual Fund

Since 1981
Suresh Rathi
Wealth Creator thru Systematic Investment

For Franchisee Enquiry, contact Praveen Chitlangia # 98287 54000

info@sureshrathi.in • 1800 120 2484 • www.sureshrathi.com

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश

दिनांक : 13 जून 2021
पत्र क्रमांक : 355/21

संदेश

सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज को समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ। भगवान महेश सभी के जीवन में नव उत्साह का संचार करें तथा सभी को स्वस्थ रखें, ऐसी मंगलकामनाएं।

माहेश्वरी समाज न सिर्फ शीर्ष उद्यमी व व्यवसायी समाज है, अपितु इसकी सेवा-भावना भी सभी के लिए प्रेरणादायी है। कोरोना महामारी की इस भयानक विभीषिका में कई संगठनों ने आगे आकर मानवता की तन-मन-धन से सेवा की है, जिनमें माहेश्वरी समाज संगठन भी शामिल रहे हैं। माहेश्वरी समाज के योगदान की मैं सराहना करता हूँ।

समाज के उत्पत्ति दिवस के इस पर्व पर अपने उत्साह में कमी न होने दें, लेकिन इसके साथ ही कोरोना से बचाव के नियमों का अवश्य पालन करें। याद रखें कि "दो गज की दूरी-मास्क है जरूरी"। स्वयं भी टीकाकरण करवाएं और दूसरों को भी प्रेरित कर जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं।

हार्दिक शुभकामनाएँ।

(शिवराज सिंह चौहान)

एक दूसरे के सुख दुख के बने साथी

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के मंगलमय अवसर पर सभी को बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं।

कोरोना महामारी की इस विभीषिका के दौर में महेश नवमी का यह पर्व सीमित सामूहिक सम्पर्कों से दूर रहकर भी शुभ संकल्पों और चिंतन का पर्व बन गया है। आइए इस पर्व पर हम सभी आराध्य देव से प्रार्थना करें कि वह हम सभी को इतनी शक्ति दें कि हम स्वयं तो शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से समर्थ रहें ही साथ ही समाज के विकास व समाज हित के कार्यों में भी वर्तमान की तरह सदैव सहभागी बन सकें।

वर्तमान दौर में सम्पूर्ण विश्व ही कोरोना महामारी की प्रथम के बाद अब दूसरी लहर के कहर के कारण कराह उठा है। ऐसे में मानव होने के नाते जब हम एक-दूसरे के दुःख दर्द में साथ नहीं निभाएंगे, तब तक हम इस जीवन को सार्थकता सिद्ध नहीं होगी। साथ ही इस महामारी के बचाव के लिये कहना चाहूंगा वैक्सीन जरूर लगवाऐं साथ ही दो गज की दूरी भी जरूर रखें।

पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सेवा भावना ही सच्चा अभिषेक

महेश नवमी पर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और सभी के चहुंमुखी विकास की भगवान महेश से मंगल कामना।

यह पावन पर्व अपने अतीत के स्मरण का भी पर्व रहा है, लेकिन इस बार का यह पर्व स्वयं अपने आपमें अतीत की स्मृति में शामिल हो जाएगा। कारण है गत वर्ष तो कोरोना की प्रथम लहर में हुए लॉकडाउन में हमें घर की चार दीवारी में रहकर यह पर्व मनाना पड़ा। लेकिन इस बार हमने कई अपनों को खो दिया है। हमने जिन्हें खोया है, उन्हें पुनः प्राप्त करना तो सम्भव नहीं लेकिन उनके उद्देश्यों को पूर्ण कर पायें तो सच्चे अर्थों में उनके प्रति श्रृद्धांजलि होगी। हम यदि ऐसे आदर्शों को अंगीकृत कर लें तो यह संकल्प ही सही मायने में भगवान महेश का सच्चा अभिषेक होगा। सभी समाजबंधुओं को पुनः मंगलकामनाएँ।

राम अवतार जाजू
पूर्व अध्यक्ष
माहेश्वरी बोर्ड, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

अच्छे नागरिक होने का परिचय दें

समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी महापर्व की सभी को हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाऐं और सभी को स्वस्थ तथा मंगलमय जीवन की मांगल कामनाऐं।

हमारा देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व पिछले वर्ष से ही कोरोना महामारी से कराह रहा है। इसकी पहली लहर के बाद अब दूसरी की महाविभीषिका भी झेल चुका है। कहते हैं कि कर्मवीरों की कभी हार नहीं होती। ठीक यही इसमें भी हुआ। मानवता के लिये खतरा बनी इस महामारी को भी हमारे प्रयासों से तैयार वैक्सीन के सामने घुटने टेकना ही पड़ा। आज हमारे पास इससे बचाव के लिये वैक्सीन मौजूद है। मैं सभी से अपील करता हूँ कि सभी वैक्सीन लगवाकर एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें। इसके साथ ही इस महामारी से संकट झेल रहे समाजजनों से भी मैं कहना चाहूँगा कि धैर्य के साथ कर्मवीर बने जुटे रहें। जब हमारे प्रयासों से यह महामारी परास्त हो सकती है, तो महामंदी भी अवश्य ही नतमस्तक हो सफलता की राह दिखाऐगी।

पुनः सभी को महेश नवमी पर्व की बहुत-बहुत बधाई।

रामकुमार भूतड़ा
पूर्व महामंत्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा
कोषाध्यक्ष राजस्थान प्रदेश, भारतीय जनता पार्टी

सेवा भावना ही हमारी श्रेष्ठता

महेश नवमी हमारे गौरवशाली समाज की आस्था एवं श्रद्धा का पावन पर्व है। इस बार भी यह पर्व ऐसे दौर में आया है जब कोरोना महामारी की दूसरी लहर के कारण पूरा देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व अस्त व्यस्त है सामाजिक आयोजनों को सोश्यल डिस्टेसिंग की दृष्टि से डिजिटल साधनों के माध्यम का उपयोग करते हुए सामूहिक समारोह में बड़ी उपस्थिति में बचें।

इन विचित्र परिस्थितियों में हम अपना यह समााजिक पर्व गत वर्ष की तरह इस बार भी घर की चारदीवारी में ही रहकर मनाने के लिये विवश हैं, लेकिन प्रसन्नता इस बात की है कि हमारा उत्साह कम नहीं हुआ।। सिर्फ परिस्थियां बदलीं, लेकिन खुशियों में कोई अंतर नहीं आया। विशेष प्रसन्नता की बात यह है कि इस कोविड-19 की त्रासदी के कठिन दौर में भी समाजजनों ने जरूरतमंदों की जिस तरह सेवा की मिसाल कर श्रेष्ठता का जो परिचय दिया उसने हमारे आराध्य भगवान महेश की प्रेरणा से उत्पन्न सेवा भाव को पुनः चरितार्थ करवा दिया। सभी समाजबंधुओं को मैं समाज के इस पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं देता हूँ।

जोधराज लड्ढा
पूर्व सभापति,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

कोई नहीं छीन सकता हमारा उत्साह

समाज के उत्पत्ति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के कल्याण की भगवान महेश से कामना करता हूं।

अत्यंत हर्ष का विषय है कि देश-विदेश में बसे समाजजनों ने कोरोना महामारी के कारण गत वर्ष से सतत बनी इस विकट स्थिति में घर पर रहकर भी पूरे उत्साह के साथ महेश नवमी पर्व मनाया। इस वर्ष के आयोजन और पूर्व के पर्व में अन्तर रहा, तो बस इतना कि इसे इस बार भी गत वर्ष की तरह सामूहिक आयोजनो के साथ भव्य रूप में नहीं मना पाऐ। इस स्थिति ने यह सिद्ध कर दिखाया कि हमसे हमारा उत्साह कोई नहीं छीन सकता है। हमारी हमारे उत्पत्ति पर्व के प्रति कितनी अधिक अगाध श्रद्धा है।

नेमीचंद तोषनीवाल
कोलकाता

मानव सेवा का लें संकल्प

महेश नवमी पर्व की सभी को शुभकामनाऐं देते हुए समाज के आदर्शों को अक्षुण्ण रखने की भगवान महेश से कामना करता हूँ।

कोरोना महामारी की विभीषिका में समाजजनों ने जिस तरह पीड़ित मानवता की सेवा की उससे अपने माहेश्वरी होने पर गर्व हो गया। भगवान महेश स्वयं जगत के पालनहार हैं, ऐसे में समाज ने इस पावन अवसर पर उनके आदर्श को ही सभी के सामने प्रस्तुत किया है। कोरोना की भीषण त्रासदी में हमारे समाज ने जिस सहिष्णुता, संवेदनशीलता और सहभागिता का परिचय दिया है, उससे कइयों के आँखों के आंसू ही नहीं पोछे बल्कि होठों पर मुस्कान भी लाई है। हमारा यह परिचय ही हमारी वंशोत्पत्ति को गौरवान्वित करता है।

इस पावन पर्व पर संकल्प लें हमारा समाज सेवा का यह अभियान यूं ही चलता रहे और सबको यह एहसास दिलाये कि कोई अकेला नहीं हैं समाज उसका परिवार है। हम अपने इस उत्पत्ति दिवस महेश नवमी को "माहेश्वरी दिवस" के रूप में मनाएं। माहेश्वरी दिवस अर्थात् वह दिवस जो प्रत्येक समाज जन का हो और जिसे दीपावली-दशहरे की तरह सभी समाज जन पूरे उत्साह के साथ मनाएँ।

कमल गांधी
संरक्षक "समन्वय" कोलकाता

धन का करें मानव सेवा में उपयोग

सभी को महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं और सभी के चहुंमुखी विकास की भगवान महेश से मंगल कामना।

अपना सामाजिक उत्पत्ति पर्व महेश नवमी हम हमेशा ही सामूहिक आयोजनों के साथ उत्साहपूर्वक मनाते आये हैं। गत वर्ष से यह दूसरी बार ऐसा हुआ है कि हमें घर की चारदीवारी में रहकर यह पर्व मनाना पड़ रहा है, लेकिन इस बीच भी हमारे उत्साह में कोई कमी नहीं आ पायी, सिर्फ बदला तो आयोजन का स्वरूप। प्रसन्नता का विषय है कि अपनी गरिमामय परम्परानुसार इस विपदा के दौरान भी तन-मन-धन से मानवता की सेवा कर हमने अपने सद्संकल्पों का पालन किया है। अपने इस सेवा अभियान में हमने जाति एवं धर्म की सीमाओं से परे जाकर निःस्वार्थ भाव से मानवता की सच्ची सेवा ही की है। इस पावन अवसर पर दिखावे से दूर रहकर इस धन का उपयोग मानवता की सेवा में करने का संकल्प लें।

अशोक सोमानी
उपसभापति, (उत्तरांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

संस्कारों का करें प्रदर्शन

जेष्ठ शुक्ल नवमी जिसे हम माहेश्वरी महेश नवमी के रूप में मनातें हैं। हम सभी के लिए यह दिवस गौरवान्वित दिवस हैं जिसे हम सभी विविध कार्यक्रमों के माध्यम से बड़े ही हर्षोल्हास के साथ मनाते हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से माहेश्वरी समाज के संस्कार और उसकी संस्कृति दोनों का ही प्रदर्शन होता हैं, समाज के लोंगो कों प्रेरणा और सीख मिलती हैं। अतः समाज के सभी सदस्यों को इस बात का स्मरण रखकर ही कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए।

परमपिता महेश भगवान से वरदान स्वरूप मिले, अपने इस माहेश्वरी समाज और उसकी कीर्ति को अखंड रखने के लिए समाज के लोगों को सदैव अग्रेसर रहना चाहिये। पाश्चात्य संस्कृति, हमारी मूल संस्कृति पर हावी ना हो जाए उस पर सभी को मिलकर ध्यान देना अनिवार्य है। प्रत्येक समाज सेवी को हमेशा प्रयत्नशील रहना चाहिये कि, समाज हमेशा ही सकारात्मक दिशा की ओर प्रवाहशील रहें।

महेश नवमी की मंगलमय शुभकामनाएं!

त्रिभुवन काबरा
उपसभापति (मध्यांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

भगवान महेश से सीखें सामंजस्य

समाज के उत्पत्ति पर्व की सभी स्वजनों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए समाज के सर्वांगीण विकास की भगवान महेश से करबद्ध कामना करता हूँ।

महेश नवमी वह पावन दिवस है जिस दिन हजारों वर्ष पूर्व हमारे पूर्वजों ने वैश्य धर्म अपनाया और हमारे समाज की उत्पत्ति हुई। इस समाज की उत्पत्ति के कारण स्वयं भगवान महेश हैं, इसीलिये हम माहेश्वरी कहे जाते हैं, यह न भूले। अतः भगवान महेश से इस पावन अवसर पर सामंजस्य की प्रेरणा लें कि किस तरह उनके परिवार में भिन्न-भिन्न प्रकृति के सदस्य भी सहयोग की भावना से रहते हैं। यदि हमने इसे अपना लिया और अपने अहम को त्याग दिया तो न तो परिवारों में बिखराव होगा और न ही समाज में। सामंजस्य ही वह शक्ति है जो सभी को प्रेम के धागे में पिरोकर एकजुट रखती है। अतः आइये हम संकल्प लें परस्पर एकता व सामंजस्य का।

दामोदरदास मूंदड़ा
पूर्व अर्थ मंत्री
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

मानवता के प्रति भी हों समर्पित

समाज के उत्पत्ति पर्व की समस्त स्वजनों को शुभकामनाऐं देते हुए अत्यंत हर्ष महसूस कर रहा हूँ।

यह पर्व वास्तव में आत्मचिंतन का पर्व है। याद रखें हमने हमेशा ही हर विकट स्थिति में राष्ट्र व मानवता की तन-मन-धन से सहायता की है। वर्तमान में भी यही स्थिति बनी हुई है। कोरोना महामारी भीषण आपदा बनकर मानवता के सामने खड़ी है। ऐसे में हम इससे बचाव में तन-मन-धन से यथासंभव सहयोगी बनें। वैक्सीनेशन के लिये सभी को प्रेरित करें तथा सतर्कता का ध्यान भी रखें। याद रखें हमें समाज के साथ मानवता के प्रति भी समर्पित होना है।

रामगोपाल मूंदड़ा
पूर्व उपसभापति
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

जगत कल्याण की कामना

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस की सभी को बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं।

कोरोना महामारी की इस विभीषिका के दौर में महेश नवमी का यह पर्व सामूहिक सम्पर्कों से दूर रहकर भी शुभ संकल्पों का पर्व बन गया है। हम सभी इस अवसर पर भगवान महेश से प्रार्थना करें कि वे न केवल माहेश्वरी समाज अपितु सम्पूर्ण जगत का कल्याण करें और इस महामारी से सभी की रक्षा करें। वर्तमान दौर में सम्पूर्ण विश्व ही कोरोना महामारी से पीढ़ित है। ऐसे में मानव होने के नाते जब हम एक-दूसरे के दुःख दर्द में साथ नहीं निभाएंगे, तब तक हम अपने आपको भगवान महेश की संतान नहीं कह सकते। आईये इस पावन पर्व पर संकल्प लें कि हम समाज के अपने जरूरतमंद भाइयों की मदद करेंगे ही, साथ ही पीढ़ित मानवता की सेवा में अपना योगदान देने में भी पीछे नहीं रहेंगे।

कमलकिशोर चांडक
पूर्व संयुक्त मंत्री,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

आत्मीय स्वजन

हम सभी अभी बड़े कठिन दौर से गुजरे हैं। आने वाले समय मे भी महामारी क्या रूप लेगी, मालूम नहीं।

हम में से बहुतों ने इस कोरोना काल में अपनों को खोया है, उन सभी के दुःख को मैं अपने हृदय में महसूस कर सकती हूँ। घर मैं उनके होने, उठने-बैठने का स्थान अब उनकी यादें दिलाता है, मैं आपके दर्द में बराबर आपके साथ हूँ। किन्तु जो परिजन हमें छोड़ कर गए हैं उनमें से शायद ही कोई ऐसा हो जिसने हमे कर्म करने का संदेश न दिया हो।

आंधिया और विपदाएं आती रहेंगी, लाख करें पतझड़ कोशिश पर उपवन नहीं मार सकता है। इतिहास गवाह है, कैसा भी कठिन समय रहा हो महिलाओं ने परिवार को हर प्रकार से संभाला है। तो बहनों अपने दुख को हृदय में समेट कर अपने कर्मवीर होने का अपना कार्य और अपनी भूमिका को सम्पन्न करे। कितनी भी अंधेरी, लंबी रात हो, सकारात्मकता की सुबह को कोई नहीं रोक पाया है। भगवान महेश हम सबकी प्रार्थना स्वीकार करे और महामारी की काली रात का अंत कर स्वास्थ्य और शुभता का आशीर्वाद प्रदान करें।

आशा माहेश्वरी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अ. भा. वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

एकात्म भाव को जीवन में उतारें

5151वें माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

शिव परिवार अपने वात्सल्य भाव के माध्यम से विभिन्न प्रवृत्तियों में एक अनूठे तालमेल का अद्भुत संदेश देता है। विभिन्नताओं और विषमताओं के बावजूद कैसे पारिवारिक एवं सामाजिक संतुलन बनाकर रखा जा सकता है। हमें यह शिव परिवार से सीखना चाहिए। हम देख सकते हैं की शिव परिवार में सब एक-दूसरे के प्रबल शत्रु हैं पर सभी विषमताओं के बीच शिव परिवार में इन सब का एकात्म भाव एक बड़ा संदेश देता है। वैश्विक महामारी के इस आपदा काल में तो एकात्म भाव की इस अलौकिक शक्ति का विशेष स्वरुप हमें देखने को मिला जिसने कोरोना की भीषण त्रासदी में परिवार और समाज में संजीवनी का काम किया। परिवार और संगठन के सदस्यों में यदि स्नेह, प्रेम, करुणा, वात्सल्य और सहयोग का भाव है, एकात्म की विलक्षणता है तो दुख में भी सुख, निराशा में भी आशा और नकारात्मकता में भी सकारात्मकता का बोध होता है। वस्तुतः एकात्म भाव हमारी संस्कृति का मूल आधार है जो वसुधैव कुटुंबकम का पोषण करता हुआ लोक सेवा का मार्ग प्रशस्त करता है। अतः आइए महेश नवमी पर्व के अवसर पर हम शिव परिवार के एकात्म भाव में निहित संदेश को अपने जीवन आचरण में उतारने का संकल्प ले।

मंजु बांगड़
राष्ट्रीय महामंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

करें तन-मन-धन से सहयोग

महेश नवमी के पावन पर्व पर समस्त माहेश्वरी बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कुशलता की मंगलकामना करता हूं। समाज में सदैव प्रेम, सहनशीलता, सदभावना, सदाचार, समर्पण बना रहे। समाज हर क्षेत्र में सफलता की ऊंचाईयों को छुएं। समाज बंधुओं को प्रतिष्ठा एवं सफलता प्राप्त हो।

इस कोरोना आपदा की घड़ी में हमारे समाज के अनेक परिवार प्रभावित हुए हैं, किसी के व्यापार व व्यवसाय पर असर पड़ा है तो किसी ने अपने परिवार के सदस्य को खोया है एवं अनेक परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। आईये इस महेश नवमी पर संकल्प लें कि समाज के ऐसे जरूरतमंद परिवारों को तन-मन-धन से सहयोग कर सम्बल प्रदान करेंगे। हमारे समाजजन को शत् प्रतिशत वैक्सीनेशन के लिए आप सभी से आग्रह करता हूँ। वैक्सीन जरूर लगवाए और समस्त समाजबंधुओं को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित करें।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ...

राजकुमार काल्या
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन

रिश्तों के मूल्य को समझें

महेश नवमी पर्व की सभी स्वजनों को शुभकामनाऐं देते हुए मैं समाज के सर्वांगीण विकास की भगवान महेश से कामना करता हूँ। कोरोना महामारी की विभीषिका ने हमें परिवार तथा अपनों के साथ रहने का महत्व समझाया है। वास्तव में देखा जाऐ तो हम जीवन की भागदौड़ में अपने पारिवारिक रिश्तों को महत्व नहीं दे पा रहे थे। हमारी व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा में पारिवारिक रिश्ते कहीं खो गये थे। अतः इस विपदा ने हमसे कुछ छीना है, तो पारिवारिक रिश्तों की मिठास भी दी है। आईये इस पावन पर्व पर हम संकल्प लें कि इस दौर ने हमें जो सही मार्ग दिखाया है, उसे भगवान महेश का प्रसाद मान हम रिश्तों की मिठास को कभी कम नहीं होने देंगे।

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सभी की कुशलता की मंगलकामना करता हूं!

कमल भूतड़ा
पूर्व अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन

सभी के कल्याण की करें कामना

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के मंगलमय अवसर पर आप सभी को बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस समय पूरा विश्व कोराना वायरस के संकट से जूझ रहा है। विपदा की इस घड़ी में समाज को एकजुटता और समर्पण के भाव के साथ देशहित में अपना योगदान देना है। ईश्वर ने हमें सेवा करने का मौका दिया है इसलिए देश पर आए इस संकटकाल में समर्थ समाजबंधु किसी न किसी रूप में अपना दायित्व अवश्य निभाएं क्योंकि पीड़ितों की सेवा करना ही असली सेवा है। महेश नवमी का उत्सव भी मानव जगत कल्याण और परोपकार के कर्म करने का संदेश देता है। महेश नवमी मनाने की हमारी सार्थकता भी तभी सिद्ध होगी जब हम जरूरतमंद के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन निस्वार्थ भाव से करें।

संपूर्ण विश्व का कल्याण करने वाले भगवान शिव से यही प्रार्थना है कि विश्व में आई इस विपदा से सबको बचाएं, सबका कल्याण करें तथा सभी को स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दें।

श्यामसुंदर राठी
कार्यसमिति सदस्य
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

नयी पीढ़ी को बताऐं समाज का महत्व

महेश नवमी पर्व की सभी स्वजनों को शुभकामनाऐं देते हुए मैं समाज की सेवा भावना, व्यावसायिक सामर्थ्य तथा परम मानवीय संवेदना को अक्षुण्ण रखने की भगवान महेश से कामना करता हूँ।

कोरोना महामारी की विभीषिका ने हमें घर की चारदीवारी में कैद कर हमारे सामाजिक सम्पर्कों को भौतिक रूप से कुछ समय के लिये ही सही लेकिन सीमित करने का प्रयास तो किया ही है, लेकिन इसके साथ ही कमजोर होते पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने का काम भी किया है। लॉकडाऊन ने हमें परिवार के साथ रहने का अवसर देकर परिवार का महत्व समझाया है। ऐसे में इसी दौर में आया यह हमारा उत्पत्ति पर्व वास्तव में हमारा आत्मचिंतन का पर्व ही है कि हम अपने समाज रूपी इस वृहद परिवार के महत्व पर भी चिंतन कर सकें। याद रखें हमारा समाज वह समाज है, जो इस विकट स्थिति में बिना किसी भेदभाव के हर जरूरतमंद की मदद के लिये भी उठ खड़ा हुआ। अतः इस पावन पर्व पर समाज संगठन से दूर होती हमारी नयी पीढ़ी को यह समझाने की जरूरत है कि हम ऐसे समाज के साथ हैं, तो कितने सुरक्षित और अपनत्व से परिपूरित रहेंगे।

आनंद राठी
चेयरमेन, आनंद राठी ग्रुप, मुंबई

आत्मचिंतन करें

समस्त समाजजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं व सभी के उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाऐं।

हमारा समाज भी सम्पूर्ण राष्ट्र के साथ कोरोना महामारी के कारण चले लॉकडाऊन की स्थिति में भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर चुका है। इसने कई व्यावसायिक गतिविधियों में आमूलचूल परिवर्तन किया है। हमारा समाज हमेशा से व्यवसायी समाज रहा है, और विपरीत परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको तैयार करना हमारे संस्कारों में शामिल है। ऐसी स्थिति में हमें मानसिक रूप से नई परिस्थितियों के अनुसार तैयार होना ही पड़ेगा। इसके साथ हमें यह चिंतन भी करना होगा कि हमने पर्यावरण के साथ क्या छेड़छाड़ की, याद रखें 'आत्मचिंतन' ही भविष्य की आपदाओं से भी बचा सकता है।

बाबूलाल जाजू
ख्यात पर्यावरणविद्
भीलवाड़ा

उत्साह को कम न होने दें

सभी स्वजनों को महेश नवमी पर्व की शुभकमनाऐं।

हमारा यह उत्पत्ति पर्व गत वर्ष की तरह पुनः इस बार भी कोरोना महामारी के भीषण प्रभाव के दौरान ही आ रहा है। ऐसे में हमें फिर उसी तरह सोश्यल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए ही इसे मनाना है, लेकिन अपने उत्साह को कम नहीं होने देना है। यदि उत्साह कम हुआ तो हमारा पर्व अपना महत्व खो देगा। हमें यदि इसे महत्व देना है, तो इसे दशहरा तथा दीपावली की तरह मनाना होगा। तो कोशिश करें हम अपनों तक अपने पर्व की खुशियाँ अवश्य पहुँचाऐं लेकिन उनकी तथा स्वयं की सुरक्षा का भी रखें ध्यान।

श्यामसुन्दर मंत्री
कुंचामनसिटी

आत्मबल को कायम रखें

समस्त समाजजनों को उत्पत्ति पर्व महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाऐं देते हुए सभी के मंगल की कामना करता हूँ।

यह पर्व वास्तव में आत्मचिंतन का पर्व है और वर्तमान परिस्थिति में तो और भी अधिक। हमारी उत्पत्ति ऐसे देवाधिदेव महेश की प्रेरणा से हुई है जो जगत कल्याण के लिये विषपान करके भी विचलित नहीं हुए। वर्तमान परिस्थिति में कोरोना महामारी ने न सिर्फ हमसे हमारे कई अपनों को छीना है, अपितु व्यवसाय के सामने भी मंदी का भीषण संकट खड़ा कर दिया है। ऐसे में हमें अपने उत्पत्तिकर्ता भगवान महेश की तरह आत्मबल को बनाये रखना होगा।

इस कोरोना काल में समाज की कई संगठन एवं संस्थाओं ने आगे आकर तन मन धन से सेवा की है मैं उनके योगदानों की सराहना करता हूँ। और सभी बंधुओं से आग्रह करता हूँ कि कोरोना के नियमों का अवश्य पालन करे तथा टीकाकरण अभियान में एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं पुनः हार्दिक मंगलकामनाओं के साथ...

माणक काबरा
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष
मुंबई प्रदेश माहेश्वरी सभा

संस्कारों का कवच धारण करे रहें

समस्त स्वजनों को अपने उत्पत्ति पर्व की शुभकामनाऐं देते हुए सभी के स्वस्थ जीवन की मंगल कामना करता हूँ।

गत वर्ष की तरह इस बार फिर महेश नवमी पर्व कोरोना महामारी के साये में ही आया है। अंतर है तो यह कि इस बार हमारे पास सुरक्षा के लिए वैक्सीन मौजूद है। अतः मैं सभी से अपील करता हूँ कि वैक्सीन लगवाकर अपनी-अपने परिवार व अपने स्वजनों की सुरक्षा अवश्य सुनिश्चित करें। यह आपका कर्त्तव्य भी है। इसके साथ अपने संस्कारों का कवच भी धारण करें। संस्कार हमारा कवच इसलिये है क्योंकि इन्हीं में से कई सिद्धांतों को ही कोरोना महामारी में बचाव हेतु लागू भी किया गया है।

पुनः सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाऐं!

डॉ. एस.एन. चांडक
पूर्व कार्यसमिति सदस्य
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

समाज के भविष्य की करें रक्षा

समाज के गौरवशाली उत्पत्ति पर्व महेश नवमी की सभी स्वजनों को हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ।

कोरोना महामारी के इस दौर को हम सभी ने निकट से देखा और देशभर में माहेश्वरी समाज द्वारा चलायी गई सेवा गतिविधियों को भी देखा। ऐसे में हर कोई अपने आपको माहेश्वरी समाज से सम्बद्ध महसूस करने में ही गर्व का अनुभव कर सकता है। इस पावन अवसर पर मैं समाज की युवा शक्ति से विनम्र अपील करना चाहता हूँ कि वे समाज के गौरवशाली इतिहास को जानें व समझें तथा समाज के इस गौरव को कायम रखने के लिय अपने कर्तव्यों का निर्धारण करें।

हमारी युवा पीढ़ी ही हमारा भविष्य है, जब वह समाज को ठीक से जानेगी और उस पर गर्व करेगी तभी हम अपने समाज के भविष्य को बचा सकेंगे।

राजेन्द्र ईनानी
कार्यकारी मंडल सदस्य - अ.भा.माहेश्वरी महासभा
निवर्तमान अध्यक्ष - पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी सभा

मदद करें पर सम्मान के साथ

माहेश्वरी समाज के समस्त समाज बंधुओं को वंशोत्पति दिवस की हार्दिक मंगलमय शुभकामनाएं!

माहेश्वरी समाज का साधारण से साधारण व्यक्ति भी बिना किसी बड़ी मजबूरी के इस कोरोना त्रासदी के समय भी अपनी भीतरी अंतःकरण से छोटा मोटा सहयोग स्वीकार नही करना चाहेगा। अतः समाज की सर्वोच्चतम से लेकर गाँव के समाज तक की विभिन्न संस्थाओं को अपने सहयोग कार्यक्रम को अत्यंत शालीनता एवं नितांत गोपनीयता से संचालित करना चाहिए। आने वाले समय मे इस त्रासदी का कहर बड़े से बड़े उधोगपति-व्यापारी से लेकर छोटी-मोटी नौकरी करने वाले किसी भी सदस्य पर पड़ सकता है।

समाज के विभिन्न स्थापित ट्रस्ट के सदस्यों को भी ऐसे समय मे समाज के अंतिम बन्धु तक सहयोग का हाथ निःस्वार्थ भाव से बढ़ाना चाहिए। वह भी ऐसे कि उनका आत्मसम्मान कायम रहे। भगवान महेश हम सभी को इस त्रासदी से उबरने की शक्ति प्रदान करें, ऐसी विनम्र प्रार्थना।

गोविन्द मालू
पूर्व उपाध्यक्ष, खनिज विकास मंडल
मध्यप्रदेश शासन

अर्थव्यवस्था में बनें सहयोगी

समस्त समाजजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

कोरोना महामारी के कारण गत वर्ष चली आ रही स्थिति ने हमारे सामने भी भीषण आर्थिक चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। हमारा समाज हमेशा से व्यवसायी समाज रहा है, और विपरीत परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको तैयार करना हमारे संस्कारों में शामिल है। वर्तमान में अर्थ व्यवस्था को जो नुकसान हुआ है, निश्चित रूप से उसे पुनः सुदृढ़ बनाने में माहेश्वरी समाज अपना योगदान देने में पीछे नहीं रहेगा और इसमें वह समर्थ भी है। बस इसके लिये अपने आपको तैयार करने की जरूरत है। वर्तमान में उत्पन्न हुई चुनौतियों को हम सिर्फ चुनौतियों के रूप में न लेते हुए अवसर के रूप में भी लें।

अतः आईये हम भगवान महेश से इस पावन अवसर पर कामना करें कि वे हमें इस संकट से निपटने की शक्ति प्रदान करें।

रामकुमार टावरी
पूर्व संयुक्त मंत्री,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा
नई दिल्ली

इसे बनाऐं सार्थकता का पर्व

समाज के वंशोत्पती दिवस महेश नवमी के पावन पर्व पर आपको और आपके परिवार जनों को हार्दिक शुभकामनाएं। आपका जीवन मंगलमय हो एवं आप स्वस्थ रहें, यही मेरी मंगलकामनाएं हैं।

आइये इस महेश नवमी को दिखावे का नहीं सार्थकता का त्यौहार मनाएं। इसे दायित्वों व कर्तव्यों के प्रति जागरुकता तथा समर्पण का पर्व मनाएं। गत वर्ष से पूरा विश्व कोरोना या कोविड-19 जैसी महामारी से पीड़ित हैं। ऐसे में लॉकडाउन जैसी कठिन परेशानियों के दौर में भी स्वर्णिम अवसर ढूंढकर पूरे समाज को एक नयी दिशा देवें, तो महेश नवमी का महत्व और भी सार्थक होगा। यही भाव हमारे समाज का होना चाहिए-काम करेंगे, करते रहेंगे, न कोई फल की इच्छा, न कोई पद की चाह, न कोई मान सम्मान। बस हम भी कमल की तरह खिलते रहें, मंगल करते रहें। महेश नवमी के इस पावन पर्व पर यही संदेश देना चाहूंगी कि हम सब मिलकर समाज हितार्थ एवं जन हितार्थ कार्यों से स्वयं को आहूत करें।

मधुलता ललित बाहेती
राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

श्रेष्ठ मानव होने का परिचय दें

समस्त स्वजातीयजनों को महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं देते हुए सभी के दीर्घ व मंगलमय जीवन की भगवान महेश से कामना करता हूँ।

गत वर्ष से चली आ रही कोरोना महामारी सम्पूर्ण मानवता के लिये चुनौती बनी हुई है। लेकिन इतिहास गवाह है कि मानव की कर्मठता ने हर चुनौती को पराजित किया। ठीक इसी तरह की इस विपदा पर जीत है सम्पूर्ण विश्व में वैक्सीनों का अविष्कार और वह भी अत्यंत कम समय में। वैज्ञानिक अपना काम कर चुके अब बारी हमारी है कि हम स्वयं और अपने अपनों का भी वैक्सीनेशन करवाकर एक अच्छे मानव होने का परिचय दें। याद रखें वैक्सीन के बाद भी हमें सतर्कता से मुंह नहीं मोड़ना है।

घनश्याम करनानी
पूर्व प्रबंध न्यासी,
श्री कोठारी बंधु शौर्य स्मृति ट्रस्ट

वास्तविक भावनाओं के साथ मिले ऊँचाई

देवाधिदेव महादेव से करबद्ध प्रार्थना है, विनती है कि हे जन्मदाता! हमारे माहेश्वरीत्व को अक्षुण बनाए रखें, हमारे समाज को उचित मात्रा में कन्याएं प्रदान करें ताकि समाज की दाम्पत्यत्व भाव में अनावश्यक वर्णसंकर का मिश्रण न हो.... हमें आत्मीय भाव से जुड़े जमीनी कार्यकर्ताओं की ऐसी पंक्ति प्रदान करें जो समाज को वास्तविक भावनाओं के साथ ऊंचाइयां दे सके। महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक मंगल कामनाएं।

जुगलकिशोर सोमाणी
पूर्व संयुक्त मंत्री
अ.भा. माहेश्वरी महासभा
जयपुर (राज.)

"Shree Ganeshay Namah"

KALURAM HEDA & FAMILY

महेश नवमी के पावन अवसर पर
सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं
समाज के सर्वांगीण विकास की भगवान महेश से कामना

Shivamkoppar Cast LLP

Shiv Sangeeta Estate Survey No. 282, Vikaspura
Village Keraivi, Nadiad Dist. Kheda (Gujarat) India
Mo. : 98250 36895, 97129 14651 Email : shivamkopper@gmail.com

---

Shivam Metalloys

Survey No.52, NR. Siddhi Vinayak Estate PIJ Road
Tundel Ta: Nadiad Dist. Kheda **(Gujarat) India**
E-mail : shivammetalloys@yahoo.com

Kaluram Heda : 94276 10041
Bharat Heda : 98250 36895, 97230 25555
Sanjay Heda : 97123 02222, 93751 60129
Deepak Heda : 97129 14651

माहेश्वरी समाज ने अपना उत्पत्ति पर्व महेश नवमी कोरोना महामारी की वर्तमान स्थिति में भी सोश्यल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मनाया। इसमें अधिकांश समाजजनों के घर की चारदीवारी में होने के बावजूद भी उत्साह में कोई कमी नहीं आई। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों व स्पर्धाओं का ऑनलाईन आयोजन कर समाज की प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया गया। इसमें इस बार मानव कल्याण के लिये सेवा गतिविधियों का आधिक्य रहा।

कोरोना के साये में भी जय महेश के जयकारें

■ टीम SMT

▶▶ **पुणे।** सांगवी परिसर महेश मंडळ पुणे (माहेश्वरी समाज) की ओर से महेश नवमी पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। नवी सांगवी के भगवान माहेश्वरी चौक में भगवान शिव की मूर्ति को सुबह मंडल के कुछ गिने पदाधिकारी ने पुष्पहार अर्पण करके नगरसेविका शारदाताई सोनावणे के हाथों आरती की गयी। तत्पश्चात वेदांत वारकरी गुरुकुल (आश्रम शाला) में संस्था पदाधिकारी द्वारा पौधारोपण किया गया। सांगवी परिसर महेश मंडल की ओर से गुरुकुल को जरुरत की चीजें आटे की चक्की, बैटरी, इन्व्हर्टर आदि भेंट किये गये। इस अवसर पर अध्यक्ष सतीश लोहिया, अतुल नावंदर, निलेश अटल, सचिन मंत्री, सत्यनारायण राठी, मनोज अटल, महिला अध्यक्षा पद्मा लोहिया आदि उपस्थित थे।

▶▶ **भीलवाड़ा।** भोजराज में महेश नवमी के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी भीलवाड़ा शंकरलाल सोमानी, बामणिया पूर्व सरपंच कैलाश चैचाणी, माहेश्वरी सभा तहसील हुरड़ा पूर्व अध्यक्ष महावीर अजमेरा, वैश्य फेडरेशन विधानसभा अध्यक्ष अशोक अजमेरा, जयपुर समाजसेवी महावीर नुवाल, कवि मुकेश चैचानी, माहेश्वरी सभा तहसील उपाध्यक्ष लालचन्द डाड, पिपली पूर्व सरपंच मनोज नराणीवाल आदि समस्त उपस्थित थे।

▶▶ **सूरत।** अड़ाजन घोड़दौड़ रोड माहेश्वरी सभा सूरत द्वारा महेश नवमी पर्व के दिन प्रातः 6 बजे से गंगेश्वर महादेव मंदिर, अड़ाजन पर भगवान शिव का रुद्राभिषेक एवं महाआरती का आयोजन किया गया। सभा सचिव सुनील माहेश्वरी ने बताया कि इस अवसर पर सभा अध्यक्ष रामसहाय सोनी, संरक्षक रमेश जाखोटिया, उपाध्यक्ष कमलेश लाहोटी एवं नरेन्द्र राठी, संगठन सचिव कृष्ण कुमार तापड़िया तथा सहसचिव सुनील जागेटिया सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। साथ ही साथ 20 जून रविवार को सूरत के सभी माहेश्वरी बन्धुओं के लिए आनलाईन महेश तम्बोला का आयोजन भी किया गया।

▶▶ **इंदौर।** महेश नवमी पर श्री माहेश्वरी महिला संगठन मेघदूत क्षेत्र ने शिव मंदिर में संस्था अध्यक्ष सुलोचना मंत्री के नेतृत्व में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए प्रभात फेरी निकाली। मंदिर में शिवजी का रुद्राभिषेक आचार्य श्री शिवम द्विवेदी के हाथों करवाया। कार्यक्रम में महिलाएं केसरिया रंग की साड़ी पहनकर सम्मिलित हुई। कार्यक्रम की संयोजक सरिता मंत्री एवं डॉ. कल्पना माहेश्वरी रहीं। इस महापर्व पर मंदिर की गौशाला में गौ सेवा (चारा एवं दलिया) का कार्य किया गया। मंदिर प्रांगण में 21 पौधों का पौधारोपण किया गया, साथ ही उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। यह जानकारी सचिव नेहा माहेश्वरी ने दी।

कोलकाता। माहेश्वरी समाज के 5154 वें वंशोत्पति दिवस के उपलक्ष्य में माहेश्वरी सभा द्वारा स्थानीय माहेश्वरी भवन में प्रातः भगवान महेश के रुद्राभिषेक का कार्यक्रम कोरोना महामारी से उत्पन्न हालातों के मद्देनजर सीमित संख्या में उपस्थित सभा संगठन एवं समाज बंधुओं के सानिध्य में मुख्य यजमान गोपीकिशन मूंधड़ा द्वारा सपत्निक विधि-विधान पूर्वक किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से स्थानीय विधायक विवेक गुप्त और स्वपन बर्मन एवं गणमान्य जन उपस्थित थे। रुद्राभिषेक के पश्चात एक वैक्सीनेशन कैंप माहेश्वरी सेवा समिति (अंतर्गत माहेश्वरी सभा) एवं सारस्वत समाज (कुंडीय) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए निःशुल्क टीकाकरण की सुंदर व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में शाम को ऑनलाइन माध्यम जूम एप पर सांस्कृतिक कार्यक्रम ''हमारे आराध्य महादेव'' का सीधा प्रसारण किया गया।

खरगोन। माहेश्वरी समाज महिला मंडल की अध्यक्षा अलका सोमानी ने बताया कि 19 जून को माहेश्वरी समाज के उत्पति दिवस महेश नवमी के पावन पर्व पर समाज जनों द्वारा दाता हनुमान मंदिर में श्री पशुपतिनाथ महादेव का अभिषेक, पूजन व आरती की गई एवं तत्पश्चात गरीब बच्चों को नाश्ता वितरण किया गया। समाज के प्रत्येक घर पर माहेश्वरी ध्वजा लगाई गई। इस अवसर पर प्रहलाद खटोड़, बंसीधर खटोड़, गिरीश सोमानी, दिनेश आगल, राजेश सोमानी, जानकी खटोड़, उषा सोमानी, उमा सोमानी, किरण आगल, नेहा सिंघी, सुरभि खटोड़ आदि उपस्थित थे।

अपनी मुश्किलों को,
अपनों के बीच रख दीजिये!
कुछ मुश्किलें कम होंगी, या कुछ अपने...!!

सूरत। जिला महेश्वरी सभा द्वारा अपनी 12 क्षेत्रीय सभाओ, महिला मण्डल व युवा संगठन के साथ-साथ स्थानीय सभी संगठनों के साथ मिलकर महेश नवमी उत्सव का आयोजन किया गया। गौशाला के पावन स्थान पर 21 कुंडीय यज्ञ, भजन कीर्तन एवम 101 दीपक की महाआरती से महेश नवमी उत्सव का शुभारम्भ किया गया। पौधारोपण अभियान का 1111 ओषधीय पौधे लगाकर प्रदेश अध्यक्ष गजानन्द राठी व सूरत शहर मेयर हेमानी बेन के सान्निध्य में शुभारम्भ किया गया। अध्यक्ष अविनाश चांडक ने सभी से एक पेड़ अवश्य लगाने और उसे सम्भालने का आग्रह किया गया। रक्तदान शिविर भी रखा गया, जिसमें 113 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। इस अवसर पर रक्त दाताओ का सम्मान भी किया गया। डिजिटल महेश नवमी 2021 साप्ताहिक उत्सव का सुन्दर सेवाओ के साथ समापन हुआ।

बेटमा। माहेश्वरी समाज बेटमा, माहेश्वरी महिला संगठन, माहेश्वरी युवा संगठन एवं माहेश्वरी सखी संगठन बेटमा द्वारा माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर्व को तीन दिवसीय महोत्सव के रूप में 17 जून से 19 जून तक मनाया गया। अखिल भारतवर्षीय महासभा के आव्हान पर प्रथम दिवस 17 जून को पौधारोपण दिवस के रूप में मनाया गया। द्वितीय दिवस 18 जून को माहेश्वरी सखी संगठन द्वारा ऑनलाइन सास-बहू की नोकझोंक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी के साथ बच्चों के लिए भी भक्ति गीतों एवं भजनों पर ऑनलाइन नृत्य तथा वेस्ट से बेस्ट क्रिएशन प्रतियोगिता आयोजित हुई। ऑनलाइन तम्बोला का आयोजन भी किया गया। तृतीय दिवस 19 जून को माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा माहेश्वरी समाज के मोनो वाले केशरिया ध्वज का वितरण किया गया जिसे समाज के सभी परिवारों द्वारा अपने परिसरों में फहराया गया एवं सोशल मीडिया पर फ़ोटो एवं वीडियो शेयर किये गये। महेश नवमी महोत्सव के मुख्य आयोजन के अंतर्गत 19 जून शनिवार को भगवान महेश का रुद्राभिषेक माहेश्वरी पंचायती मन्दिर बेटमा पर किया गया जिसमें बारी बारी से समाजजनों ने अभिषेक किया। तत्पश्चात आरती एवं महिला संगठन द्वारा ठंडाई का प्रसाद वितरण किया गया।

▶▶ **सूरत।** श्री मेवाड़ माहेश्वरी युवा संगठन सूरत द्वारा माहेश्वरी उत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर्व पर समाज के सभी आयु वर्ग के लिए नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संगठन के अध्यक्ष रवींद्र देवपुरा ने बताया कि हर वर्ष यह कार्यक्रम समाज के सभी सदस्यों के साथ मिलकर मनाते हैं। अभी विषम परिस्थितियों में सीमित सदस्यों एवं सरकारी गाइडलाइंस के अनुसार ही यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। विजेताओं को संगठन के संरक्षक कमलेश कोठारी एवं सचिव भावेश लड्ढा ने पारितोषिक वितरण किया।

▶▶ **बैंगलौर।** माहेश्वरी समाज के वंशोत्पत्ति दिवस-महेश नवमी पर माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी सभा के सहकोषाध्यक्ष राजगोपाल मर्दा ने अपनी धर्मपत्नी चंद्रकला मर्दा के साथ रुद्राभिषेक में बैठकर अनुष्ठान सम्पन्न किया गया। समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति सदस्यों ने भी भगवान महेश का अभिषेक किया। इस अवसर पर सरकार द्वारा जारी कोविड-19 नियमों का पालन किया गया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया, माहेश्वरी महिला मण्डल की अध्यक्षा कांता काबरा, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष अरविंद लोया, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष भगवानदास बलदवा, माहेश्वरी फाउण्डेशन के चेयरमेन राजगोपाल भूतड़ा, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के अध्यक्ष नंदकिशोर मालू, बैंगलौर-मैसूर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष देवकीनंदन डागा एवं कर्नाटक गोवा प्रदेश माहेश्वरी सभा के सहसचिव नंदकिशोर दरक उपस्थित थे। कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण इस वर्ष माहेश्वरी सभा ने किसी भी प्रकार के सामूहिक कार्यक्रम नहीं करने का निर्णय लिया।

जीवन में दुनिया को, आपके ज्ञान से ज्यादा,
हंसमुख व्यवहार की जरूरत है,
हंसमुख व्यक्ति वह फुहार है,
जिसके छींटे हर दुखी मन को राहत देते हैं।

▶▶ **नागदा।** स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा गत 19 जून को महेश नवमी मनाई गई। सर्वप्रथम सुबह 7 बजे रेल्वे स्टेशन स्थित मनशापुरण महादेव मंदिर पर आराध्यदेव महेश भगवान का अभिषेक किया गया। अभिषेक लीला-नन्दकिशोर मालपानी व घनश्याम राठी द्वारा किया गया। ठंडाई प्रसादी का वितरण भी किया गया। माहेश्वरी समाज महिला मण्डल द्वारा कोरोना काल मे सहायता करने पर समाज के मनोज राठी, बसंत मालपानी, सूत्री जिम्मी बाहेती का सम्मान किया गया।

▶▶ **धामनोद।** महेश नवमी पर्व का आयोजन इस महामारी को देखते हुए वर्चुअल तरीके से किया गया। प्रातः परंपरा के अनुरूप बालाजी मंदिर में शिव जी का अभिषेक किया गया। दिन में समाज की महिला मंडल एवं सखी मंडल द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई। शाम 5:00 बजे कोरोना वैक्सिन को प्रोत्साहित करने हेतु साइकल मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन की शुरुआत नायब तहसीलदार विजय तलवारे एवं समाज के वरिष्ठ जनो द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई। इस मैराथन में 5 साल से अधिक उम्र के बच्चों ने बढ़-चढ़कर सोश्यल डिस्टेंसिंग के साथ भाग लिया गया। समाज के वरिष्ठ कल्याण न्याति, भगवान मूंदड़ा, सुरेश आगीवाल, जगदीश मूंदड़ा, कैलाश परवाल, मधुसूदन धूत, धर्मेंद्र झंवर, मनीष राठी आदि की मौजूदगी ने उत्साहवर्धन किया।

▶▶ **नांदुरा।** महेश नवमी पर्व का इस वर्ष कोरोना महामारी की वजह से शासकीय निर्देशों के पालन के साथ आयोजन किया गया। महेश नवमी उत्सव के कार्यक्रम में सुबह 6 बजे भगवान महेश की महापूजा एवं अभिषेक किया गया। शाम 6 बजे विगत वर्ष में समाज के दिवंगत स्वजनों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कोलकाता। मध्य कोलकाता माहेश्वरी सभा महिला एवं युवा संगठन द्वारा महेश नवमी के पावन पर्व पर भगवान महेश के रुद्राभिषेक का कार्यक्रम सुबह महात्मा गांधी रोड स्थित तालाब बाड़ी मंदिर में आयोजित किया गया। इसके उपरांत मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी को एसी मशीन एवं इसीजी मशीन जन सेवा हेतु हॉस्पिटल को भेंट की गई। रोटी ऑन व्हील्स के माध्यम से हॉस्पिटल के पूरे स्टाफ को खाना खिलाया गया। जय नारायण भूतड़ा, राज सोमानी, विवेक गुप्ता विधायक जोड़ासांको द्वारा इसीजी विभाग का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा समाज के विशिष्ट समाजजन नंदू लखोटिया, बेनी गोपाल जाजू, अशोक चांडक सभा अध्यक्ष श्याम बागड़ी, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला बागड़ी, युवा अध्यक्ष बजरंग मूंधड़ा आदि ने सभी का स्वागत करते हुए अपने विचार रखें। कार्यक्रम के संयोजक जोगराज़ बाहेती, नवीन बिहानी, अर्चना मूंधड़ा थे। कार्यक्रम का संचालन राकेश मोहता ने किया।

इंदौर। श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रुपेश भूतड़ा एवं सचिव अनिल लड्ढा ने बताया कि महेश नवमी के शुभ अवसर पर श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज के कार्यकारी मंडल एवं समाजजनों ने मिलकर भगवान महेश की पालकी यात्रा का आयोजन किया। इसे खूबसूरत तरीके से कैलाश जाजू एवं दिलीप तापड़िया द्वारा सजाया गया था। इस अवसर पर पुष्प माहेश्वरी, विमल बांगड़, डॉ नीलेश माहेश्वरी, अश्विन माहेश्वरी, संतोष बेड़िया, प्रदीप बाहेती, मनोहर भूतड़ा, पवन सोमानी, प्रेमनारायण जेठा, राजेश कचोलिया, मोहन मूंदड़ा, रजत लड्ढा, सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे। महेश नवमी उत्सव के शुभारंभ के अवसर पर श्री साईंधाम मंदिर, पितृ पर्वत के समीप स्थित कुष्ठरोगी सेवा आश्रम में श्री सांई की प्रिय स्वादिष्ट खिचड़ी प्रसादी का वितरण गत 13 जून रविवार को सुबह किया गया था। दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा देश में आई विपत्ति के दौरान उत्कृष्ट सेवा करने हेतु सेवा भावी महिलाओं का सम्मान भी किया गया।

नोहर। श्री माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला मंडल एवं महेश्वरी युवा संगठन नोहर के संयुक्त तत्वावधान में महेश नवमी पर्व थीरानी धर्मशाला में कोविड 19 की गाइड लाइंस एवं दिशा-निर्देशन में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके मनाया गया। इसमें माहेश्वरी सभा के संरक्षक प्रेम दुढाणी व अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद लखोटिया ने सपत्निक भगवान महेश की पूजा अर्चना की।

बनखेडी म.प्र.। पूर्वी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष अनीता जावंदिया के मार्गदर्शन एवं चारों संभागीय उपाध्यक्ष के सान्निध्य में पूर्वी मध्य प्रदेश के सभी जिलों एवं स्थानीय इकाइयों में महेश नवमी पर्व धूमधाम से वर्चुअल रूप से मनाया गया। मीडिया प्रभारी हंसा केला एवं संभागीय उपाध्यक्ष उर्मिला सादानी ने बताया कि महेश नवमी पर्व उल्लास पूर्वक भगवान शिव का अभिषेक एवं पूजा अर्चना विभिन्न मंदिरों में कोविड-19 के मापदंडों का पालन करते हुए मनाया गया। प्रसादी भी वितरित की गई। महेश नवमी के उपलक्ष्य में सभी इकाइयों में पौधारोपण, बच्चों के लिए मंत्र, दोहा, भजन, फैंसी ड्रेस आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। रूद्राभिषेक के साथ-साथ, रंगोली, दीप सज्जा, शिवलिंग सजाओ, रुद्राष्टक गान, भजन गान, महिलाओं को शिव पंचाक्षर स्त्रोत गायन आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महेश नवमी के उपलक्ष्य में पूर्वी मध्यप्रदेश द्वारा ''उत्कर्ष'' एक प्रेरणास्पद वर्चुअल वेबीनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि कल्पना गगरानी, विशिष्ट अतिथि विजय राठी व डॉ. विजयकांत गांधी आदि ने भी सम्बोधित किया।

भीलवाड़। विजय सिंह पथिक नगर माहेश्वरी महिला मण्डल, क्षेत्र सभा एवं युवा संगठन के सामुहिक सहयोग से महेश नवमी पर कई वर्चुअल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। सम्मानीय अतिथि देवेन्द्र सोमानी, ओम काबरा, पुरूषोत्तम बसेर, गोपाल मालू, शिव मुंदड़ा द्वारा पुरूस्कार वितरित किये गये। मंडल की अध्यक्ष निर्मला बाहेती के साथ सचिव सरिता झंवर, चेतना बसेर, सुमन राठी, सुमन असावा, सरोज बांगड, कांता मेलाना, मधु झंवर, माया सोमानी, वंदना न्याति आदि कार्यकारिणी सदस्यों के साथ उपस्थित थीं।

इंदौर। श्री माहेश्वरी डिडवाना पंचायती 51 घर थोक एवं ट्रस्ट व महिला संगठन द्वारा महेश नवमी पर्व अंतर्गत गंगा दशहरा के दिन गौ सेवा - गौ पूजन का कार्यक्रम रखा गया। थोक के अध्यक्ष पुष्प माहेश्वरी ने बताया कि कार्यक्रम जिला अध्यक्ष राजेश मुंगड एवं सचिव विजय लड्ढा के सानिध्य मे संपन्न हुआ। सर्वप्रथम गौ माता का पूजन कर गुड एवं चारा खिलाया गया तत्पश्चात चुनरी ओढ़ायी गयी। ट्रस्ट के सचिव महेश साबू एवं महिला संगठन सचिव सोनल बाहेती द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर थोक द्वारा सोनल बाहेती का श्रीफल देकर सम्मान किया गया। जिन्होंने लॉकडाउन के समय ऑन लाइन योग प्रशिक्षण दिया।

▶▶ **वरंगल।** माहेश्वरी समाज वरंगल के मंत्री नवल किशोर मणियार ने बताया कि समाज द्वारा स्थानीय श्री लक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान में महेश नवमी पर्व के अंतर्गत शिवाभिषेक, ध्वजारोहण, भगवान महेश का पूजन कोविड 19 हेतु सरकार द्वारा निर्देशित नियमो का पालन करते हुए किया गया। तत्पश्चात अन्नप्रसाद का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 400 राहगीरों ने अन्नप्रसाद का लाभ उठाया। समाज के अध्यक्ष संपत कुमार लाहोटी ने सम्बोधित करते हुए बताया कि वरंगल समाज ने भी इस महामारी में कई जरूरतमंद परिवारों को राशन, दवाइयों को पहुंचाने में अपनी भागीदारी निभाई। इस अवसर पर तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष गोपीकिशन लाहोटी, रमेश चंद बंग ने भी अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, समाज के उपाध्यक्ष श्याम सुंदर जखोटिया, नवल किशोर मुंदड़ा, कोषाध्यक्ष रामकिशोर मणियार, सांस्कृतिक मंत्री दामोदर लाहोटी, सह सांस्कृतिक मंत्री धनराज मणियार आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

▶▶ **इंदौर।** श्री बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी समाज, इन्दौर के महेश नवमी पर्व पर आयोजित कार्यक्रमों का शुभारंभ मुख्य अतिथि अध्यक्ष इंदौर जिला माहेश्वरी समाज राजेश मूंगड़ द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने समाज एवं क्षेत्रीय संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में ऑनलाइन संचार माध्यम से जुड़कर समाज बंधुओं को कार्यक्रम सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवपर पर महेश नवमी कार्यक्रम संयोजक चन्दप्रकाश हेड़ा ने सभी क्षेत्रों के कार्यक्रमों की जानकारी दी। अतिथि स्वागत श्री बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष बलदेव दास जाजू द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक डागा, इंदौर जिला माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण बाहेती एवं जिला कार्यसमिति सदस्य नीलेश सारड़ा आदि उपस्थित थे। आभार मंत्री प्रवीण अजमेरा द्वारा व्यक्त किया गया।

शरद गोपीदास बागड़ी, नागपुर

विशेष अवार्ड्स, पुरस्कार

- **'वेल्थ क्रियेटर ऑफ डिकेड-2014'** मोतीलाल ओसवाल सिक्योरिटी लि., मुंबई
- **'समाज रत्न 2015'** केंद्रीय मानवधिकार परिषद, दिल्ली।
- **'माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2016'** श्री माहेश्वरी टाईम्स, उज्जैन
- **'राजस्थान श्री 2017'** राजस्थान सेवा समिति द्वारा।
- **'संपूर्ण क्रांति पुरस्कार 2018'** लोकनायक जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय संस्था, दिल्ली उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया हाथों।
- **'भारत श्री 2019'** केंद्रीय मंत्री प्रतापचंद्र सारंगी, त्रिपुरा राज्यपाल रमेश बैस हाथों व लोकसभा अध्यक्ष मा. ओम बिडला व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी हाथों सम्मानित।
- अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा **'ग्लोबल अचिरवर्स अवार्ड-2020'**
- **'माहेश्वरी ऑफ द डिकेड 2020-21'** माहेश्वरी एकता परिषद, राजस्थान द्वारा।
- **'भारत भूषण पुरस्कार 2021'**
- **'ऐशिया प्राईड इंटरनेशनल अवार्ड 2021'** 11 राजस्थानी रत्न सम्मान 2021,
- **'आदर्श कार्यगौरव समाज रत्न पुरस्कार 2020'**

5 अंतरराष्ट्रीय- 29 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त, 219 संस्थाओं द्वारा सम्मानित लेखक व समाज सेवी

अंतरराष्ट्रीय सदस्यः

- **वर्ड कोनस्टिट्युशन एंड पार्लियामेंट असोशिएशन यू.एस.ए'** 160 देशों में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा सदस्य नियुक्त
- UN ESC Volunteers यूनायटेड नेशन्स ईकोनॉमिक कल्चरल सोशल कौंसिल Volunteer
- कामनवेल्थ असोसिएशन फॉर हेल्थ एंड डीसऐबिलीटी (कोमहाड-COMHAD) युनाइटेड किंगडम ब्रिटेन U.K. में पंजीकृत संस्था के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष व ऐक्जीक्यूटीव डायरेक्टर द्वारा शरद बागडी को सदस्य बनाकर प्रशस्तिपत्र प्रदान किया।

विशेष उपलब्धियां

● 'ब्रैवो इंटरनेशनल वर्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड' मे मनोनीत। ● गांधी शांति प्रतिष्ठान, नेपाल द्वारा वर्ड पीस ऐम्बैसडर नियुक्त ● नेशन्स प्राईड बुक ऑफ रिकॉर्ड, दिल्ली द्वारा 'ग्रैट आयकोनिक परसनेलिटी' खिताव ● विवेकानंद वर्ड पीस फाऊंडेशन, कलकत्ता द्वारा गुडविल एंबेसडर नियुक्त ● भारतीय डाक विभाग के **'मायस्टैप से-टेनंट (My Stamp SE-TENANT)'** योजना के अंतर्गत शरद गोपीदास बागडी की विशेष डाक टिकट प्रकाशित ● अमेरिका के 'NASA नासा मार्स मिशन 2026' मंगल ग्रह अभियान के तहत शरद गोपीदासजी बागडी को **नासा मार्स मिशन 2026 का बोर्डिंग पास** जारी किया गया है व शरद बागडी की जानकारी चीप मे ऐचिंग कर भेजी जायेगी। **● ग्लोबल अचिवर्स मैगजीन कवर पेज पर प्रकाशित, '100 ग्रैट इंस्पायरिंग इंडियन' सूची में मनोनीत व ऑल इंडिया रेडियो व चैनल पर साक्षात्कार प्रसारित।**

अपनों को अपनी मदद में आगे आए पद्मश्री राठी

सैकड़ों परिवारों को की 10-10 हजार रुपये से अधिक की मदद और वह भी पूरे सम्मान के साथ

चैन्नई। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति तथा पद्मश्री सम्मान प्राप्त वरिष्ठ समाजसेवी खींवसर (राज.) के सपूत चैन्नई निवासी बंशीलाल राठी अपने चिरपरिचित अंदाज में कोरोना महामारी की इस दूसरी लहर के दौरान भी विपदा में फंसे अपनों के लिये देवदूत की तरह अपने बनकर सामने आये। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के 108 सहित देशभर के कई जरूरतमंद परिवारों को ससम्मान आर्थिक सहायता प्रदान कर अपनत्व का परिचय दिया।

उक्त जानकारी देते हुए महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा अध्यक्ष श्रीकिशन भंसाली तथा श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र चैन्नई के संयोजक तथा श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी भीलवाड़ा के सदस्य सत्यनारायण लाहोटी ने बताया कि गत वर्ष कोरोना महामारी की प्रथम लहर व उसके फलस्वरूप हुए लॉकडाउन में श्री राठी द्वारा देश के अनेक असहाय परिवारों को रू 3000/- की राशी भेजी गई है। कोरोना की इस दूसरी लहर में भी भामाशाह बन श्री राठी ने स्वयं आगे आकर महाराष्ट्र के कोरोना प्रभावित दुर्बल परिवारों को रू 10000/- (दस हजार) की सहायता अति शीघ्रता से जिला सभा एवं कार्यकर्ताओं के माध्यम से करीब 108 परिवारों को पहुंचाई। अति कठिन परिस्थिति में यह सहायता राशी प्राप्त होने से इन परिवारों ने बहुत साधुवाद दिया है। इस सहायता में अपनत्व के साथ मदद प्राप्त करने वालों के सम्मान का ध्यान रखते हुए उनके नाम भी गुप्त रखे गये।

हमेशा मदद में रहे आगे

अखिल भारतवर्षीय महेश्वरी महासभा के पूर्व सभापती - एक बहु-आयामी व्यक्तित्व के धनी पद्मश्री बन्सीलाल राठी समाज के प्रति सतत चिंतन करने वाले मन-वचन और कर्म से एक कर्मयोगी ही हैं। आपके महासभा सभापति के कार्य काल में 1999 में श्री आदित्य विक्रम बिर्ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की स्थापना समाज के अनेक गणमान्य पदाधिकारियों की उपस्थिति एवं सहयोग से हुई। यह ट्रस्ट महासभा के ट्रस्टो में से एक महत्त्वपूर्ण ट्रस्ट है जो युवकों को आत्म-निर्भर एवं स्वावलंबी बनाने हेतु स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने हेतु ऋण सहायता राशि शीघ्रता से प्रदान करता है। महासभा की नागपुर बैठक के समय महाराष्ट्र प्रदेश के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की असहाय महिलाओं की सहायता हेतु अपील की जिस पर आप महाराष्ट्र प्रदेश की 40 ऐसी महिलाओं को वर्ष 2009-10 से प्रतिमाह रु 1000/- की नियमित रूप से सहायता राशि भेज रहे हैं।

महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

नवीन प्रतिष्ठान
KAMAL
SOODS PVT. LTD.
(SUGAR MILL)

दामोदरदास मूँदड़ा
पूर्व अर्थमन्त्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

KAMAL
MICRO REFINED
RICE BRAND OIL
Available in 15 Ltrs., 15 Kgs.
& 5 Ltrs. (Can) and 1 Ltrs. (Pouch)

KAMAL SOLVENT
Extractions Pvt. Ltd.

Regd. Office : "Mundra Niwas" Rajnandgaon - 491 441 INDIA
Phone : 07744 - 241719, 224619, 224719 Cable : "Mundra" Fax : 07744 - 226319

Works : G.E. Road, Village khuteri (Somni), Rajnandgaon - 491441
Phone : 07744 - 220621, 220651, 220761, 220771

Wishing You
Happy Mahesh Navami

(P.R. Somani)

Purushottam Somani B.E. (Mech)

Nizamabad

- Shri Adiya Vikram Birla Memorial Vyapar Sahyog Kendra (Treasurer)
- A.B. Maheshwari Sabha Karyakari Mandal Sadasya
- Shri Banguar Medical Trust (Trustee)

- The Nizamabad Chamber of Commerce & Industry Founder President
- Indira Gandhi Priyadarshini Awardee in 1997

Concerns-
- **M/s. Sham Agencies**
- **M/s. Sham Autolines** (BPC Dealer)
- **M/s. Sham Leasing & Finance Corporation** (Finance)
- **M/s. Sarang Automotives (P) Ltd.** (Suzuki Dealer)
- **M/s. Sarang Hi-Tech Cold Storage LLP**
- **M/s. Sarang Autolines** (BPC Dealer)

Hyderabad Road, NIZAMABAD (Telangana) 503 003
Mob. 098480-71036 E-mail : prsomani@hotmail.com

स्वास्थ्य व सुखी जीवन पर आयोजित किया वेबिनार

नईदिल्ली। वरिष्ठ समाज सदस्य डॉ. एस.एन.चांडक, विशेषज्ञ (कृषि) एवं चेयरमैन-शील बायोटेक लिमिटेड ने एक वेबीनार "कोरोना महामारी में मानसिक शांति, स्वास्थ्य एवं सुखी जीवन" पर आयोजित किया। इसमें उन्होंने स्वास्थ्य भोजन, मानसिक सोच व्यवहार तथा आशीष/आर्शीवाद परोपकार/पुण्य जैसे प्रमुख उपविषयों पर सम्बोधित किया। उन्होंने बताया आज कोरोना द्वारा उत्पन्न मानसिक स्थिति में हरेक व्यक्ति को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ानी है एवं संकल्प शक्ति मजबूत रखनी है। व्यक्ति को अपनी दिनचर्या कैसे बनानी है? समय का सदुपयोग कैसे होना चाहिए? हमें सुबह की सैर करनी है एवं सैर करते हुए 10 मंत्रों की माला जप करके आध्यात्मिक प्रगति भी करें। खाने में क्या क्या खायें, कब खायें, कितना खायें? भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपाध्याय श्याम जाजू ने भी डॉ. चांडक के जीवन में अपनाये हुए उपयोगी तरीकों, सोच एवं क्रियात्मक पहलुओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने डॉ. चांडक के वेबीनार को लगातार 2 घण्टे तक बिना रूके सुना। देश भर के लगभग 300 से ज्यादा व्यक्तियों ने वेबीनार से जुड़कर लाभ उठाया तथा उसे बड़ी उपलब्धि बताया। श्रोताओं ने डॉ. चांडक से इस तरह के उपयोगी वैबीनार हर महीने आयोजित करने का आग्रह किया।

कोरोना महामारी में की मानवता की सेवा

इंदौर। श्री माहेश्वरी समाज संयोगितागंज इंदौर द्वारा गत वर्ष 2020 में कारोना साहयता के रूप में लगभग 23 लाख रुपए के सेवा कार्य सम्पादित किए एवं उन सेवा कार्यों को अपने साथी नंदकिशोर अटल की स्मृति में समर्पित किया। इस वर्ष 2021 में पुनः उत्पन्न हुई विकट परिस्थिति में टीम संयोगितागंज ने अपने सामाजिक दायित्व निर्वहन के रूप में विभिन सेवा गतिविधियों में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप में लगभग 9.00 लाख रुपए सेवा एवं साधनो पर खर्च किए एवं वर्तमान में भी सेवा कार्य जारी है। संस्था अध्यक्ष मुकेश असावा एवं मंत्री केदार हेड़ा ने बताया कि कोरोना COVID-19 की द्वितीय लहर (2021) के समय माहेश्वरी समाज संयोगितागंज द्वारा मानव सेवा एवं समाज सेवा के लिए कोरोना वैक्सिनेशन कैम्प लगाये तथा मेडिकल इक्विप्मेंट बैंक भी स्थापित की।

इंदौर शहर में मेडिकल सुविधा उच्च स्तर की होने से आसपास के शहर, नगर, कस्बे व ग्रामीण क्षेत्र से माहेश्वरी बंधु ईलाज हेतु इंदौर आ रहे है, मरीज के साथ जो परिजन आते उनके आवास की समस्या के मद्देनजर रखते हुए माहेश्वरी समाज संयोगितागंज- इंदौर एवं श्री महेश सार्वजनिक ट्रस्ट द्वारा माहेश्वरी भवन नवलखा इंदौर पर निःशुल्क आवास एवम भोजन सुविधा की व्यवस्था संचालित की गई। कोरोना चिकित्सा हेतु आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया।

कोरोना से पीड़ित जरूरतमंद 67 माहेश्वरी बंधुओं को कुल 230000/- की सहायता सीधे उनके बैंक खाते में जमा कराई गई। समाज आपके द्वार, राशन वितरण सहयोग योजना तथा ध्यान प्रणायाम वेबिनार आदि के आयोजन के साथ मेडिक्लेम व आयुष्मान भारत योजना आदि का लाभ भी प्रदान किया।

थर्मल गन किये भेंट

इन्दौर। समाजसेवी भाई भरत तोतला राष्ट्रीय संगठन मंत्री-अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन एवं उनके परिवार द्वारा उनके पिताजी स्व. श्री राजकुमार तोतला की स्मृति में पश्चिमी मध्यप्रदेश में आने वाले ज़िलों के वेक्सिनेशन सेंटर (जिन्हें माहेश्वरी संस्था संचालित कर रही है) के लिए 50 थर्मल गन प्रदेश माहेश्वरी सभा एवं प्रदेश युवा संगठन को सोंपे गए। इस अवसर पर प्रदेश सभा के मानद मंत्री अजय झँवर (सेंधवा), युवा संगठन के अध्यक्ष राहुल मानधन्या, सह-सचिव सपन माहेश्वरी, सत्यनारायण तोतला एवं पूजा तोतला आदि मौजूद थे। दोनो संगठनों ने भरत तोतला एवं परिवार का आभार व्यक्त किया।

हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

सनावद जिला खरगोन। जय महेश महेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष पुष्पा पल्लोंड, संयोजक तृप्ति परवाल व महेश नारायण परवाल के मार्गदर्शन व माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष कैलाश मंत्री के तत्वावधान में गत 29 मई को सुबह 6:00 से शाम 6:00 बजे तक अखंड हनुमान चालीसा का आयोजन रखा गया। इसमें सभी माहेश्वरी परिवारों का सराहनीय योगदान रहा।

यूँ चेहरे पर उदासी ना ओढ़िये,
वक़्त ज़रूर तकलीफ़ का है,
लेकिन कटेगा मुस्कुराने से ही।

Ghanshyamdas Toshniwal
Prakash Toshniwal

"Krishna-Kaveri" K C Nagar, Solapur Road,
VIJAYAPUR - 585103 KARNATAKA
email : grtoshniwal@yahoo.co.in,
vijaytyrespl@gmail.com
Cell : 9448112881

पुलिस कर्मियों को रेनकोट वितरण

मुंबई। अखिल भारतीय उद्योग संघ के अध्यक्ष और वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, (मुंबई) समूह के अध्यक्ष विजय कलंत्री द्वारा पुलिस आयुक्त, मुंबई की ओर से 18 जून को दोपहर 12.30 बजे विश्वास नांगरे-पाटिल, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था), मुंबई द्वारा मुंबई पुलिस के लिए रेनकोट पुलिस आयुक्त के कार्यालय में वितरित किये गये। इस अवसर पर अखिल भारतीय उद्योग संघ के अध्यक्ष श्री कलंत्री और उनके सदस्य उपस्थित थे।

महिला संगठन द्वारा पौधारोपण

उज्जैन। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को श्री माहेश्वरी महिला मंडल नरसिंह मंदिर एवं प्रगति मंडल द्वारा वातावरण को शुद्ध बनाने के लिए वृहद रूप से पौधारोपण का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से पीपल, बरगद, तुलसी, आंवला, गुलमोहर, चंपा आदि के पौधे लगाए गए। पश्चिमी मध्य प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष बीना सोमानी एवं सचिव उषा सोडानी मुख्य रूप से उपस्थित थीं। महिला मंडल एवं प्रगति मंडल की सभी सदस्याओं ने कार्यक्रम में अपनी भागीदारी की। पौधारोपण के साथ-साथ पर्यावरण को शुद्ध बनाने के लिए सुबह महिला मंडल द्वारा यज्ञ का भी आयोजन किया गया।

करिश्मा सोनी की पुस्तक विमोचित

सूरत। श्रीडूंगरगढ़ निवासी सूरत प्रवासी श्रीमती मंजू देवी श्रीनिवास सोनी की सुपुत्री करिश्मा सोनी द्वारा लिखी गई पुस्तक 'Thank you for the pain' का विमोचन गुजरात प्रदेश अध्यक्ष गजानंद राठी, अविनाश चांडक, अतिन बाहेती, चंद्रशेखर राठी, रवि राठी ने किया गया।

सोनू माहेश्वरी को किया सम्मानित

बठिंडा। माहेश्वरी सभा द्वारा कोरोना महामारी से आम जनता को बचाने में अग्रणी रही नोजवान वेलफ़ेयर सोसाइटी और किशोरी राम अस्पताल के संचालकों को सम्मानित किया गया। सभा के सचिव के. के. मालपाणी ने बताया कि माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सुशील मूंदड़ा और पवन होलानी व समस्त माहेश्वरी समाज की ओर से नोजवान वेलफ़ेयर सोसाइटी के चेयरमैन सोनू माहेश्वरी को सम्मान ''जैम ऑफ माहेश्वरी समाज'' से नवाजा गया। डॉ. वितुल गुप्ता और डॉ. सोनिया गुप्ता को भी सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मेम्बर प्रवीण मिमानी, गोविंद माहेश्वरी, सुप्रीम कोठारी, हरीश लखोटिया, चन्द्रप्रकाश काबरा, सुरेश होलानी, सोहन माहेश्वरी के साथ माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष सुमित चांडक, सौरव लखोटिया, वरूण माहेश्वरी, पंकज माहेश्वरी, अंकुर माहेश्वरी आदि भी उपस्थित थे।

इंदौर जिला माहेश्वरी
महिला संगठन

भोलेनाथ का आशीष मिला, पाषाण से मानव कहलाये
प्रभु महेश का नाम मिला, दिवस पावन नवमी का हम माहेश्वरी कहलाये
सेवा, त्याग, सदाचार से निहित अपने माहेश्वरी जन्म को सार्थक बनायें।

महेश नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएं

अध्यक्ष
सुमन सारडा

प्रमिला भूतड़ा
(निवृतमान अध्यक्ष)

सचिव
नम्रता राठी

अर्चना ओ.पी. माहेश्वरी (कोषाध्यक्ष)
पुष्पा मोलासरिया (उपाध्यक्ष)
मीरा बंग (सहसचिव)
दीप्ति भूतड़ा (प्रचार मंत्री)
डिम्पल माहेश्वरी (संगठन मंत्री)
दमयंती मनियार (उपाध्यक्ष)
मधुश्री माहेश्वरी (सह सचिव)
उर्मिला सारडा (तकनीकि सहयोगी)

इंदौर जिला सहयोगी क्षेत्रीय संस्थाएं एवं
इंदौर जिला कार्यकारी मंडल

Wishing You Happy Mahesh Navami

Tulsiram
Maheshwari Public School

Modi Nagar, G T Road Modinagar, Ghaziabad (U.P.), 201204

Vinod Kumar Maheshwari
(President Manager)

Mrs. Rajni Ohri
(Principal)

Affiliated of Central Board of Secondary Education, New Delhi
A Co-Educational School

NURSERY to XII

Having
Highly Qualified Teachers on the Staff
Well Equipped
Biology, Chemistry, Computer Science, Physics
& Home Science Laboratories
Excellent Results in Board's Examinations (X, XII)

वर्चुअल व्याख्यानमाला का हुआ आयोजन

महेश नवमी पर त्रिदिवसीय आयोजन-देश के कई ख्यात वक्ताओं ने दिया मार्गदर्शन

उज्जैन। श्री माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस 'महेश नवमी' के अवसर पर श्री माहेश्वरी समाज प्रगति मंडल, श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर, उज्जैन द्वारा 14, 15 और 16 जून को तीन दिवसीय वर्चुअल व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत सामाजिक, मानसिक व आर्थिक विषयों पर परिचर्चाओं का आयोजन रखा गया। साथ ही समाज की वरिष्ठ एवं विशिष्ट हस्तियों को मुख्य व विशेष अतिथि के रूप में व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

इस दौरान 14 जून को कार्यक्रम का आरम्भ वर्चुअल तरीके से श्री स्वामी रंगनाथाचार्यजी महाराज, वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीरामानुजकोट, उज्जैन द्वारा मानवीय जीवन में आध्यात्म शक्ति की अनिवार्यता पर आधारित प्रवचन के साथ हुआ। विशेष अतिथि प्रथम दिवस अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष सुशीला काबरा थीं। द्वितीय दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक एवं प्रबंधन वक्ता रमेश परताणी, हैदराबाद द्वारा ''परवरिश'' विषय पर बहुत ही ज्ञानवर्द्धक उदबोधन देकर सभी माता पिता को नई राह दिखाई गई। विशेष अतिथि रेखा लड्ढा, शिवपुरी रहीं जो कि गठबंधन विवाह प्रकोष्ठ, मध्यांचल की राष्ट्रीय सहप्रभारी हैं। तृतीय दिवस पर ख्यात सीए वीरेंद्र लड्ढा द्वारा टेक्सेशन एवं वसीयत पत्र पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया गया। विशेष अतिथि मुख्य न्यायाधिपति जितेंद्र माहेश्वरी, हाईकोर्ट ऑफ सिक्किम द्वारा बड़ी ही सरल भाषा में मानव जीवन की पूर्णता पर अपने अनुभव साझा किये गये। आशीर्वाददाता के रूप में राष्ट्रीय संत स्वामी श्री माधवप्रपन्नाचार्य जी महाराज, श्री रामानुजकोट, उज्जैन के आशीर्वचनों का लाभ प्रतिदिन प्राप्त हुआ। मार्गदर्शक पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा श्रीमती वीणा सोमानी रही। यह आयोजन प्रगति मण्डल द्वारा श्री माहेश्वरी महिला मण्डल के पथ प्रदर्शन में किया गया। कार्यक्रम को विनीता बियाणी की अध्यक्षता में सचिव श्वेता बजाज द्वारा सम्पादित किया गया। प्रचार प्रसार समन्वयक लक्ष्मीकांत बंग रहे। तकनीकी समन्वयक अर्चना के. माहेश्वरी रहीं। उपरोक्त जानकारी कार्यक्रम की संयोजक दीपाली सोमानी ने प्रदान की।

परमल निर्माण संघ के अध्यक्ष बने राठी

उज्जैन। शैलेंद्र राठी पोहा परमल निर्माता संघ के अध्यक्ष बने। इस उपलब्धि पर संघ के सभी सदस्यों, इष्ट मित्रों तथा स्वजनों ने हर्ष व्यक्त किया। श्री राठी पूर्व में लायंस क्लब के अध्यक्ष भी रहे हैं।

वहाँ तूफ़ान भी हार जाते हैं,
जहाँ कश्तियाँ ज़िद पे होती हैं

With Best Compliments from

THE PACKAGING PEOPLE

Kraft Paper Mill
Shriniwas Board and Paper Pvt Ltd, Dewas

Corrugated Box:

Shree Packers (MP) Pvt Ltd, Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co
Vyanktesh Corrugators Pvt Ltd,Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co
Automatic 3/5 Ply Plant

HDPE Container & Accessories

Arpit Plastics Pvt Ltd, Ujjain
Shriji Polymers Pvt Ltd, Ujjain

Caps & Bottle for Pharmaceuiticals
(President's Award Winning Unit)

Manufacturers of All types of Corrugated Boxes, Dye Cut Boxes, Laminated and Offset Printed Cartons for Domestic & Export for Textile, Cosmetics, Engineering, Automobile, Pharmaceuticals, Food & Beverages , DMF approved facility for Bottles and CR Caps.

Contact Number:0734-2527320-23 Fax Number:0734-2519691
Email:anand@packingpeople.com Website:www.packingpeople.com

सेवा की अनोखी मिसाल

देवघर। कोरोना के दौर में सब एक दूसरे की मदद कर जिंदगी को आसान बनाने की कोशिश कर रहे थे, ऐसे में एक सेवा की मिसाल देवघर के अभिषेक नेवर सुपुत्र आशा - विनोद नेवर द्वारा प्रस्तुत की गई। छोटाराम नाम का एक बहुत गरीब व्यक्ति था जो घर-घर जाकर गैस चूल्हा मरमत करने का काम करता था। उसके घर में पत्नी के अलावा तीन बेटी और दो छोटे बेटे हैं। छोटाराम की कोरोना की वजह से मृत्यु हो गई। उसकी दो बेटियों प्रियंका और प्रिया की शादी भी इसी माह में होनी थी। उसके घर की माली हालत इतनी खराब थी कि श्राद्ध कर्म के लिए भी पैसे नहीं थे, तो अभिषेक नेवर ने लोगो से मदद मांग कर उसके श्राद्ध कर्म का भी खर्च वहन किया। इतना ही नहीं उसकी दोनों बेटियों की शादी करवाने का भी बीड़ा उठाया। कई लोगों से मदद मांग कर अभिषेक ने ना सिर्फ दोनो बेटियो की शादी करवाई बल्कि अपनी पत्नी राखी नेवर के साथ मिलकर एक बेटी प्रिया का कन्यादान भी किया। उक्त जानकारी बिनोद नेवर ने दी।

समाज की वर्चुअल बैठक सम्पन्न

वरंगल। स्थानीय माहेश्वरी समाज की प्रथम वर्चुअल बैठक जूम एप के माध्यम से सम्पन्न हुई। समाज के सचिव नवल किशोर मणियार ने बताया कि यह वर्चुअल बैठक आगामी 19 जून को माहेश्वरी वंशोत्पत्ती दिवस महेश नवमी के आयोजन पर विचार विमर्श हेतु रखी गई। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा ने इस बार भी महेश नवमी सादगी पूर्वक मनाने का आग्रह किया हैं। इस वर्चुअल बैठक के आयोजन में तकनीकी सहयोग हेतु सुनील जाजू का आभार व्यक्त किया। इस बैठक में समाज के उपाध्यक्ष श्याम सुंदर जखोटिया, नवल किशोर मूंदड़ा, सह मंत्री डॉ. विष्णु कुमार बल्दवा, जितेंद्र मुंदड़ा, सह कोषाध्यक्ष भगवानदास मालानी, सांस्कृतिक मंत्री दामोदर लाहोटी, सह सांस्कृतिक मंत्री धनराज मणियार, निवर्तमान अध्यक्ष प्रहलाद सोनी सहित महिला मंडल पदाधिकारी उपस्थित थीं।

सम्रय जब पलटता है
तब सब पलटकर रख देता है
इसलिये अच्छे दिनों में
अंहकार न करो और खराब समय में
थोड़ा सब्र करो।

घर पहुंच निःशुल्क भोजन व्यवस्था

इंदौर। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा कोरोना महामारी से ग्रसित परिवार जो घर में ही क्वारेन्टाइन होकर इस बीमारी से अपनी व दूसरों की सुरक्षा कर रहे हैं, उनके सदस्यों के लिए निःशुल्क घर पहुंच भोजन व्यवस्था की गई। इस व्यवस्था में घर से शुद्ध सात्विक भोजन बनाकर आयसोलेटेड परिवारों तक पहुंचाया जा रहा है। इसमें समाचार लिखे जाने तक निःशुल्क 1001 टीफिन मरीजों के घरों तक पहुंचाये जा चुके थे। इस पूरे कार्यक्रम में टिफिन बनवाने से लेकर टिफिन वितरण तक पूर्ण जिम्मेदारी में हर्ष माहेश्वरी व कुसुम माहेश्वरी का सराहनीय योगदान रहा। नम्रता राठी, सुलोचना मंत्री, किरण लखोटिया, सीमा गगरानी, किरण लाहोटी का भी साथ रहा। आर्थिक सहयोग मधु लद्दड़, प्रीती दिनेश काबरा, संजय मुंगड़, दिपेश भराणी, गायत्री बाहेती, ओ.पी. सोडानी, सरोज सोमानी आदि का रहा।

सेना में लेफ्टिनेट बने डॉ. उत्कर्ष

बैंगलुरू। शहर के माहेश्वरी सभा के वरिष्ठ सदस्य, समाजसेवी आसाराम सारडा एवं पूर्व अध्यक्ष बसंत सारडा के भाई वाराणसी निवासी रामावतार सारडा के पौत्र व अनिल सारडा के पुत्र लेफ्टिनेन्ट डॉक्टर उत्कर्ष सारडा ने पूना के आर्म्ड मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की तथा एक वर्ष की इन्टर्नशिप मेरठ के आर्मी हॉस्पिटल में कर रहे हैं। इंटर्नशिप होने के बाद डॉ. उत्कर्ष की सेना में कैप्टन पद पर पोस्टिंग होगी।

पर्यावरण शुद्धि यज्ञ का आयोजन

उज्जैन। पश्चिमी मध्यप्रदेश माहेश्वरी संगठन के प्रदेश सभा, महिला संगठन व युवा संगठन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर लोक कल्याण हेतु पर्यावरण शुद्धिकरण यज्ञ का सामूहिक रूप से आयोजन ऑन लाइन किया गया। इसे मुंबई के जाने माने विद्वान एवं समाज सेवी वीरेंद्र याज्ञिक द्वारा विधिवत सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष गीता मूँदड़ा, प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी, प्रदेश सभा सचिव अजय झँवर, प्रदेश मंत्री उषा सोडानी, संगठन मंत्री शोभा माहेश्वरी, संयुक्त मंत्री राजकुमारी सोमानी, स्नेहलता मूँदड़ा आदि परिवारजनों सहित शामिल थीं। उक्त जानकारी वीणा सोमानी-अध्यक्ष व उषा सोडानी-मंत्री ने दी।

महेश नवमी के पावन पर्व पर
सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं
समाज के सर्वांगीण विकास की भगवान महेश से कामना

श्रीकांत भूतड़ा
मो.94141-52776

रामकुमार भूतड़ा

प्रदेश कोषाध्यक्ष - भारतीय जनता पार्टी राजस्थान
पूर्व महामंत्री - अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा
मो. 9414153043, 98285-53

अमित भूतड़ा
मो.94144-15579

कमला ग्रेनाईट इण्डस्ट्रीज

जी-101, रिक्को इण्डस्ट्रीयल एरिया तृतीया चरण, जालौर (राजस्थान)
फोन-02973-223956, 224043 फैक्स- 02973-225376

सहयोगी प्रतिष्ठान

श्रीकान्त ग्रेनाईट्स
जी-100, रिक्को इण्ड.एरिया
तृतीया चरण,जालौर
फोन -02973-224043,
मो.9414152776

आर.के. ग्रेनाईट्स
जयपुर बाईपास रोड,
मदनगंज-किशनगढ़
फोन -01463-250530
मो.9829180971

आर.के. ग्रेनाईट्स
जी-98-99, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण, जालौर
फोन-02973-225376, 225377
मो. 9414415579

दिग्विजय ग्रेनाईट्स
जी-221, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण,जालौर
फोन-02973-225088,
224198

जय महेश मानव सेवा प्रकल्प गठित

इंदौर। सेवा एव सहयोग की परम्परा व संस्कृति माहेश्वरियों की पहचान है। इसी सोच को लेकर माहेश्वरी समाज इंदौर के कुछ ऊर्जावान युवा सदस्यों ने जय महेश मानव सेवा प्रकल्प का गठन कर वर्तमान वैश्विक महामारी में समाज के जरूरतमंद लघु आय वाले परिवारों हेतु निःशुल्क राशन किट देने का संकल्प लिया। इस प्रकार इंदौर माहेश्वरी समाज के 250 से अधिक ज़रूरतमंद परिवारों को इस आपातकाल में लगभग 3 माह के राशन की आपूर्ति सुव्यवस्थित और सुनियोजित तरीक़े से मात्र 4 दिनो में ही पूर्ण कर ली गयी। इसमें आशीष साबू, पंकज बूब, भरत तोतला, विनय कासट, विक्की साबु, संजय लोहिया, राम सोमानी, संदीप मूँदडा, नीरज जाखेटिया, सपन माहेश्वरी, नितेश मूछाल, दिलीप तोतला, राजेश गट्टानी, वैभव जाजु, भरत डागा, वरुण बाहेती सहित 70 से अधिक सदस्य शामिल थे।

टीकाकरण शिविर का आयोजन

बैंगलुरू। माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी युवा संघ द्वारा कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी युवा संघ, बैंगलुरू के संयुक्त तत्वावधान में ओखलीपुराम स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। अपोलो हास्पिटल शेषाद्रीपुरम के सहयोग से इस कैम्प में करीब 215 लोगों ने टीकाकरण का लाभ उठाया। इस वैक्सीनेशन कैम्प को माहेश्वरी भवन में आयोजित करने का सुझाव सभा अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया का था एवं वैक्सीनेशन कैम्प की रूपरेखा बनाने एवं मूर्तरूप देने में माहेश्वरी सभा के सचिव भगवानदास लाहोटी तथा कोषाध्यक्ष अजय राठी की अहम भूमिका रही। समस्त सदस्यों का इसमें योगदान रहा।

बुझी हुई शमां फिर से जल सकती है,
तुफानों से घिरी कश्ती किनारे लग सकती है,
मायूस न होना कभी ज़िंदगी में,
ये क़िस्मत है, कभी भी बदल सकती है।

वेपोरायजर का किया वितरण

इंदौर। श्री अन्नपूर्णा क्षेत्र माहेश्वरी 'संतरंगी' सखी संगठन द्वारा अन्नपूर्णा क्षेत्र के ज़रूरत मंद समाजजनों को निःशुल्क 100 गर्म पानी की भाप मशीन (वेपरायज़र) स्वर्गीय कलावती तोतला व स्वर्गीय राजकुमार तोतला की पुण्य स्मृति में भेंट की गई। इनका लोकार्पण ऑनलाईन जूम एप पर स्वामी श्री माधवप्रवन्नाचार्यजी उज्जैन ने किया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महेश तोतला, राष्ट्रीय संगठन मंत्री भरत तोतला, पंकज बुब, देवेन्द्र ईनानी, सपन माहेश्वरी, संदीप मूँदडा, नितेश मूछाल, राम सोमानी एवं अन्य समाजजन विशेष रूप से उपस्थित थे। ऑनलाईन जूम पर ज़िला अध्यक्ष राजेश मूँगड़, सेवा संगठन के लक्ष्मीकान्त बंग, माधुरी सोमानी व अन्य सदस्याऐं भी उपस्थित थीं। इसी प्रकार नगर निगम व पुलिसकर्मियों को छाछ व अन्य पेय का वितरण भी किया गया।

निःशुल्क भोजन की दी सेवा

हैदराबाद। राजस्थानी समाजबंधुओं के लिए माहेश्वरी महिला संगठन एवं संस्कार धारा द्वारा निःशुल्क भोजन व्यवस्था की गई। इसके अंतर्गत क्वारेंटाइन में रहने वाले कोरोना प्रभावित राजस्थानी समाजजनों के लिए निःशुल्क भोजन सेवा प्रदान की गई। संस्कार धारा की संस्थापिका एवं दक्षिणांचल उपाध्यक्ष कलावती जाजू के मार्गदर्शन में 5 मई से 5 जून तक निरंतर यह सेवा कार्य चलता रहा। प्रतिदिन चालीस से पचास समाजजन लाभान्वित हुए। अध्यक्ष उर्मिला साबू व सचिव ने बताया कि संस्कार धारा की अध्यक्ष श्यामा नावंदर, सचिव अंजना अटल ने इसमें विशेष योगदान दिया। कोषाध्यक्ष प्रेमलता काकाणी, मंजू लाहोटी एवं अन्य सभी पदाधिकारियों ने इस सेवा कार्य का मीडिया के माध्यम से सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार किया। 7 दिन तक ब्लैक फंगस जैसे महामारी से ग्रसित मरीजों को भी हास्पिटल में खाने के 300 पैकेट प्रतिदिन वितरित किये गये।

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाजजनों को

हार्दिक शुभकामनाएँ

सीतादेवी तोषनीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट

ट्रस्टी

नेमीचन्द तोषनीवाल

पूर्व अध्यक्ष

वृहत्तर कलकत्ता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

मदनगोपाल माहेश्वरी

विष्णुगोपाल तोषनीवाल

57-एल, बालीगंज सर्कुलर रोड, कोलकाता-700019

फोन- (नि.) 033-24614925, (कार्या.) 22682676

मो. 094332-77426

महेश नवमी महोत्सव पर 311 यूनिट रक्तदान

भीलवाड़ा। गत 12 जून को माहेश्वरी समाज ने दो स्थानों पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन महेश नवमी के पावन अवसर पर किया। इसमें पहला रक्तदान शिविर 12 जून को आयोजित किया गया। शास्त्री नगर माहेश्वरी भवन पर 74 यूनिट रक्तदान एवं महेश शिक्षा सदन हॉस्टल में समाजजनों ने 177 यूनिट रक्तदान किया। तीनों रक्तदान शिविर में समाज जनों ने 311 यूनिट रक्त दान कर पीड़ित मानवता की सेवा के लिए हाथ बढ़ाएं। रक्तदान शिविर का आयोजन श्रीनगर माहेश्वरी सभा, नगर माहेश्वरी युवा संगठन, नगर माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान एवं श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से किया गया। उक्त जानकारी देते हुए सभा उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि समाज के कई पति-पत्नियों ने एक साथ जोड़े से रक्तदान किया। दोनों रक्तदान शिविर में 37 युवतियां व महिलाओं ने रक्तदान कर रक्तदान के प्रति भ्रांतियों को दूर किया। रक्तदाताओं का स्मृतिचिन्ह से सम्मान भी किया गया।

मध्य उ.प्र. महिला संगठन का सेवा अभियान

कानपुर। मध्य उ.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन अंतर्गत ग्रामीण विकास एवम राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति द्वारा कोविड संक्रमित परिवारों में करीब प्रतिदिन 100- 120 लोगों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई। ऑक्सीजन सिलिंडर की व्यवस्था 145 लोगो के लिए की गई व 700-800 मास्क, सैनिटाइजर बांटे गए। 48 असमर्थ बुजुर्गों को वैक्सीनेशन के लिए अपनी गाड़ी से ले जाने की व्यवस्था की गई। 22 ऐसे माता पिता जिनके बच्चे विदेश में हैं, उनकी भी पूरी देखभाल की गई। 67 ग्रामीण लोगों के लिए ऑन लाइन वैक्सीनैशन का आरक्षण किया गया। स्वास्थ्य एवम पारिवारिक समरसता समिति द्वारा उत्तरांचल समिति सह प्रभारी श्रीमती संतोष बाहेती के सहयोग से कानपुर ही नही अन्य शहरों में भी जहाँ ऑक्सीजन, ब्लड, दवाइयों की आवश्यकता हुई अपने परिजनों को बोलकर उन्हें पूरा करने का सफल प्रयास किया गया। कोविड वैक्सीनैशन की भ्रांतियों को दूर करने के लिए 200 परिवारों को प्रेरित किया गया। प्रदेश संयोजिका शकुंतला चांडक के सामूहिक प्रयास से कोविड ग्रसित परिवारों को मानसिक एवम आर्थिक रूप से पूरी मदद की गई। बाल विकास एवं किशोरी विकास समिति द्वारा ई संस्कार वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में मैनपुरी से 250 बच्चे लाभान्वित हुए।

विवाह गठबंधन समिति द्वारा प्रदेश संयोजिका दीप्ति झंवर के सहयोग से 23 बॉयोडाटा गठबंधन ऐप में डाले गए और एक संबंध भी तय करवाने में सफलता हासिल की। कंप्यूटर नेटवर्किंग एवं एडवांस तकनीकी शिक्षा समिति ने ब्लड ग्रुप फॉर्म को भरवाने के लिए सभी सदस्यों को प्रेरित किया गया। पर्व एवं संस्कृति समिति ने अक्षय तृतीया के अवसर पर अपने घर पर विराजमान बिहारीजी को खिचड़ी बनाकर भोग लगाया एवं भजन कीर्तन किया। जानकारी अध्यक्ष प्रीति तोषनीवाल व सचिव सीमा झंवर ने दी।

जीवन मे दो ही नियम रखना
मित्र सुख मे हो तो आमंत्रण के बिना जाना नही.!!
मित्र मुसीबत मे हो तो आमंत्रण का इन्तजार करना नहीं .!!

वैक्सीनेशन शिविर का हुआ आयोजन

जयपुर। वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन सीए अनिल सारड़ा एवं डॉ राकेश माहेश्वरी के सहयोग से समाजबंधुओं के लिए किया गया था, परंतु अन्य समाज बंधुओं की भी काफी रिक्वेस्ट आयी थी, जिसको समझते हुए महेश सेवा समिति ने उनकी भी वेक्सीनेशन व्यवस्था करवाई। इसमें कुल 210 रजिस्ट्रेशन हुए जिनमें से 172 बंधुओं ने इसका लाभ उठाया। विशेष बात यही रही कि टाईम स्लॉट की व्यवस्था से किसी को भी लाइन में नही लगना पड़ा और 10 मिनट से ज्यादा इंतजार नही करना पड़ा। सम्पूर्ण व्यवस्था में चंद्रप्रकाश धूत, अजय सारड़ा, अभिषेक मांधना आदि का विशेष योगदान रहा।

राजस्थानी गीत से कोरोना संदेश

जोधपुर। कोरोना वायरस को लेकर जागरूकता के हर स्तर पर प्रयास जारी हैं। उसी के तहत जोधपुर की समाज सेविका यशोदा माहेश्वरी ने राजस्थान के जाने माने राजस्थानी लोक गायक कालूराम प्रजापति द्वारा लिखे गए गीत को जिस तरह बिना किसी म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट के स्वरबद्ध किया है, वह हर किसी के मन को भा रहा है। इसमें कोरोना वायरस से बचाने के लिए मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंस व सरकार की गाइड लाइन का पालन करने का संदेश दिया गया है। राजस्थानी भाषा में इस गीत को गाए जाने के कारण यह प्रभावी ज्यादा नजर आ रहा है, बिना किसी हारमोनियम, ढोलक, मंजीरा, घुंघरू व गिटार आदि वाद्य के तैयार किए इस राजस्थानी संदेश के गीत को सोशल मीडिया पर भी खूब पसंद किया जा रहा है।

महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनायें

छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा

रामरतन मूंधड़ा
प्रदेश अध्यक्ष

सुरेश मूंधड़ा
प्रदेश मंत्री

नंदकिशोर राठी
संगठन मंत्री

ओमप्रकाश टावरी
कोषाध्यक्ष

विट्ठल भूतड़ा
निवृतमान अध्यक्ष
एवं कार्यसमिति सदस्य

नारायण राठी
निवृतमान प्रदेश मंत्री

डॉ. सतीश राठी
उपाध्यक्ष

राजकुमार गांधी
उपाध्यक्ष

सुरेन्द्र चांडक
उपाध्यक्ष

बृजकिशोर सुरजन
कार्यसमिति सदस्य

सूरज प्रकाश राठी
सह मंत्री

प्रकाश माहेश्वरी
संयुक्त मंत्री

रमेश केला
संयुक्त मंत्री

शरद राठी
संयुक्त मंत्री

डी डी भूतड़ा
संयोजक
श्री आ.वि. बिड़ला व्या.
सहयोग केन्द्र

नरेंद्र लोहिया
संयोजक
श्री बांगड़
मा.मे.वे. सोसा.

सुभाष भट्टड़
ABMM APP
एवं
जनगणना प्रकोष्ठ

डॉ. रवि राठी
चिकित्सा प्रकोष्ठ

लक्ष्मीनारायण चांडक
प्रचार प्रसार
(ग्रामीण)

सौ. अमिता मूंधड़ा
अध्यक्षा
प्रदेश महिला संगठन

सौ. भावना राठी
महामंत्रानी
प्रदेश महिला संगठन

रूपेश गांधी
अध्यक्ष
प्रदेश युवा संगठन

अरुण डागा
सचिव
प्रदेश युवा संगठन

मनोज राठी
प्रबंध न्यासी
महेश सेवा निधि ट्रस्ट

बालकिशन झंवर
मानद मंत्री
महेश सेवा निधि ट्रस्ट

अजय सारडा
जिलाध्यक्ष
रायपुर

डॉ. रमेश भट्टड़
जिलाध्यक्ष
बिलासपुर

नरेंद्र राठी
जिलाध्यक्ष
दुर्ग

सुनील मूंधड़ा
जिलाध्यक्ष
राजनांदगांव

श्रीकिशन सारडा
जिलाध्यक्ष
धमतरी

गजेंद्र चांडक
जिलाध्यक्ष
बस्तर

सादगी के साथ सेवा

नवाल परिवार ने की मानवता की सेवा

अजमेर। गत 9 जून को समिति भवन में सुश्रुत चैरिटेबल ट्रस्ट, सुभाष नवाल परिवार की ओर से आमजन हेतु एक एम्बुलेंस, मास्क, गोगल भेंट की गई। इसका लोकार्पण मुख्य अतिथि वासुदेव देवनानी विधायक एवं पूर्व शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार, अजमेर शहर की प्रथम महिला मेयर ब्रज लता हाडा, उपमेयर नीरज जैन पार्षद नलिनी शर्मा आदि ने किया। जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय के अधीक्षक अनिल जैन, वरिष्ठ चिकित्सक डाक्टर संजीव महेश्वरी, वरिष्ठ डाक्टर श्याम भूतडा समाज सदस्य ओमप्रकाश मालू, रमाकांत बालदी, एस डी बाहेती, ज्वाला प्रसाद काकाणी, शिवशंकर हेडा, जयदेव सोमाणी, राधेश्याम सोमाणी, रमेश तापड़िया, जगदीश लढा, शशांक बजाज अशोक राठी, सत्यनारायण मन्त्री, श्याम छापरवाल, दिनेश नवाल, संजीव महेश्वरी आदि कई सदस्य उपस्थित थे। अध्यक्ष बी पी राठी ने आभार प्रकट किया।

प्रीति मालपानी सम्मानित

उज्जैन। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत महिला अधिकार उत्थान सुरक्षा और सशक्तिकरण समिति द्वारा आयोजित "दादी-नानी का पिटारा-13" स्पर्धा में उज्जैन जिला से नागदा माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष प्रीति मालपानी के किचन गार्डन के वीडियो को चुनकर उन्हें प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। जिला संयोजक संगीता भूतड़ा ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों से किचन गार्डन के वीडियो मंगवाए थे। प्रदेश अध्यक्ष वीना सोमानी, प्रदेश सचिव उषा सोडानी, जिला अध्यक्ष राधा असावा, सचिव सीमा मालपानी सहित सभी सदस्याओं ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

सादगी परम सौंदर्य है, क्षमा उत्कृष्ट बल है,
विनम्रता सबसे अच्छा तर्क है,
और अपनापन सर्वश्रेष्ठ रिश्ता है!

टीकाकरण शिविर सम्पन्न

उज्जैन। हिन्दमोटर माहेश्वरी सभा तथा महिला और युवा संगठन के तत्वावधान में गत 09 जून 2021 को टीकाकरण शिविर आयोजित हुआ। इसका हिंदमोटर- भद्रकाली अंचल में 187 लोगों ने लाभ लिया। सभा अध्यक्ष प्रदीप राठी, युवा अध्यक्ष गणेश झंवर और महिला अध्यक्षा प्रीति बिहानी की अध्यक्षता में यह कार्य शुरू हुआ। कलकत्ता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष विनोद जाजू की भी गरिमामय उपस्थिति रही। सभा कार्यकारणी के सदस्य राजेश भट्टड़, बजरंग लाल जाजू, कपूर चंद राठी, विनोद कुमार लखोटिया, मनोज कुमार मोहता आदि का पूरा सहयोग रहा।

15 दिवसीय ई-संस्कार वाटिका का आयोजन

उज्जैन। भारतीय संस्कृति व संस्कारों के जीवन में महत्व को ध्यान में रखते हुए गीता परिवार के तत्वावधान में अखिल भारतीय राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला संगठन की बाल एवं किशोरी विकास समिति, वि.प्र. फाउंडेशन, वन बंधु परिषद आदि संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से ऑनलाइन वीडियो के माध्यम से 16 से 30 मई तक 15 दिवसीय ई संस्कार वाटिका का आयोजन किया गया। इसका समापन कार्यक्रम 3 जून को राष्ट्रीय महिला संगठन की मध्यांचल इकाई द्वारा मध्यप्रदेश, गुजरात, विदर्भ, छत्तीसगढ़ आदि प्रदेशों के कार्यकर्ताओं एवं इनके साथ ही वाटिका में जुड़े बच्चों व उनके अभिभावक गणों की ऑनलाईन उपस्थिति में मध्यांचल बाल एवं किशोरी विकास समिति की सह प्रभारी ज्योति बाहेती, अकोला के नेतृत्व में रखा गया।

स्वाति मानधना द्वारा केक प्रशिक्षण

बालोतरा। भारत विकास परिषद राजस्थान पश्चिमी प्रांत द्वारा आयोजित ऑनलाइन अभिरुचि शिविर में विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 'आओ सीखें केक बनाना' कार्यशाला में बालोतरा निवासी स्वाति मानधना को प्रशिक्षक नियुक्त किया गया, जो एक केक आर्टिस्ट हैं। कार्यशाला में इन्होंने केक को बेक करना, उसको डेकोरेट करना व बेकिंग से संबंधित कई छोटी-छोटी जानकारियां दी। कार्यशाला में पांच सौ से अधिक प्रतिभागियों ने केक बनाना सीखा।

GIMATex

GIMATEX INDUSTRIES PVT. LTD.
INTEGRATED TEXTILE SUPPLIER

HAPPY MAHESH NAVAMI

YARNS

Polyester, Viscose, Cotton, Modal, Lyocell, Spandex in different blend compositions in Grey, Dyed & Melange Shade.

FABRIC

100% Cotton & Blended, 100% Viscose, Modal, Tencel & their Blends, PC. (All Grey Fabric from width of 38 to 102 inch)

FINISH FABRICS

Cotton, 100% Viscose, Shirting Bottom Weights, Dress Material & Dobbies in Dyed & Print. (Specializing in stretches)

GARMENTS

Shirts, Trousers & Women Wears.

DOWNLOAD GIMATEX G- FORCE MOBILE APP — Google Store

Various Certifications: BCI · OEKO-TEX® STANDARD 100 · Global Recycled Standard

YARN & FABRIC
Hinganghat Office :
Gimatex Industries Pvt. Ltd.
Ram Mandir Ward, Hinganghat- 442 301.
Maharashtra, INDIA.
Mob.: +91-9326800009 (Yarn)
Mob.: +91-9326810003 (Fabric)
Email: info@gimatex.co.in

Mumbai Office :
Gimatex Industries Pvt. Ltd. A, A/202, Ramji House,
2" Floor, 30-Jambulwadi, Kalbadevi, Mumbai- 400 002.
Maharashtra, INDIA
Mob: +91-22 22079331 / +91-22 22079332
Email- mho@gimatex.co.in

FINISH FABRIC & GARMENTS
Dholka Office:
Gimatex Industries Pvt. Ltd.
Near Microwave Tower, Transad Road,
Dholka- 387810. Gujarat (India)
Mob.:+91-9727733344 (Finish Fabric)
Mob.:+91-8668344285 (Garments)
Email- salesdholka@gimatex.co.in

GIMA

WHITE GOLD™
Refined Cotton Seed Oil
Sehat Ke Saath, Shudhta Aur Swaad

AVAILABLE IN 15Kg, 15 Ltr, 5 Ltr, 1 Ltr, 1/2 ltr

The Most Versatile Oil

For Trade Enquiries Please Contact
Email: info@gimatex.co.in
Website: www.gimabio.co.in

GIMA

SOYA SHINE
REFINED SOYABEAN OIL

सेहत के साथ,
शुद्धता और स्वाद

BENEFITS
- Enriched in Vitamin A & D
- Contains Omega 3 & Omega 6

NET CONTENT 1 Ltr at 30°C

Mob: +91 91580 26933 / 70660 41915 / 77984 38866

जाजू ट्रस्ट में 9.40 लाख सहयोग

कोटा। सेवा परमो धर्मः को चरितार्थ करते हुए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन ने श्रीकृष्णदास जाजू ट्रस्ट को 9.40 लाख रुपये की राशि महेश नवमी पर्व पर प्रदान की। उल्लेखनीय है कि कोरोना आपदा के इस भयावह संक्रमण काल में समाज की 470 महिलाओं को भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया। उक्त जानकारी अध्यक्ष आशा माहेश्वरी व महामंत्री मंजू बांगड़ ने दी।

"कैसे छुएँ आसमान" पुस्तक पर यू.के. में परिचर्चा

ग्लास्गो (यू.के.)। बुक क्लब ग्लास्गो द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ऋषि मुनि प्रकाशन उज्जैन द्वारा प्रकाशित, मोटीवेशनल लेखक डॉ.एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक 'कैसे छुएँ आसमान' पर वर्चुअल परिचर्चा हुई। डॉ. माहेश्वरी ने बताया कि पुस्तक में बताए मार्ग पर चलकर, सीढ़ी दर सीढ़ी कैसे सफलता के उच्चतम शिखर पर पहुंचा जा सकता है। बुक क्लब के सदस्यों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.मोनिका डोसी ने की एवं आभार डॉ. सपना माहेश्वरी ने माना।

सबसे युवा जोन चेयरपर्सन बने बिहाणी

श्रीगंगानगर। लायंस क्लब श्रीगंगानगर रॉयल्स के चार्टर अध्यक्ष विनम्र बिहाणी को लायंस क्लब इंटरनेशनल (प्रान्त 3233 ई -1) के आगामी प्रांतपाल सुनील गोयल, प्रान्तपाल आलोक अग्रवाल व पूर्व प्रांतपाल अशोक ठाकुर तथा रीजन के वरिष्ठ लायन सदस्यों की अनुशंसा पर सत्र 2021-22 के लिये जोन चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

शेयर बाजार की दी जानकारी

इंदौर। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, महिला संगठन, युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम "भारतीय शेयर बाजार" आयोजित किया गया। इसमें लगभग 350 लोगों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता गौरव सोमानी ने कई भ्रांतियों को दूर किया व कार्यक्रम से जुड़े लोगों के सवालों का भी जवाब दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा संगठन से अतिथि के रूप में राजेश मंत्री व रूपेश सोनी उपस्थित थे। स्वागत उदबोधन ईश्वर बाहेती व भरत तोतला ने दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन राहुल मानधन्या व वीणा सोमानी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन अंकित अजमेरा व मुरली लखोटिया ने किया। आभार गोविंदा गुप्ता ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से विजय राठी, उषा सोड़ानी, उर्मिला झंवर, भरत सारड़ा, पुष्प माहेश्वरी, राम तोतला, नितिन जाखेटिया आदि उपस्थित थे।

करवा परिवार ने भेंट किये ऑक्सीजन कन्टेनर

करीमनगर। ग्रेनाइट व्यवसायी भागवानदास करवा, वेणुगोपाल करवा व उनके परिवार ने अपने पिताजी स्व.श्री केसरमल करवा की यादगार में 7 लाख रुपये लागत के 10 ऑक्सीजन कन्टेनर करीमनगर के कलेक्टर को करोना महामारी में सहयोग स्वरूप भेंट किये।

नवनिर्वाचित महापौर का अभिनंदन

वरंगल। प्रगतिशील मारवाड़ी समाज और माहेश्वरी समाज के प्रतिनिधियों ने महापौर सभागार में ग्रेटर वरंगल नगर निगम की नवनिर्वाचित मेयर श्रीमती गुंडू सुधारानी का अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष वेणुगोपाल मुंदड़ा, उपाध्यक्ष प्रहलाद सोनी, सचिव श्याम सुंदर जाखोटिया, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष संपत कुमार लाहोटी, उपाध्यक्ष नवल किशोर मुंदड़ा और कोषाध्यक्ष रामकिशोर मणियार आदि उपस्थित थे।

नावंदर पुणे रत्न से सम्मानित

पुणे। श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर कसबा पेठ तथा महेश सेवा संघ पुणे के भूतपूर्व अध्यक्ष एवं विश्वस्त सुरेश नावंदर को "मैं भारत हूँ संघ" मुंबई द्वारा सामाजिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए पुणे रत्न से सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित सम्मान की प्राप्ति पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया। श्री नावंदर माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल की शिष्यवृत्ती समिति तथा पुणे पश्चिम परिवार प्रतिष्ठान में सदस्य रूप के रूप में भी कार्यरत है।

'अपशब्द' एक ऐसी चिंगारी है,
जो कानों में नहीं, सीधा 'मन' में आग
लगाती है...!!!...... हमेशा मधुर बोलें

मारवाड़ी सेवा ग्रुप ऑफ आबूधाबी ने दी मदद

यूएई। मारवाड़ी सेवा ग्रुप ऑफ आबूधाबी (UAE) द्वारा अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन में कोविड 19 के सहयोग स्वरूप 1 लाख रूपये का योगदान दिया गया। मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. एल एन बल्दआ के सुपुत्र सीए पंकज बलदुआ व इनके मित्र नीलेश चंडक, श्रवण भूतड़ा, गौरव जाजू, नितिन सारड़ा, अश्विन टांक, कार्तिक गांधी व उनके अनेकानेक मित्रो द्वारा मारवाड़ी सेवा ग्रुप ऑफ आबूधाबी (UAE) का गठन कर कोविड 19 में देश व मानवीय सेवा के प्रति अपनी भावना को जाहिर करते हुऐ इस सेवा हेतु संकल्प लेकर दवाई, ऑक्सीजन कॉनसन्ट्रेशन आदि की व्यवस्था के माध्यम से सेवा करने का प्रयास किया गया। इसके अंतर्गत सेवा ग्रुप की तरफ से डॉ. एल एन बलदुआ द्वारा महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य संदीप मूंदड़ व क्षेत्रीय अध्यक्ष जुगलकिशोर मणियार को 1 लाख रूपये का चैक प्रदान किया। इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष गुमानमल झंवर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वरूप झंवर, रमेश चितलांगिया, जिला संगठन मंत्री रमेश भराड़िया, सूर्य प्रकाश झंवर, राजेश झंवर, श्री माहेश्वरी महिला परिषद ब्यावर की अध्यक्ष बीना बलदुआ, क्षेत्रीय मंत्री सुनिल झंवर, क्षेत्रीय कार्यकांरिणी सदस्य राजेन्द्र काबरा की उपस्थिति रही। इसी क्रम में मारवाड़ी सेवा ग्रुप ऑफ आबूधाबी (UAE) द्वारा स्थानीय अमृतकौर अस्पताल व ब्यावर क्षेत्रीय सभा के नेतृत्व में भारत विकास परिषद को क्रमशः 5 व 2 ऑक्सीजन मशीने भी उपलब्ध करवायी जा रही हैं।

केला अध्यक्ष, मूंधड़ा सचिव

रायपुर। माहेश्वरी युवा मंडल (महिला समिति) की 47वीं वार्षिक आमसभा एवं चुनावी बैठक का आयोजन जूम एप पर किया गया। इसमें सत्र 2021-22 के लिए महिला समिति की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से हुआ। इसमें अध्यक्षा सविता केला, सचिव राजश्री मूंधड़ा, उपाध्यक्ष सीमा नत्थानी, कोषाध्यक्ष नीना राठी, सह सचिव संगीता राठी, सांस्कृतिक समिति प्रभारी सुरुचि नत्थानी एवं पूजा बल्दुआ तथा प्रचार प्रसार समिति प्रभारी प्रीति राठी चुनी गई। कार्यकारिणी सदस्याओं का चयन भी हुआ।

आनंद गोष्ठी ने किया पौधारोपण

इंदौर। संस्था 'आनंद गोष्ठी' ने पर्यावरण दिवस पर शहर के 108 घरों और बगीचों में पौधारोपण करवा कर प्रदेश सरकार के पौधारोपण अभियान 'अंकुर' के तहत सघन ऑनलाइन अभियान चलाया। गत वर्ष भी यह दिवस मनाया था। संस्था के संरक्षक गोविन्द मालू ने बताया कि इसके लिए सभी से दूरभाष पर सम्पर्क कर आह्वान किया गया कि अपने घरों या अपने क्षेत्र के बगीचों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए केवल दो व्यक्तियों द्वारा वृक्षारोपण किया जाए। संस्था पर्यावरण सप्ताह मना रही है जिसमें पर्यावरण के सुधार संरक्षण के कई कार्यक्रम जन जागरण के जरिए करेंगे। संस्था संरक्षक गोविंद मालू व अध्यक्ष उष्मा मालू के नेतृत्व में योजना क्रमांक 140 और ग्रेटर बृजेश्वरी में अभियान का शुभारंभ किया गया। शहर की अनेक कालोनियों में संस्था के सदस्यों ने पौधे लगवाए।

200 लोगों को लगवाई वेक्सीन

बठिंडा। स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा माहेश्वरी समाज के वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमीं के अवसर पर कोरोना वेक्सिनेशन कैम्प का आयोजन नौजवान वेलफेयर सोसाइटी फ्री कोविड सेंटर, किशोरी राम अस्पताल में डॉक्टर सोनिया गुप्ता की अगुवाई में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से किया गया। इसमें 18 वर्ष से लेकर अधिक आयु वाले 200 लोगों का मौके पर ही रजिस्ट्रेशन करके कोविड शील्ड तथा को-वेक्सिन की डोज़ लगाई गई। कैम्प के दौरान सभा के अध्यक्ष सुशील मूंदड़ा, सचिव के.के मालपानी, कोषाध्यक्ष हरीश लखोटिया, पवन होलानी, जगदीश मंत्री, गोविंद माहेश्वरी, पंकज माहेश्वरी, सुप्रीम कोठारी, सोहन माहेश्वरी, प्रवीण मिमानी, चन्द्रप्रकाश काबरा आदि ने अपना विशेष सहयोग प्रदान किया। संस्था द्वारा 20 जून तक लगातार इसी जगह फ्री वेक्सीन कैम्प लगाया जाएगा।

॥ महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ ॥

हर सामाजिक समस्या का समाधान बन जाऊं, जरूरतमंदों की जरूरत का सामान बन जाऊं,
नाम-शौहरत की चाह नहीं मुझे, चाहत है बस समाज की सेवा के काम आ सकूं

हर साल हम माहेश्वरी समाज के वंशोत्पती दिवस मनाते आ रहे है। यह एक ऐसा पल होता है जब हम मिलकर अपने माहेश्वरी समाज के वंशोत्पती दिवस महेश नवमी मनाते है जो हमें अपनी जड़ों के साथ ही अपने संस्कारों से जोड़ने का काम भी करता है।

ऐसे खास पल यानी महेश नवमी के पावन पर्व पर आप सभी को व आपके परिवार जनों को हार्दिक शुभकामनाएं। आप सभी का जीवन मंगलमय हो, स्वस्थ और खुशहाल हो ऐसी ही भगवान महेश से प्रार्थना करती हूँ।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि कोरोना महामारी ने पूरे विश्व में तबाही मचा रखी है। लोगों की हालत काफी खराब है। ऐसे में इस पवित्र दिवस पर हम सब मिलकर संकल्प लेते हैं, कि हमारी संस्कृति और संस्कारों का पालन करते हुए समाज के मध्यम व निम्नवर्गीय परिवार जो कि इस मुश्किल के दौर से गुजर रहे है। उनकी सेवा एंव सहयोग से आगे क़दम बढ़ाएं ताकि पूरे समाज में खुशहाली बनी रहें। मैं अपने समाज के बंधुओं को यह संदेश देना चाहती हूँ, हम एक दूसरे का परस्पर हाथ थामे आगे बढें। आपसी संवाद और मेलजोल से संगठन को प्रगति पथ पर आगे बढ़ाएं।

महेश नवमी को दिखावे का नहीं,.. सार्थकता, दायित्वों व कर्तव्यों के प्रति जागरुकता और समर्पण के भाव से मनाए।

आइए हम सब मिलकर समाज हितार्थ एवं जन हितार्थ कार्यों से स्वयं को आहूत करें।

।। जय महेश ।।

निर्मला मल्ल
अध्यक्ष
वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

गोसेवा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

इंदौर। महेश नवमी 2021 के अंतर्गत श्री बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी समाज, इन्दौर द्वारा ओमानंद आश्रम,ओमानंद गौशाला (पितृ पर्वत के पास) पर गौ सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्षेत्र अध्यक्ष बलदेवदास जाजू एवं मंत्री प्रवीण अजमेरा ने बताया कि गौ सेवा से महेश नवमी की शुरुआत की गई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में घनश्याम काकानी शामिल हुए। कार्यक्रम के समन्वयक योगेश होलानी ने गौ सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अतिथियों ने गौ माता की पूजा अर्चना कर उन्हें गौ ग्रास के साथ गुड़ व हरा चारा खिलाया। कार्यक्रम संयोजक अशोक जाजू एवं नवल नवाल ने बताया कि गायो की रोटी इक्कठा करने के उपयोग में आने वाली गाड़ी की बैटरी हेतु 32000/- की राशि श्री बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी समाजजन द्वारा एकत्रित कर ओमानंद आश्रम को समर्पित की गई। इस अवसर पर बिजासन क्षेत्र के निवासी नीलेश सारड़ा द्वारा स्व. श्री मदनमोहन सारड़ा की स्मृति में एवं घनश्याम काकानी द्वारा स्व. श्री कल्याणमल काकानी की स्मृति में गाय के पानी पीने हेतु 5100-5100 रु.की पानी की टंकी प्रदान करने की घोषणा की गई। समाज के मंत्री विजय लड्ढा, रविंद्र राठी, कैलाश मुंगड, पुष्प माहेश्वरी, पवन भलिका, अजय सारड़ा, प्रहलाद सेठ, पवन लढ़ा, रुपेश भूतड़ा, सुधीर तोषनीवाल आदि कई समाजजन उपस्थित थे।

कोरोना काल में दिल्ली प्रदेश महिला संगठन

दिल्ली। कोरोना के भयंकर विध्वंसकारी समय में जब घर-घर में संकट के काले बादल मंडरा रहे थे, तब दिल्ली प्रदेश महिला संगठन सहायतार्थ छत्र बन कर खड़ा रहा। संगठन की ग्राम विकास व राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति उत्तरी क्षेत्र ने धैर्य बंधाने वाला प्रेरणादायक वीडियो प्रसारित किया जिससे उत्साह, आशा, विश्वास का संचार हुआ। 25-30 परिवारों को निःशुल्क ऑक्सीजन मशीन की सेवा दी गई जो जारी रहेगी। हर माह एक माहेश्वरी परिवार को बच्चे की शिक्षा हेतु राशि भेजी जाती है। जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों को महीने की राशन सामग्री, किराया, दवाइयों व कैश राशि आदि का सहयोग किया गया। स्वास्थ्य व पारिवारिक समरसता समिति कोरोना पीड़ित परिवारों को भोजन पहुंचाया। महिला अधिकार व सशक्तिकरण समिति के प्रयास से घर की महिलाएं शॉपिंग मॉल ग्रुप पर अपने उत्पादों की बिक्री सफलता से कर रही हैं और आर्थिक मंदी के दौर में परिवार का आर्थिक संबल बन रही हैं। विवाह सम्बन्ध सहयोग गठबंधन समिति के प्रयास से कोरोना काल में अप्रैल माह में 9 जोड़ियां बनी। कंप्यूटर नेटवर्किंग समिति द्वारा संचार माध्यमों से मदद के लिए तुरंत कॉन्टैक्ट डिटेल्स भेजे गये। स्वास्थ्य व आध्यात्म समिति द्वारा वातावरण शुद्धि के लिए मंत्रोच्चार से हवन किये जा रहे हैं। दिल्ली प्रदेश में रामरक्षास्तोत्रम, श्रीराम स्तुति, तुलसी स्तोत्र, भजन आदि का आयोजन किया गया। दक्षिणी क्षेत्र में हनुमान चालीसा, संकट मोचन एवं बजरंग बाण के 1500 पाठ सदस्याओं द्वारा किये गये। उक्त जानकारी अध्यक्ष श्यामा भांगडिया सचिव प्रभा जाजू ने दी।

बांगड़ बने प्रदेश महासचिव

छतरपुर। मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय के क्षेत्र में कार्यरत अखिल भारतीय संगठन 'आल इंडिया ह्यूमन राइट्स एन्ड सोशल जस्टिस कौंसिल' ने प्रदेश महासचिव के पद पर आशीष बंग माहेश्वरी लनीमच को मनोनीत किया है। इनके मनोनयन पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कन्यादान हेतु सामग्री भेंट

इंदौर। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा इस कोरोना काल की विकट स्थिति में जरूरतमंद परिवारों की दो बेटियों के विवाह में कन्यादान हेतु 61 हजार रूपये की सामग्री प्रदान की गई। संस्था अध्यक्ष सुमन सारड़ा ने बताया कि वैसे तो संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष निःशुल्क सामुहिक विवाह करवाने का बीड़ा उठाया गया है लेकिन इस वर्ष दो कन्याओं को संस्था द्वारा सहयोग किया गया। इसमें ग्रहस्थी के सामान जैसे पलंग, अलमारी, बर्तन, चादरें, साड़ियां, मिक्सर, ओवन आदि प्रदान किये गये। साथ ही ज्वेलरी पायल, बिछिया आदि भी कन्यादान हेतु दिये गये। संस्था सचिव नम्रता राठी ने बताया कि मुख्य दानदाता सरस्वती देवी सारड़ा है। साथ ही अन्य सहयोगी कुसुम माहेश्वरी, शांति मंत्री, गीता मूंदड़ा, ललित मालपानी, सुरेखा मालपानी, पुष्पा मोलासरिया व दमयन्ती मणियार रहीं।

जीवन बेचने निकल जायें,
तो कौड़ियां भी न मिलें,
और खरीदने निकल जायें,
तो दुनियाभर की दौलत
देकर भी न मिले।
बस अनमोल है जीवन,
इसे व्यर्थ न जाने दें!!

युवा मंडल की नई कार्यकारिणी गठित

धामनोद। स्थानीय माहेश्वरी युवा मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें निर्विरोध रूप से अध्यक्ष के लिए अमित नगवाड़िया, सचिव के लिए सुमित परवाल एवं कोषाध्यक्ष के लिए प्रतीक मूंदड़ा का चयन किया गया। इस बार कार्यकारिणी में कुछ नए सदस्यों को भी जोड़ा गया। चुनाव पर्यवेक्षक के रुप में युवा मंडल के परामर्शदाता भगवान मूंदड़ा, कैलाश परवाल एवं गोविंद राठी आदि ने योगदान दिया।

कैंसर पीड़ित के लिये केश दान

बुलडाणा। महेश नवमी पर कृषि उपज मंडी खामगांव के पूर्व संचालक एवं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के निवर्तमान राष्ट्रीय अर्थमंत्री तथा वर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्य अ.भा. महासभा विवेक मोहता तथा मिसेस इंडिया युनिवर्स रुपल मोहता की सुपुत्री कु. प्रियल मोहता (16वर्ष) द्वारा अपने 20 इंच लम्बे बाल पूना की एक संस्था को कैंसर रोगी के सहायतार्थ दान किए गये। प्रियल के इस निर्णय का सभी स्तर पर स्वागत एवं अभिनंदन किया जा रहा है। उक्त जानकारी संजय पुरूषोत्तम सातल जिला सचिव बु.जि.मा. संगठन ने दी।

योग दिवस पर हुआ आयोजन

उज्जैन। विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में श्री माहेश्वरी महिला मंडल नरसिंह मंदिर उज्जैन द्वारा सुबह जूम एप पर योग-प्राणायाम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कृष्णा जाजू, भारती कोठारी, शीला राठी, रीता लाखोटिया, सुधा बागड़ी, अर्चना लड्ढा, माधुरी बांगड़, किरण साबू, शारदा भंडारी आदि कई सदस्याओं ने भाग लिया। प्राणायाम महिला मंडल सचिव श्रीमती उषा भट्टड़ द्वारा कराया गया। उक्त जानकारी अध्यक्ष रेखा लड्ढा ने दी।

ऑनलाईन योगशाला का आयोजन

इंदौर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर फ्री 'ऑनलाइन योगशाला' का आयोजन संस्था अध्यक्ष सुलोचना मंत्री के नेतृत्व एवं प्रियंका साबू (दिल्ली) के निर्देशन में हुआ। एक घंटे की योगशाला में ध्यान, योगासन और प्राणायाम सिखाए गए। इसमें लगभग पचास महिलाओं की भागीदारी रही। कार्यक्रम की संयोजक निशा जाजू थीं। उपरोक्त जानकारी संस्था सचिव नेहा माहेश्वरी ने दी।

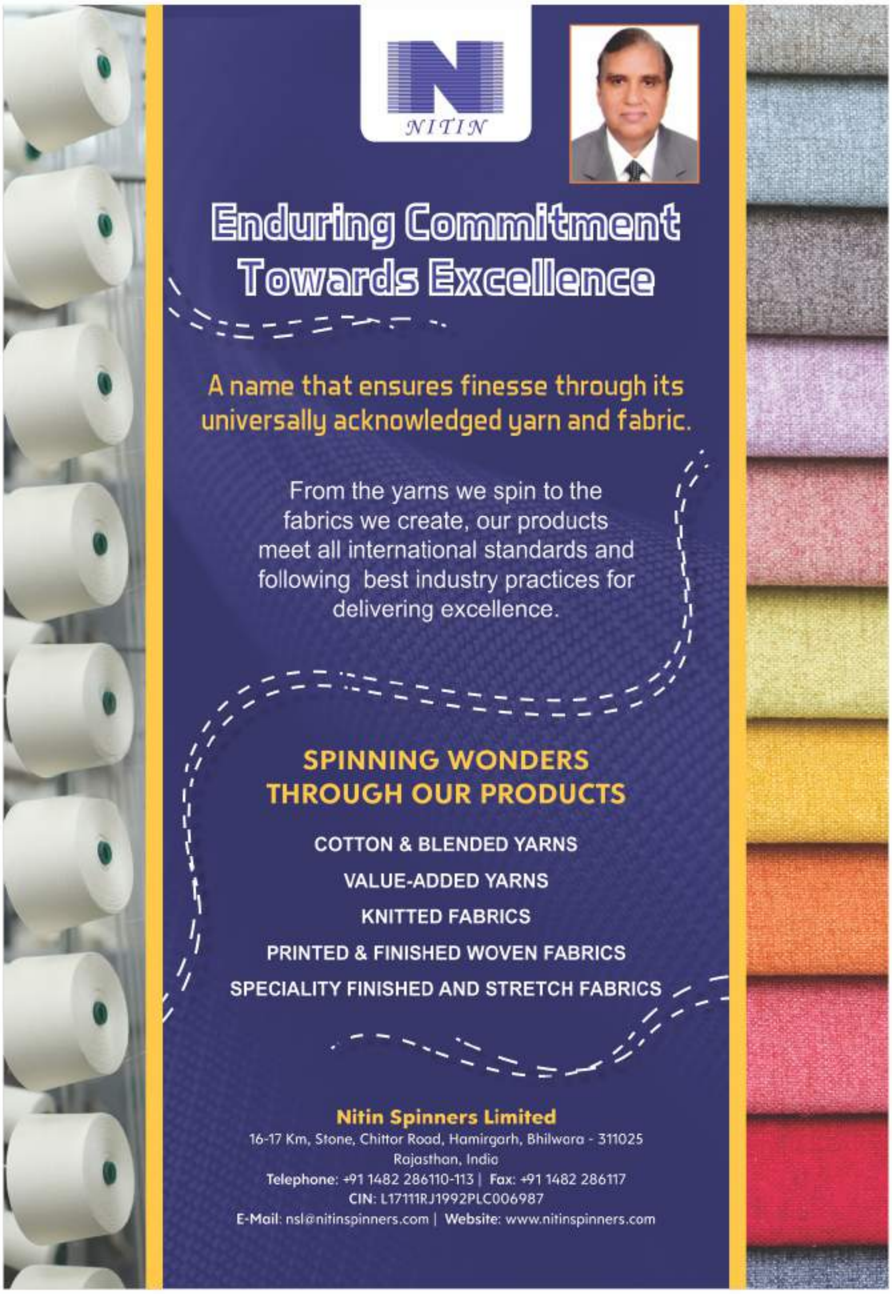

डेढ़ साल की कृति इंडिया बुक में

पटना। झारखंड बिहार माहेश्वरी सभा के संगठन मंत्री आदित्य मुंदड़ा की डेढ़ साल की दोहित्री एवम औरंगाबाद के डॉक्टर मिश्रीलाल तोषनीवाल की पोती कृति ने पूरे भारत वर्ष में सब से कम उम्र में गायत्री मंत्र का पाठ करने का कीर्तिमान अपने नाम किया। इसके लिये उसका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकाड्र्स में दर्ज किया गया। कृति, अदिति एवं महेश तोषनीवाल की सुपुत्री हैं। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

डॉ. भट्टड़ का अमेरिका में सम्मान

नांदेड़। डॉ. प्रज्ञा बृजमोहन भट्टड का स्वागत संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित और नंबर एक यूमास विश्वविद्यालय में अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी ट्रेनिंग फेलो (डीएम कार्डियोलॉजी के लिए) द्वारा किया जा रहा है। डॉ. मुंबई के ग्रांट गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करते हुए, प्रज्ञा ने 'इंटरनल मेडिसिन' की डिग्री परीक्षा में अमेरिका के शीर्ष दस छात्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। डॉ. प्रज्ञा, नांदेड़ के एक प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ बृजमोहन भट्टड और स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. पद्मा भट्टड की बेटी हैं और उनके बड़े भाई डॉ. वेणुगोपाल संयुक्त राज्य अमेरिका में हृदय रोग विशेषज्ञ, हृदय प्रत्यारोपण विशेषज्ञ के रूप में काम कर रहे हैं।

अनमोल बने प्रेसिडेंशियल स्कॉलर

पटना। दीपक एवं किरण काबरा के सुपुत्र अनमोल काबरा को मेरिल प्रेसिडेंशियल स्कॉलर के रूप में नामित किया गया है। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी अमेरिका, के 'सबसे उत्कृष्ट स्नातक वरिष्ठ' और उनका समर्थन करने वाले शिक्षकों के सम्मान में, कॉर्नेल के आठ स्नातक कॉलेजों के डीन द्वारा चुने गए मेरिल प्रेसिडेंशियल स्कॉलर 2020 के शीर्ष छात्रों में शामिल होने वाले अनमोल एकमात्र भारतीय छात्र हैं।

प्रखर को एमबीबीएस उपाधि

मन्दसौर। समाज सदस्य नन्दकिशोर-संगीता चिचानी के सुपुत्र-प्रखर चिचानी ने गवर्मेंट मेडिकल कालेज, जबलपुर से एम बी बी एस की उपाधि प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मयंक एमबीबीएस उत्तीर्ण

सनावद। नगर के प्रतिभाशाली विद्यार्थी मयंक माहेश्वरी ने एमबीबीएस अंतिम वर्ष की परीक्षा में सर्वाधिक अंक हासिल कर भोपाल के टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया है। वह अपनी सफलता का श्रेय माता कविता माहेश्वरी एवं पिता श्याम माहेश्वरी, ताऊजी ओमप्रकाश माहेश्वरी व बहन शेजल माहेश्वरी को देते हैं।

आरना की पुस्तक लोकार्पित

इंदौर। प्रतिष्ठित कोचिंग संचालक आशीष व श्रुति साबू की 12 वर्षीय सुपुत्री और प्रहलाद व प्रेमलता साबू की पोती एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष रामरतन मूंदड़ा भाटापारा की दोहिती भी आरना की आध्यात्म व विज्ञान के संबंध पर आधारित अंग्रेजी पुस्तक ''फर्स्ट स्टेप टू स्प्रिच्युलिटी'' प्रकाशित हुई है। उल्लेखनीय है कि आरना को विज्ञान पर आधारित अभिनव विचारों के लिये वर्ष 2020 में राज्य शासन की ओर से सम्मानित भी किया गया था। इस उपलब्धि पर सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पौधारोपण के साथ अनाज वितरण

अहमदाबाद। संगठन मंत्री विशाल लोहिया ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रबोध रावल वानप्रस्थाश्रम पर अहमदावाद माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा वृक्षारोपण और अनाज वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अहमदावाद माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष कौशल थीरानी, महामंत्री नीरज सोमाणी, कोषाध्यक्ष पुनीत पेरीवाल और गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष विकास मुदड़ा और संगठन मंत्री विकास चांडक सहित कमेटी के कई सदस्य उपस्थित थे।

शीतल जल घर का शुभारंभ

भीलवाड़ा। महेश नवमी के पावन पर्व पर श्री राम चेरिटेबल ट्रस्ट एवं श्रीमती शांता देवी पटवारी के सौजन्य से आश जी के बाग में शीतल जल घर का शुभारम्भ श्रीमती शांतादेवी पटवारी के करकमलों द्वारा किया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ उदयलाल समदानी, राकेश पटवारी, राजेश पटवारी, फूलचंद दरक, कैलाश अजमेरा, रामपाल लाठी, दिनेश पटवारी, चंद्रसिंह तोषनीवाल, किशन पटवारी, शिव तोषनीवाल, रतन तेली, अशोक शालवी सहित परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

यामिनी की पुस्तक का प्रकाशन

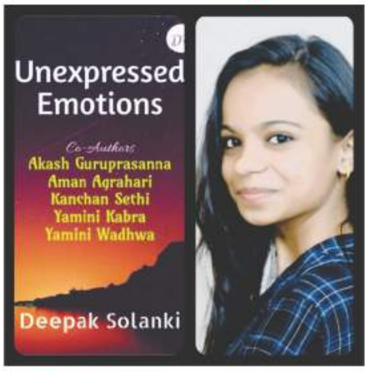

उज्जैन। कक्षा बारहवी में अध्ययनरत कुमारी यामिनी काबरा की छह पुस्तकों में उप संपादक के रूप में रचनाएँ प्रकाशित हुई है। इनमें क्रमशः अनएक्सप्रेस्ड् इमोशंस, पर्क्स ऑफ लाइफ, ख़्वाहिशें बिना हदों की, ग़ज़लांजली, वाओ एंथोलॉजी और इंडियन इमोशंस आदि शामिल हैं। इन्हें कलम क्रांति सम्मान से भी सम्मानित किया गया है। वे विभिन्न संस्था जैसे संस्कार भारती, मालवा साहित्य मंच, शब्द नगरी, साहित्यिक पटल तथा ग़ज़लांजली आदि में समय-समय पर प्रस्तुती भी देती रही हैं।

MALU ELECTRODES PVT. LTD.
An ISO 9001:2008 Certifed Company
Mangalam® HIGH-TIDE®

Head Office :
Neelkamal, 1249, Central Avenue
Nagpur - 440 002 (Maharashtra) INDIA.
Ph.: 91-712-2760873, 2767121.
Fax : +91- 712 2761315.
Email : info@maluelectrodes.com
Wed : www.maluelectrodes.com

Nagpur Works :
Plot No.: S-2, 3 & 4, MIDC Hingna,
Nagpur - 440 016. (Maharashtra) INDIA.
Ph.: 91-712-2730399, 2734895.
Fax : +91-712 2730719.
Email : info@maluelectrodes.com
Wed : www.maluelectrodes.com

Odisha Works :
Malu Electrodes Pvt. Ltd.
IDCO Plot No.1, Kholadwar Industrial Area,
Tah: Jatni, Dist. Khurda-752055 (Odisha) INDIA.
Ph.: 91-712-2730399, 2734895
Email : info@maluelectrodes.com
Wed : www.maluelectrodes.com

Registered Office :
Malu Electrodes Pvt. Ltd.
111, Ramkrishna Appt., Charoo Nagar Square,
Nagpur - 440 008. (Maharashtra) INDIA.
Ph.: 91 - 712-2730399, 2734895.
Fax : +91- 712 2730719.
Email : info@maluelectrodes.com
Wed : www.maluelectrodes.com

Haridwar Works :
Plot No.: 21-27, Sector 3-A,
SIDCUL, IIE, Haridwar - 249 401
(Uttarakhand) INDIA.
Ph.: 91-1334-239398, 323109..
Fax : +91-1334 239414.
Email : haridwar@maluelectrodes.com
Wed : www.maluelectrodes.com

Sikkim Works :
Malu Electrodes Pvt. Ltd.
4th Mile, Kamarey Bhasmey,
Rangpo Rorathang Road, Road, Post: Rangpo,
Dist. East Sikkim - 737132 (Sikkim) INDIA.
Ph.: 91-712-2730399, 2734895
Email : info@maluelectrodes.com
Wed : www.maluelectrodes.com

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाजजनों को

हार्दिक शुभकामनाएँ

सरला काबरा
अध्यक्ष,
माहेश्वरी महिला पत्रिका
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

कैलाश काबरा
उपाध्यक्ष,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा
पूर्वांचल

55, काबरा हाऊस बी.आर. फुकन रोड, गुवाहाटी (असम)
मो. 94350-12539, 94357-08017

नितिन स्पिनर्स को यार्न एक्सपोर्ट में स्वर्ण पदक

भीलवाड़ा। नितिन स्पिनर्स लिमिटेड भीलवाड़ा को प्रतिष्ठित कॉटन टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा कॉटन यार्न के एक्सपोर्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 50 काऊन्ट से अधिक कॉटन यार्न निर्यात के लिए स्वर्ण पदक अवार्ड एवं 50 काऊन्ट तक के कॉटन यार्न निर्यात में रजत पदक अवार्ड मिला है। नितिन स्पिनर्स ने वर्ष 2020-21 में 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा का एक्सपोर्ट किया। यह कॉटन यार्न के एक्सपोर्ट में देश की दूसरी सबसे बड़ी कम्पनी हो गई है। मुंबई में हुए टेक्सप्रोसिल एक्सपोर्ट अवार्ड के वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय वस्त्र उद्योग मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी द्वारा कम्पनी के चेयरमैन रतनलाल नौलखा को पदक देकर सम्मानित किया।

योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

बेंगलुरू। स्थानीय माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा संगठन बेंगलुरु द्वारा 11 दिवसीय योग स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ जिसमें पहले 3 दिन कोरोना से पीड़ित लोगों के लिए और कोरोना के बाद उन के साइड इफेक्ट के लिए जानकारियां और प्रशिक्षण दिया गया। बाकी दिन स्वस्थ जीवन के लिए योगाभ्यास, प्राणायाम और ध्यान का प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान के सान्निध्य में उनके प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। सभा अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया एवं युवा संगठन अध्यक्ष अरविंद लोहिया ने दीपप्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। आभार महिला मंडल सचिव विजयलक्ष्मी सारड़ा ने माना। सभा अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया एवं महिला मंडल अध्यक्षा कांता काबरा ने लोगों को संबोधित कर योग दिवस की शुभकामनाएं एवं योग को अपनाने का संदेश दिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के दिन इस कार्यक्रम का समापन हुआ।

खुश रहने के लिए बहुत कुछ 'कमाना' पड़ता है यह हमारी भूल है। वास्तविकता में खुश रहने के लिए बहुत कुछ 'त्यागना' पड़ता है।

एक परिवार एक पेड़ अभियान की शुरुआत

इंदौर। श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रूपेश भूतड़ा एवं मंत्री अनिल लड्ढा ने बताया कि स्किम नं.71 में स्थित देवी अहिल्या बगीचे में आयोजित समारोह में विधायक मालिनी गौड़ एवं जिला अध्यक्ष राजेश मुंगड के आतिथ्य में एक परिवार एक पेड़ अभियान की शुरुआत की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में माहेश्वरी जन सम्मिलित हुए एवं पौधारोपण किया। कैलाश जाजू एवं रजत लड्ढा ने बताया कि आज से की गई शुरुआत को संगठन वर्षा काल के दौरान तक लगातार चलाएगा। इस अवसर पर महेश तोतला, पुष्प माहेश्वरी बलदेव जाजु, महेश बल्दवा, महेश काकानी, विमल बांगड़, प्रदीप बाहेती, प्रदीप जाखेटिया, सुधीर तोषनीवाल, चेतन बियानी, श्याम भांगड़िया, आशीष बाहेती, नीलेश लखोटिया, अश्विन गिलड़ा, नीलेश भूतड़ा दिनेश सरडा, हर्ष राठी राजेश मूंदड़ा, विजय हुरकट सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

जन्मदिवस पर पौधारोपण

वर्धा। अजय राठी मित्र परिवार द्वारा श्रीमती दुर्गादेवी राठी का जन्मदिन वट पूर्णिमा के अवसर पर हरीकमल एग्रो फार्म इंजापूर में वट का पौधा लगाकर मनाया गया। हरीकमल अग्रो फार्म यह आक्सीजन पार्क वर्धा के प्रख्यात समाजसेवी अजय राठी की संकल्पना से साकार हो रहा है। सन 2019 से मित्र परिवार ने विभिन्न प्रजाती आम, नीम, पीपल, शमी, आंवला, वट, जाम और मिलिया डूलिया आदि के वृक्ष लगाकर उसका उचित संगोपन किया। इसके साथ ही आर्गेनिक खेती और औषधी वनस्पती की खेती को बढावा देते हुए हल्दी, अदरक, अश्वगंधा, सर्पगंधा गिलोय ग्वारपाठा, सहजन, मीठा नीम और नींबू का भी उत्पादन करने के प्रयास किये जा रहे है। अजय राठी, श्रीराम टावरी, सोहन राठी, अनिल केला, मनोज राठी, दिलीप मुंदडा, श्याम राठी, रोहित राठी, अमोल छाया, खुशबू एंव शिखा राठी एवं ग्रामवासियों ने कार्यक्रम में योगदान दिया।

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति पर्व महेश नवमी महोत्सव पर सभी बंधुओं एवं बहनों को

हार्दिक मंगलकामनाएँ

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

द्वादश सत्र 2020-22

माँ रत्नी देवी काबरा
सत्र संरक्षक

आशा माहेश्वरी
अध्यक्ष

मंजू बांगड़
महामंत्री

ज्योति राठी
कोषाध्यक्ष

शैला कलंत्री
संगठन मंत्री

मधु बाहेती
कार्यालय मंत्री

सम्माननीय पूर्व अध्यक्ष

सौ. कल्पना गगडानी
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष

सुशीला काबरा
पूर्व अध्यक्ष

शोभा सादानी
पूर्व अध्यक्ष

विमला देवी साबू
पूर्व अध्यक्ष

गीता मूंदड़ा
पूर्व अध्यक्ष

लता लाहोटी
पूर्व अध्यक्ष

मनोरमा लड्ढा
पूर्व अध्यक्ष

पूर्वांचल

मंजू कोठारी
उपाध्यक्ष

गिरिजा सारड़ा
संयुक्त मंत्री

पश्चिमांचल

ममता मोदानी
उपाध्यक्ष

सविता पटवारी
संयुक्त मंत्री

मध्यांचल

मंगल मर्दा
उपाध्यक्ष

उषा करवा
संयुक्त मंत्री

उत्तरांचल

किरण लड्ढा
उपाध्यक्ष

शशि नेवर
संयुक्त मंत्री

दक्षिणांचल

कलावती जाजू
उपाध्यक्ष

पुष्पा तोषनीवाल
संयुक्त मंत्री

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस

श्री महेश नवमी के अवसर पर

॥ हार्दिक शुभकामनाएं ॥

कृष्णगोपाल गट्टानी

पूर्व कार्यकारी मण्डल सदस्य - अ.भा. माहेश्वरी महासभा

श्रीमती कौशल्या गट्टानी

पूर्व कोषाध्यक्ष - अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

कोरोना काल में दी सेवा

भीलवाड़ा। कोरोनाकाल में कोरोना संक्रमण के कारण अनेक घरों में भोजन बनाने की समस्या खड़ी हो गयी। ऐसी स्थिति में अनेक संस्थाओं द्वारा तो भोजन के पैकेट जरूरतमंदों को वितरित किये गए ही परंतु समाजसेवी रूपलाल लाहोटी, उनकी पत्नी विमला देवी, पुत्र राघव व पुत्री राधिका द्वारा सुबह व शाम 15 से 20 टिफिन घर का शुद्ध सात्विक भोजन 21 दिन तक बनाकर अपने स्तर पर वितरित किया गया।

पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

सिरसा (हरियाणा)। समाजसेवी नरेश माहेश्वरी प्रधान माहेश्वरी सभा कालांवाली जिला सिरसा हरियाणा के नेतृत्व में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर महादेव नंदीशाला कालांवाली, बस स्टैंड कालांवाली पर पीपल के 4 पौधे लगाए गये। इसके साथ ही कोरोना से मृतकों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई।

अन्न सेवा का किया आयोजन

सिकंदराबाद। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष सुनीता मंत्री एवं मंडल की महामंत्री सुनीता आगीवाल ने बताया कि मिनिस्टर रोड स्थित सांइबाबा मंदिर के पास अन्न सेवा रखी गयी। तारा मोदानी एवं अर्चना मालानी ने बताया कि पूरी सावधानी के साथ सबको खाना खिलाया गया एवं आम बांटे गये। सुनीता बजाज, संतोष खंडलोया, शशी सारडा, कीर्ति मंत्री एवं जानकी मोदानी आदि ने योगदान दिया।

राठी परिवार ने किया पौधारोपण

नागदा। राठी परिवार द्वारा स्वर्गीय स्नेहलता राठी की स्मृति में हताईपालकी स्थित कमला कृषि फार्महाउस पर 51 पौधे लगाए गए। उल्लेखनीय है कि राठी परिवार द्वारा विगत कई वर्षों से पौधारोपण किया जा रहा है। इस मौके पर मुरली राठी, बंशीलाल राठी, नरेंद्र राठी, झमक राठी, प्रकाश राठी, मनोज राठी, प्रशांत राठी, अजय राठी एवम व्यापारीगण मौजूद थे।

॥ जय महेश ॥

श्री महेश नवमी पर सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

ममता मोदानी

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (पश्चिमांचल) अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

निदेशक : संगम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस

योग व ध्यान शिविर संपन्न

आकोला। माहेश्वरी समाज ट्रस्ट की ओर से महेश नवमी पर्व पर माहेश्वरी भवन में 15 से 20 जून तक योग शिक्षिका श्रृद्धा मोकाशी के मार्गदर्शन में 6 दिवसीय योग एवम् ध्यान शिविर का माहेश्वरी समाज के लिये झूम प्रणाली द्वारा आयोजन किया गया। शुभारम्भ माहेश्वरी महिला मंडल एवम् जिला माहेश्वरी महिला संगठन की सक्रिय कार्यकारिणी सदस्या संगीता नवलकिशोर अजमेरा के हाथों महेश भगवान की पूजा अर्चना करके दीप प्रज्जवलन से हुआ। समाज ट्रस्ट के प्रधानमन्त्री डॉ. संदीप चान्डक, सहायक मंत्री सुरेश मुंदडा, प्रगति मंडल के सागर लोहिया आदि भी उपस्थित थे। श्रीमती मोकाशी ने 7 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को स्वयं भवन में उपस्थित रहकर योग एवं ध्यान कराकर उसके फायदे भी बताये। कार्यक्रम का संचालन समाज ट्रस्ट के प्रधानमन्त्री डॉ. संदीप चान्डक ने किया एवम आभार प्रदर्शन सहायक मंत्री सुरेश मुंधडा ने किया। इस अवसर पर भवन में महेश नवमी उत्सव प्रमुख राजेंद्र चितलान्गे, रमेश बाहेती, जयप्रकाश अट्टल, अरुण कोठारी, अजय बियानी, संजय सारडा आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

विजेता प्रतिभागियों का किया सम्मान

भीलवाड़ा। श्री पुराना शहर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा वर्चुअल ऑनलाइन प्रतियोगिता में श्रेष्ठ रहे प्रतियोगियों को मंदिर की बगीची में प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समाज द्वारा दो वर्चुअल प्रतियोगिताएं भी रखी गई। इसमें तस्वीर सजाओ प्रतियोगिता एवं परिवार वेशभूषा प्रतियोगिता में पुराना क्षेत्र में निवास करने वाले समाज जनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजेताओं को सोशल डिस्टेंसिंग रखते हुए सादगीपूर्ण कार्यक्रम में पुरस्कारों से नवाजा गया। प्रतियोगिता का वर्चुअल रूप से व्हाट्सएप पर 8 निर्णायको ने निर्णय किया। सभी अतिथियो का भगवान महेश का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। अध्यक्ष कैलाश बाहेती ने बताया कि इस अवसर पर जगदीश प्रसाद कोगटा, रमेश राठी ,राकेश पटवारी, हरीश काबरा, प्रमोद डाड, कैलाश भदादा, रमेश बाहेती, विवेक समदानी, महावीर सांमरिया, संपत माहेश्वरी, मधुसुदन बहेड़िया आदि उपस्थित थे।

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाजजनों को

हार्दिक शुभकामनाएँ

पूर्वी मध्यप्रदेश प्रादेशिक

माहेश्वरी महिला संगठन

महेश नवमी के पावन पर्व पर कोरोना को हमारे जीवन से दूर करने की मंगल कामना करते हैं। भगवान महेश से प्रार्थना है कि हम सभी को स्वस्थ एवं सकुशल रहते हुये सकारात्मक सोच के साथ यह जंग लड़ने की शक्ति प्रदान करें। स्वयं को एवं अपने परिवार को सुरक्षित रखते हुए हमें संगठन को भी कोरोना के साथ आगे बढ़ाना है। पुनः आप सभी को महेश नवमी पर्व की अनन्त शुभकामनायें!

॥ जय महेश ॥

अनीता जांवदिया
(प्रदेश अध्यक्ष)

रंजना बाहेती
(प्रदेश सचिव)

महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक मंगलकामनाएँ
सब्सिडी उपलब्ध
ICAR
DBT BHARAT
CIAE
SLFMTTC
ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY
APPROVED
KPMC
कृषि बाज़ार
WWW.KPMC.WORLD
COMPANY OWNED & COMPANY OPERATED
POST HARVEST SOLUTIONS
TECHNOLOGICALLY ADVANCED
24X7 HELP DESK
COMPLETE AGRO SOLUTION
EASY LOAN FACILITY
KPMC के संचालित MBOs
(Multi Brand Outlets)
• इन्दौर • हरदा • होशंगाबाद • नरसिंगपुर • खंडवा
• खरगोन • धार • बड़वानी • उज्जैन
• सीहोर • देवास • शाजापुर • अशोक नगर
KPMC के आगामी MBOs
(Multi Brand Outlets)
• रतलाम • मंदसौर • नीमच • बरेली • ब्यावरा • भोपाल
• सागर • जबलपुर • ग्वालियर • गुना • शिवपुरी • श्योपुर कलां • झाबुआ
• बैतूल • दमोह • कटनी • छिंदवाड़ा • सिवनी • शहडोल • गंज बसोदा
सॉरटेक्स
पल्वराईज़र (मिनी आटा + मसाला प्लांट)
मिनी आटा + मसाला ग्राइंडर
ग्राइंडर मिक्सर
ऑईल सीड स्क्वीजर
ग्रेवी मशीन
आटा मिक्सींग
आधुनिक मशीनरी श्रृंखला के निर्माता
आधुनिक सीड ग्रेडिंग प्लांट
मिनी दाल मिल
अनाज / सीड ग्रेडर एवं क्लीनर
मेग्नेटिक सेपरेटर
मोबाईल – अनाज / सीड ग्रेडर एवं क्लीनर (पीटीओ ऑपरेटेड)
केपीएमसी टेक्नोलॉजी लिमिटेड, इन्दौर
WWW.KPMC.WORLD
88893 99966 / 77

प्याऊ का हुआ उद्घाटन

जालौर। जालौर शहर में रामस्वरूप जैथलिया एवं मातु शांतादेवी जैथलिया की पावन स्मृति में गत 14 जून को प्याऊ का उद्घाटन जिला कलेक्टर महोदया नम्रता तर्ष्णि के कर कमलों द्वारा जैथलिया परिवार के साथ फीता काट कर किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में चम्पालाल जीनगर उपखण्ड अधिकारी जालोर, प्रेमराज खन्ना परिवहन अधिकारी, मोहन पारासर, सचिव जालोर विकास समिति जालोर आदि भी उपस्थित थे। अतिथियों का सम्मान एन के जैथलिया व उनकी धर्मपत्नी रचना जैथलिया तथा संजय जैथलिया, कमल मुंदड़ा, कृष्ण कांत जैथलिया द्वारा किया गया।

महिलाओं ने किया पौधारोपण

उज्जैन। पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा महिला संगठन एवं युवा संगठन के संयुक्त आह्वान पर महेश नवमी पर्व के साप्ताहिक आयोजन के अंतर्गत वृहद पौधारोपण माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा किया गया। महिला मण्डल अध्यक्ष हेमलता गांधी एवं सचिव मनोरमा मंडोवरा ने बताया कि धरती को ऑक्सीजन से परिपूर्ण करने हेतु क्षीरसागर बगीचे में नीम, पीपल, बड़ तथा बिल्व पत्र के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर प्रदेश महिला संगठन अध्यक्ष वीणा सोमानी, मंत्री उषा सोडानी, शांता मंडोवरा, संगीता भूतड़ा, ज्योति राठी, सीमा परवाल, मनीषा राठी, सुमन पलौड़ आदि उपस्थित रहीं। कुछ पौधे मण्डल की दिवंगत सदस्यों की स्मृति में रोपकर उन्हें सही मायने में श्रद्धांजलि भी दी गई।

बुलडाणा अर्बन

को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लि., बुलडाणा मल्टिस्टेट रजि.नं. २६७

www.buldanaurban.in buldanaurban@rediffmail.com

ISO-9001 : 2000 एवंम SA 8000-2002 मानांकित

☎:(07262) 242705, 243705

संस्था का कार्यक्षेत्र - • महाराष्ट्र • राजस्थान • मध्यप्रदेश • छत्तीसगढ • गुजराथ • अंदमान-निकोबार

▪ संस्था की वर्तमान स्थिती ▪

कुल जमाराशी	९६०३ करोड
कुल ऋणराशी	७२८० करोड
कुल गोदाम	६००
कुल शाखा	४६५
कुल गोल्ड लोन	१९०० करोड
कुल सदस्य	७९८०००

कार्यालय :- सहकार सेतु, हुतात्मा गोरे पथ, बुलडाणा - ४४३ ००१ (म.रा.)

संस्था की योजनाए

- पुना में छात्रो के लिए छात्रानिवास
- उच्च शिक्षा लेनेवाले छात्रो के लिऐ विशेष ऋण योजना
- तिरुपती (आंध्रप्रदेश), माहुर एवं शिर्डी में भक्तनिवास
- बुलडाणा स्थित १२५ महिलाओं का छात्रानिकेतन
- ६०० वेअर हाऊस (ग्रेन बँक)
- बुलडाणा एवं मोर्शी गोरक्षण धाम
- बुलडाणा में वेदविद्यालय एवं जिवनसंध्या स्वर्गाश्रम

बुलडाणा अर्बन चॅरिटेबल द्वारा संचालित

सहकार विद्या मंदिर एवंम कनिष्ठ विज्ञान, वाणिज्य महाविद्यालय

विद्यानगरी, चिखली रोड, बुलडाणा - ४४३ ००१

AQSR ISO 9001-2000 Registered

www.sahakarvidyamandir.in

(07262) 244707, 245705

वर्ग १ से १२ (विज्ञान शाखा)

विशेषताए ▪

- बुलडाणा शहर से ५ कि.मी. अंतर पर प्रदुषण रहीत वातावरण में ३० एकर विशाल परिसर में अनोखी स्कुल.
- अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विशाल पुस्तकालय, पाठशाला, विशाल भोजन कक्ष, इंडोअर और आऊटडोअर स्टेडीयम और सुविधाओं से पुरिपुर्ण कॉम्प्युटर लॅब.
- पौष्टीक भोजन तथा स्वास्थ रक्षा.
- शिक्षा भ्रमण, आश्वारोहण, पर्वतरोहण, निशानेबाजी, स्विमिंग, कराटे, संगीत, तलवारबाज़ी और भी बहोत कुछ....
- स्कुल की कुल शाखाएँ २० :- बुलढाणा, जलगाँव(जा), पिपलगावराजा, मोतला, धामणगाँव बढे, डोंगरखंडाला, उंद्री, जानेफल, डोणगाँव, सुलतानपूर, बिबी, साखरखेर्डा, सिदखेडराजा, देवलगाँवराजा, देवलगाँव मही, धाड, वरवट बकाल, दानापूर (अकोला जिला), फतेपूर (जलगाँव जिला) पिपलगाँव काले.
- शाखाओं के कुल छात्र :- २८०००.
- छात्रावास :- छात्र एवंम् छात्राओं के लिए स्वतंत्र व्यवस्था. • बुलडाना जिल्हे में २० इग्लीश मिडीयम स्कुल जिसमें २५००० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते है ।
- मोशन क्लासेस कोटा (राजस्थान) के NEET / AIIMS / JEE / MHTCET / KVPY तथा Board Exam की ब्रांच बुलडाना में शुरु है ।

▪ विनित ▪

सौ. कोमल झंवर
अध्यक्षा, बुलडाणा अर्बन चॅरीटेबल सोसायटी,बुलडाणा

सहकार की समृध्द परंपरा ...... बुलडाणा अर्बन....!

राधेश्याम चांडक
अध्यक्ष, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

सहकार की समृध्द परंपरा ...... बुलडाणा अर्बन....!

डॉ. सुकेश झंवर
चिफ मॅनेजिंग डायरेक्टर, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

सहकार की समृध्द परंपरा ...... बुलडाणा अर्बन....!

होम गार्डन स्पर्धा का आयोजन

उज्जैन। अखिल भारतीय महिला संगठन की महिला अधिकार सशक्तिकरण समिति द्वारा आयोजित दादी नानी का पिटारा के एपिसोड हेतु पश्चिमी मध्य प्रदेश महिला संगठन की महिला अधिकार उत्थान सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति द्वारा वीडियो बनवाए गए थे जिसका टॉपिक था "होम गार्डन या किचन गार्डन"। इस टॉपिक के अंतर्गत 55 साल से बड़ी महिलाओं से वीडियो बनवाने थे जिसमें धार जिले की महिलाओं ने भी प्रस्तुति दी। सभी महिलाओं की प्रस्तुति बहुत सुंदर थी। इसमें प्रथम ज्योति झवर, द्वितीय रुकमणी लड्ढा व तृतीय विमला काबरा रहीं यह जानकारी अध्यक्ष सुलेखा माहेश्वरी, सचिव सावित्री छापरवाल आदि ने दी।

पर्यावरण दिवस पर पौधों का वितरण

निजामाबाद। प्रति वर्षानुसार इस बार भी निजामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ऑक्सीजन देने वाले पौधे जैसे कि तुलसी, एलोवेरा, स्नेक प्लांट, एरिका पाम, सॉन्ग ऑफ इंडिया, ड्रेसीना, पेट्रा आदि का वितरण किया। शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी जगदीश मूंदड़ा ने किया। जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष श्रीकांत झंवर ने स्वागत भाषण दिया। अतिथियों का स्वागत राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पवन मूंदड़ा एवं प्रादेशिक कोषाध्यक्ष मधुसूदन मालू द्वारा किया गया। संयोजक संदीप राठी ने उपस्थित सभी पदाधिकारी अध्यक्ष श्रीकांत झंवर, मंत्री अनुराग भांगड़िया, प्रादेशिक कोषाध्यक्ष मधुसूदन मालू, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पवन मूंदड़ा एवं उपस्थित सदस्यगण आकाश मोदानी, कौशल राठी, संजय हुरकट, अनिल मूंदड़ा एवं मंच संचालक गोविंद झंवर आदि के प्रति आभार प्रकट किया।

कौन कहता है, 'खामोशियाँ' खामोश होती हैं।
कभी खामोशियों को खामोशी से सुनो
खामोशियाँ वो कह देती हैं,
जिनकी लफ्ज़ों को तलाश होती है..!

ऑनलाईन प्रतियोगिता का किया आयोजन

भीलवाड़ा। श्रीनगर माहेश्वरी सभा एवं नगर माहेश्वरी महिला संस्थान भीलवाड़ा द्वारा 5 ऑनलाइन वर्चुअल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कोरोना काल के कारण घर बैठे प्रतियोगिता में भाग ले इनाम जीतो के तहत प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। सभा अध्यक्ष केदार जागेटिया ने बताया कि समाज द्वारा श्रेष्ठ रहे प्रतियोगियों को पारितोषिक के रूप में नगद पुरस्कार दिए जाएंगे। महिला संस्थान की भारती बाहेती ने बताया कि प्रतियोगिता में युवतियां, बच्चों, महिलाओं पुरुषों आदि ने ऑनलाइन व्हाट्सएप पर काफी उत्साह से भाग लिया। माहेश्वरी संस्थान की रीना डाड ने बताया कि सलाद सजाओ, गायन, केक एवं पुडिंग कुकीज, रंगोली सजावट एवं भगवान महेश की पूजा प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें समाज जनों ने काफी उत्साह से घर बैठकर इसका वीडियो बनाकर भाग लिया। सभी प्रथम द्वितीय व तृतीय वर्चुअल ऑनलाइन व्हाट्सएप प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतियोगियों को नगद पारितोषिक प्रदान किये गये।

कोविड वैक्सिनेशन शिविर संपन्न

ब्यावरा। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर के तत्वाधान में श्री माहेश्वरी सेवा संगठन व श्री माहेश्वरी महिला परिषद के सहयोग से समाज एवं आमजन हेतु निःशुल्क कोविड टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। मंत्री - दिलीप कुमार जाजू ने बताया कि शिविर का विधिवत उद्घाटन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि-पार्षद- वीना झंवर, प्रीति शर्मा, श्रीमाहेश्वरी पंचायत बोर्ड, ब्यावर अध्यक्ष व पार्षद विष्णुगोपाल हेड़ा एवं कार्यकारणी सदस्यों ने किया। संयोजक अमरचंद्र मूंदड़ा व महेश चितलांगिया ने बताया कि कार्यक्रम में अध्यक्ष-विष्णुगोपाल हेड़ा, सत्यनारायण तापड़िया, दिलीपकुमार जाजू, अमरचंद मूंदड़ा, महेश चितलांगिया, प्रवीण हेड़ा, प्रशांत भराडिया, सुशील झँवर आदि ने सेवा दी।

॥ महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ ॥

Dinesh Chandak
94136-49310

WWW.SUNCITYEVENTS.IN

suncity™

...Fireworks & Events...
Lights Sound Decor Discover
WE MASTER IN SPECIAL EFFECTS

Contact for : Grand Display of Colourful Fire Works
For Marriages, Parties, Films & Events

48, Stadium Shopping Center,
Behind Ansal Mall Girdhar Mandir Road
JODHPUR (Raj.) - 342001

Radheshyam Chandak
98290-47801

VSW

BIKE STUDIO
THE COMPLETE BIKE STORE

VANIA SPORTS WORLD

48, Stadium Shopping Centre,
Behind Ansal Mall
Girdhar Mandir Road,
JODHPUR (Raj.) - 342001

sportshopee@gmail.com

www.bikestudio.in

VIKAS CHANDAK
87699-88033

LKC WAREHOUSES, KHEENSAR (RAJ.)

कमल किशोर चाण्डक

ए-123, शास्त्रीनगर, जोधपुर मो. 9829028801

राठी की विधवा महिलाओं की मदद के लिए सराहनीय पहल

भीलवाड़ा। शहर में रहने वाले गोपाल राठी ने सराहनीय पहल की है। उनका पारिवारिक ट्रस्ट विधवा महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए की सहायता राशि उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने अजमेर और भीलवाड़ा जिले की माहेश्वरी समाज की 250 विधवा महिलाओं को सहायता राशि देने का लक्ष्य रखा है।

यह सहायता उद्योगपति श्री राठी ने का पारिवारिक ट्रस्ट श्री चंदनमल श्री गोपाल राठी चेरिटेबल ट्रस्ट उपलब्ध करा रहा है। भीलवाड़ा और अजमेर जिले में रहने वाली विधवा महिलाओं को यह सुविधा दी जा रही है। सहायता राशि प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में आवेदन आते हैं। आवेदक से नाम, स्थाई पता, मोबाइल नंबर, जन्म तारीख के साथ ही परिवार का विवरण, आधार कार्ड और बैंक खाते की डिटेल्स मांगी जाती है। आवेदन करने के हफ्ते भर के भीतर ही विधवा महिलाओं को सहायता राशि दे दी जाती है। जहाँ सरकारी कार्यालय के कई चक्कर लगाने पड़ते हैं, लेकिन श्रीगोपाल राठी महज 7 दिन में ही विधवाओं को सहायता राशि मुहैया करा रहे हैं। सहायता राशि देने में पारदर्शिता का ध्यान भी रखा जा रहा है। बैंक के जरिए राशि दी जाती है। मददगोपाल राठी ने बताया कि पारिवारिक ट्रस्ट के जरिए भीलवाड़ा और अजमेर जिले में विधवा महिलाओं को सहायता राशि उपलब्ध कराई जा रही है। हम एजुकेशन, स्कूल फीस में भी सहायता राशि उपलब्ध कराते हैं। अब तक 211 महिलाओं के आवेदन मिल चुके हैं। आगे जितने भी आवेदन आएंगे, उन सभी को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें प्रति परिवार एक हजार रुपये महिना की सहायता दी जाती है।

अमोघ को रजत पदक

जालना। मुंबई सायंस टीचर एसोसिएशन (GBSTA) द्वारा आयोजित महाराष्ट्र स्तर की डॉ. होमी भाभा बालवैज्ञानिक स्पर्धा (कक्षा 6) वर्ष 2020-21 में जालना के प्रतिष्ठित नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित एवं प्रतिष्ठित हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना काबरा के सुपुत्र अमोघ अमित काबरा ने रजत पदक प्राप्त किया है। अमोघ देवलगांव राजा के वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. अशोक एवं डॉ. अरुणा काबरा के सुपौत्र तथा जालना माहेश्वरी समाज के भूतपूर्व अध्यक्ष हरिकिशन मुंडडा के दौहित्र हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. होमी भाभा बाल वैज्ञानिक स्पर्धा तीन चरणों में होती है। प्रथम चरण की परीक्षा में इस साल पूर्ण महाराष्ट्र के छठी एवं नौवी कक्षा के करीब पच्चीस हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया था।

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं

राजकुमार काल्या
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन

सुमित काल्या
अध्यक्ष
नगरपालिका गुलाबपुरा

Realistic

Life Time Satisfaction

• Explosives • Real Estate • Mining • Finance • Agro Farming • Media

Station Road, Gulabpura –311021, Distt. Bhilwara (Raj.) Ph. No. +91 1483 224203/04, rajkumarkalya@yahoo.com
Bhilwara office: 3, Heera-Panna Market, Pur Road, Bhilwara. 311001 (Raj.) Ph. No. 246004

एक माह तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

पटना। सर्व हितायः सर्व सुखायः की भावना को समाहित करते हुए झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा, महिला व युवा संगठन ने सामूहिक रूप से संगठन मंत्री आदित्य मुंदड़ा के नेतृत्व में लगातार एक महीने प्रत्येक रविवार को एक से बढ़ कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम जूम प्लेटफॉर्म पर आयोजित किये। इन कार्यक्रमों का मूल उद्देश्य लगातार बोझिल, उबाऊ, व्यथित जीवन शैली से निकल मनोरंजक व सकारात्मक मनःस्थिति के साथ कोरोना से पूरे समाज को दूर रखना था। इन कार्यक्रमों मे हर उम्र के बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं ने उल्लास के साथ भाग लिया। 19 जून को महेश नवमी की पूजा भी विशिष्ठ व अनोखे अंदाज में की गयी। पूरे प्रदेश को जोड़ते हुए प्रदेश की प्रत्येक शाखाओं से महेश पूजन हेतु पूजा सामग्री की थाल जमशेदपुर भेजी गयी। प्रदेश अध्यक्ष छीतरमल धूत, प्रदेश मंत्री महेश लखोटिया, प्रदेश महिला अध्यक्षा प्रमिला आगीवाल, प्रदेश मंत्राणी उषा बागड़ी व प्रदेश युवा उपाध्यक्ष बासुदेव धूत ने समस्त शाखाओं से आयी पूजा सामग्रियां प्राप्त की।

महेश नवमी पर पौधोपण

चंद्रपुर। महेश नवमी के उपलक्ष्य में सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए माहेश्वरी सेवा समिति चंद्रपुर द्वारा 20 जून 2021 को चांदा क्लब ग्राउंड तथा न्यू इंग्लिश ग्राउंड परिसर में पौधारोपण किया गया। प्रमुख अतिथि के रूप में लायंस इंटरनेशनल के भूतपूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर शैलेश बागला उपस्थित थे। कार्यक्रम में माहेश्वरी सेवा समिति के अध्यक्ष सी.ए. दामोदर सारडा, सचिव सुरेश राठी के साथ माहेश्वरी समाज के जिला अध्यक्ष डॉ सुशील मूंदड़ा, सचिव शिव सारडा, माहेश्वरी जिला महिला अध्यक्षा दुर्गादेवी सारडा, सचिव राधिका मूंदड़ा, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्षा सुचिता राठी, शीला डालिया, किरण चांडक, सुनीता सोमानी, अलका चांडक आदि उपस्थित थे।

योग दिवस पर ऑनलाईन कथक योगा

सीहोर। सरस्वती कथक (डांस) कला केन्द्र की संचालिका रुपाली सोनी विगत 5 वर्षों से शहर की बालिकाओं एवं महिलाओं को नृत्य की शिक्षा देकर उन्हें कला के क्षेत्र में नृत्य, गरबा आदि में विभिन्न मंच उपलब्ध कराकर आगे बढ़ा रही हैं। इसी क्रम में विश्व योग दिवस एवं विश्व संगीत दिवस -2021 को सामूहिक रूप से मनाते हुए उन्होंने ऑनलाइन कथक योगा के माध्यम से मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के गुर बताये। रुपाली बताती हैं कि ज़िंदगी ताउम्र सिखाना बंद नहीं करती, इसलिए हमें सीखते रहने की अपनी आदत कभी नहीं छोड़नी चाहिए। योग को नृत्य के साथ किया जाए तो आज के समय में किसी को जिम जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

फूक मारकर हम दीपक को बूझा सकते है,
मगर अगरबत्ती को नही क्यो की,
जो महकता हैं उसे कौन बुझा सकता है,
और जो जलता है वह स्वयं बूझ जाता है....!!

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। महेश नवमी के पावन अवसर पर कोरोना महामारी से दिवंगत सभी माहेश्वरी पुण्यात्माओं की पुण्यस्मृति में श्री नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा के तत्वावधान में शास्त्रीनगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा द्वारा 13 जून को महेश सेवा संस्थान शास्त्री नगर में रामस्नेही चिकित्सालय के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष संजय जागेटिया ने बताया कि उसमें कोरोना के समय ब्लड बैंकों में रक्त की कमी के कारण कोरोना गाइड लाइन की पालना करते हुए रक्तदान कराने का प्रयास किया गया। संस्था सचिव राजेंद्र तोषनीवाल ने बताया कि राजस्थान प्रदेश माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, शास्त्रीनगर माहेश्वरी सभा के संरक्षक कृष्णगोपाल तोषनीवाल, अध्यक्ष संजय जागेटिया व महिला मंडल की अध्यक्षा सुनीता झंवर, पूर्व सभापति मधु जाजू, भीलवाड़ा माहेश्वरी जिलासभा के सदस्य रामेश्वर तोषनीवाल ने भगवान महेश के समक्ष दीपप्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शिविर प्रभारी शीतल सोडानी ने बताया कि शिविर का समापन दोपहर 2 बजे तक 74 यूनिट रक्तदान से हुआ।

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

ECOVIS®

RKCA ADVISORS LIMITED

(An Affiliation with Ecovis International having offices in 65 countries)

SERVICE OFFERINGS

Growth and Tax Advisory

Risk and Financial Consulting

Accounting and Legal Services

Management and Marketing

OUR PRESENCE

Mumbai | Vashi | Powai | Ahmedabad | Chennai | Delhi | Hyderabad | Indore | Kolkata

OUR GROUP COMPANIES

RKCA XAT Consulting Pvt. Ltd.
Far East Advisory

RKCA Law Associates
Legal & Compliance

BM TRADA RKCA Certifications
Process Consulting

PCG RKCA Management & Financial Services Pvt. Ltd
Personal Consulting Group - M&A Support

Goldberries Technologies
Tech Enabled

UICommons Academy India Private Limited
A Joint Venture with Japan

INTERNATIONAL JV/PARTNERS

Exova BM TRADA
ISO Certifications

MARCUM
USA Accounting Partners

Core Creators
Growth Consulting

ECOVIS
European Network

GoGetterz
EduTech Entrepreneurship

Those who want to join us, GET IN TOUCH

Admin Office: C-1903, Kailas Business Park, Off Hiranandani, Powai (Vikhroli West), Mumbai - 400 076
Head Office: 809, Tulsiani Chambers, Nariman Point, Mumbai 400 021 (INDIA)
Tel. +91 22 2204 4737, Email: enquiry@rkca.net

7वें विश्व योग दिवस का आयोजन

अहमदाबाद। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व दिवस की प्रातःकालीन बेला में अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन और अहमदाबाद माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा ऑनलाइन योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात माहेश्वरी समाज के अग्रणी किशन चांडक, राजेन्द्र पेरिवाल, अल्पेश माहेश्वरी, अहमदाबाद माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष कौशल थिरानी, दिलीप पोरवाल ने शिरकत कर योग प्राणायाम कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के संयोजक मनीष चांडक और मयंक बागड़ी ने सभी का शाब्दिक आभार प्रकट किया।

रक्तदान शिविर का किया आयोजन

अहमदाबाद। कोरोना महामारी के कारण चिकित्सा में खपत के कारण ब्लड बैंक में ब्लड की भारी कमी हो गई थी। अतः महेश नवमी और विश्व रक्तदान दिवस के उपलक्ष में माहेश्वरी युवा सगंठन, अहमदाबाद के तत्वावधान में इस कमी को दूर करने के लिये रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष दिलीप पोरवाल व मंत्री कन्हैया मूंदड़ा ने बताया कि कोरोना गाइडलाइन की पालना करते हुए समाजजनों ने इसमें उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। रक्तदानदान शिविर में कुल 97 यूनिट का रक्तदान प्राप्त हुआ।

आज वही कल है,
जिस कल की फिक्र,
तुम्हे कल थी।

साहित्य विशेषांक पत्रिका का विमोचन

जोधपुर। समाज पत्रिका माहेश्वरी एकता के साहित्यकार विशेषांक का विमोचन पूर्व संभागायुक्त रतन लाहोटी, प्रधान संपादक राजेश गिलड़ा, साहित्यकार हरिप्रकाश राठी, स्वाति जैसलमेरिया, डॉ. सूरज माहेश्वरी के आतिथ्य में आयोजित समारोह में सम्पन्न हुआ। श्री लाहोटी ने साहित्य को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आज की बड़ी जरूरत बताई। हरिप्रकाश राठी ने कहा समाजिक पत्रिकाएं समाज का आईना होती है। इनको सहेजना जरूरी हैं। स्वाति जैसलमेरिया ने पत्रिका को उपलब्धि बताते हुए कहा कि आज समाज के लोग हर क्षेत्र में काबिलियत के जरिये समाज सेवा में तत्पर हैं। डॉ. सूरज माहेश्वरी ने विशेषांक का परिचय देते हुए किए गए कार्यों की जानकारी दी।

रिश्तों की सम्पदा पर आयोजित हुआ वेबीनार

इंदौर। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, महिला संगठन व युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में द्वितीय दिवस को महेश नवमी के पर्व पर ''आपदा की विपदा रिश्तो की संपदा'' विषय पर वेबीनार का आयोजन झूम सभागृह में किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के मंच आमंत्रण के साथ प्रदेश सचिव उषा सोडानी ने किया। स्वागत उद्बोधन प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी ने दिया। वेबीनार को पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा व वर्तमान राष्ट्रीय संगठन मंत्री शैला कलंत्री ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी (मुंबई) थी। जिन्होंने अपनी प्रखर व ओजस्वी वाणी से इस आपदा के समय को रिश्तो की संपदा में कैसे बदलें इस पर अपने विचार रखें। इस अवसर पर प्रदेश सभा के मानद मंत्री अजय झंवर कार्यक्रम समन्वयक व संयोजक ईश्वर बाहेती, भरत तोतला, उर्मिला झंवर, अंकित अजमेरा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

With Best Compliments from...

Sri Arun Laddha
Director

JRL GROUP
Creating Wealth
Preserving Values

Sri Jodh Raj Laddha
Chairman

J. R. Laddha Financial Services Pvt. Ltd.

The Trusted Corporate Financial Advisor For Last Four Decades

- Wealth Management
- Corporate Finance
- Investment Banking

Our focus has always been on twin aspects of preserving Values in business and creating wealth for our customers.

Corporate Office

5th Floor, Nehru Center, Worli, Dr. Annie Basant Road, Mumbai - 400 018
Ph.:(022) 4025 9000 Fax: +91 22 4025 9001

Registered Office

"Everest House", 8th Floor, 46C, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata 700 071 Ph.:(033) 2288 2990/91/93 Fax: +91 33 2288 2994

BRANCH OFFICE : NEW DELHI

info@jrladdha.in • www.jrladdha.in

कहते हैं कि सच्चा व्यवसायी वह है, जो मिट्टी को भी अपनी व्यावसायिक सोच से ''सोना'' बना सकता है। इन्हीं पंक्ति को चरितार्थ कर रहे हैं, चैन्नई निवासी विदुर माहेश्वरी। उन्होंने चाय के आऊटलेट जैसे छोटे से व्यवसाय को अपनी सूझबूझ से ऐसा कॉर्पोरेट लूक दिया कि उनका स्टार्टअप ''चाय वाले'' सफलता के शिखर की ओर बढ़ने लगा।

टीम SMT

शिखर यात्रा की ओर ''चाय वाले''

विदुर माहेश्वरी

''चाय वाले'' ये शब्द सुनते ही हमारे अंदर एक अत्यंत सामान्य सोच उत्पन्न होती है, लेकिन यहाँ हम जिस ''चाय वाले'' का जिक्र कर रहे हैं, वह किसी गुमटी या छोटी सी दुकान से चाय की बिक्री करने वाला अदना सा चाय वाला नहीं बल्कि वह उच्च व्यावसायिक सोच रखने वाला व्यवसायी है, जिसने इस शब्द को ही विशिष्ट प्रतिष्ठा दे दी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद संभवतः चैन्नई निवासी विदुर माहेश्वरी ही एक ऐसे शख्स हैं, जिन्होंने इस शब्द को प्रतिष्ठित किया है। बस अन्तर यह है कि मोदीजी ने राह बदलकर इसे अपनी पहचान के रूप में प्रतिष्ठा दी तो विदुर ने इस सम्पूर्ण राह ''चाय वाले'' को ही प्रतिष्ठित बना दिया।

विशिष्ट सोच ने दिखाई राह

विदुर का जन्म 11 जून 1994 को चैन्नई में ख्यात व्यवसायी नारायण व राजश्री माहेश्वरी (राठी) के यहाँ हुआ था। विदुर बिकानेर के ख्यात समाजसेवी स्व. श्री बृजमोहनलाल राठी के सुपौत्र हैं। बचपन से ही उन्हें व्यावसायिक सोच संस्कारों के रूप में प्राप्त हुई। पिताजी स्टील तथा इन्वेस्टमेंट व फायनेंस के व्यवसाय से संबंधित थे। ऐसे में बचपन से ही विशिष्ट व्यावसायिक सोच उत्पन्न होती गई जिसे उच्च शिक्षा ने पंख लगा दिये। बचपन से ही बहुमुखी प्रतिभा के धनी रहे है वर्ष 2012 में CBSC की 12वीं की परिक्षा में 96% प्रतिशत मार्कस् लाकर विशिष्ट स्थान बनाया। विदुर ने लंदन के प्रतिष्ठित किंग्स कॉलेज से बिजनेस मैनेजमेंट में स्नातक उपाधि पूर्ण कर फिर हार्वर्ड युनिवर्सिटी से एडवांस कोर्स पूर्ण किया।

एक नयी सोच से उत्पन्न ''चाय वाला''

उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद विदुर के पास अपना पैतृक रूप से सुस्थापित व्यवसाय सम्भाल कर आराम से जीवनयापन करने का अवसर था लेकिन वे कुछ नया करना चाहते थे। इसी सोच ने उन्हें व्यवसाय के नये क्षेत्र खोजने की प्रेरणा दी। आमतौर पर ''चाय वाले'' शब्द सुनते ही सोच बनती है कि रोड के आसपास लगी छोटी-छोटी चाय की दुकान या फिर आधुनिकतम कैफे। विदुर ने पाया कि इन दोनों व्यवसायों में मुनाफा अच्छा है लेकिन ये संगठित व्यवसाय न होने से शिखर को नहीं छू पाये। बस इसी सोच ने ब्रेवरेज व्यवसाय में ''क्वीक सर्विस रेस्टोरेंट (QSR)'' की स्थापना की प्रेरणा दी। इस सोच के साथ उन्होंने वर्ष 2018 में अपने स्टार्टअप ''चाय वाले'' की शुरुआत की।

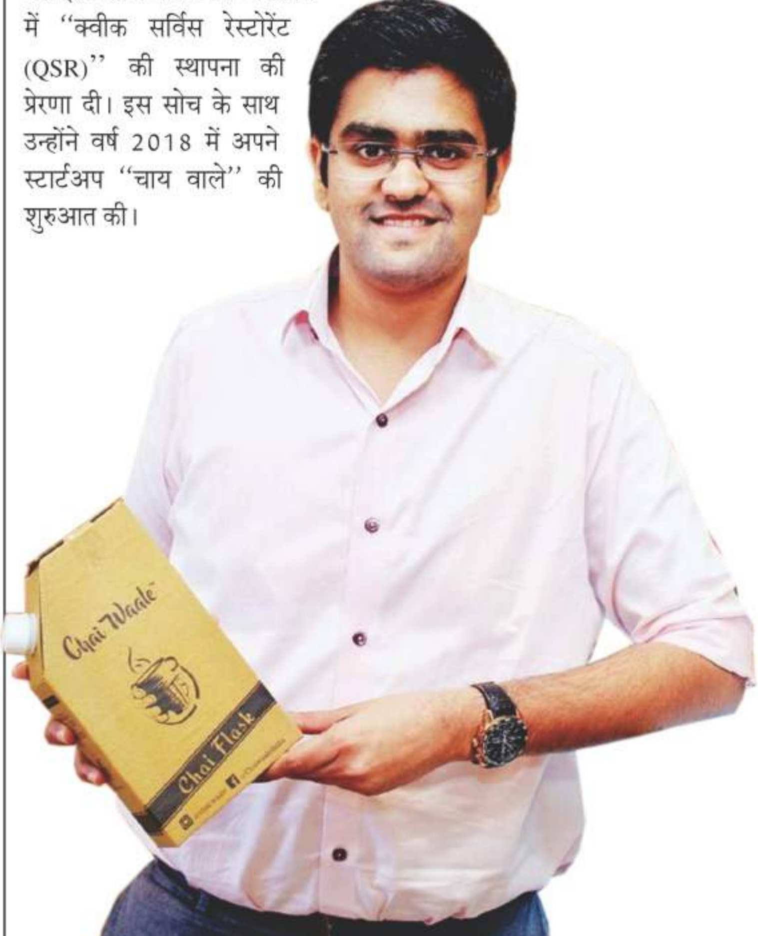

ऐसे पायी शिखर की सफलता

वास्तव में देखा जाऐ तो विदुर की सोच बिल्कुल नयी तो थी लेकिन इसके साथ अत्यंत चुनौतीपूर्ण भी थी। कारण यह था इसके लिये मार्केट पहले से तैयार नहीं था। विदुर ने इस चुनौती के लिए सबसे पहले अपने आपको तैयार किया। उन्होंने प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य व उच्च गुणवत्ता तथा त्वरित सेवा की सोच बनायी। इसके लिये अपने चार सफलता के सूत्र तय किये, प्रथम ग्राहकों का संतुष्टीकरण, दूसरा उचित प्रबंधन व टीमवर्क, तृतीय वेन्डर जो कच्चा माल उपलब्ध कराते है तथा चतुर्थ निवेशक जिनके सहयोग व विश्वास से तेजी से उन्नति की जा सकें। इस सोच के साथ वर्ष 2018 में चैन्नई के महत्वपूर्ण स्थानों का चयन कर वहाँ आऊटलेट्स की शुरुआत की गई। इसमें सिगनेचर ड्रिंक ''चेयरमेन्स स्पेशल'' रखा गया। चाय के साथ नाश्ते की भी व्यवस्था उपलब्ध है। हर आऊटलेट की बिक्री शीघ्र ही 1300-1500 कप प्रतिदिन तक पहुंच गई। चाय ऑन व्हील एक नया प्रयास है जो कि शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है। लोगों की मांग पर वैरायटी राईस दोपहर भोज (लंच) भी शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है।

कोविड-19 बना परीक्षक

कोविड-19 कई व्यवसायियों के लिए ऐसा परीक्षक बनकर सामने आया जिसने उनके व्यवसायों की कमियों को दूर करके रख दिया। विदुर ने कोविड की प्रथम लहर के ठीक पूर्व ही इसकी शुरूआत की थी। ऐसे में उनके लिये भी कोविड महामारी किसी चुनौती से कम नहीं थी। इसी प्रथम लहर के दौरान ही कई व्यवसाय धरातल पर आ गये थे। ऐसे में भी विदुर का ''चाय वाले'' सतत रूप से सफलता के शिविर को छुता ही चला गया। कुछ गिने चुने आऊटलेट्स से प्रारम्भ यह व्यवसाय 24 माह में 14 से अधिक आऊटलेट्स तक जा पहुँचा। 5 और आऊटलेट्स तो अभी प्रारम्भ होने ही वाले हैं। उनका लक्ष्य मार्च 2023 तक 40-45 आऊटलेट्स चैन्नई में पहुँचाने का है। दूसरा लक्ष्य सन् 2027-2028 तक सम्पूर्ण भारत में आऊटलेटस् खोलने का है। साथ ही 2032-2033 तक भारत से बाहर विदेशों में भी आऊटलेटस् खोलने की योजना है।

निवेशकों ने भी सराहा

विदुर का स्टार्टअप ''चाय वाले'' उनकी कितनी सुलझी हुई सोच का नतीजा है, इसका प्रमाण हम इसी से लगा सकते हैं कि उनकी इस कम्पनी को वर्ष 2020 मई में 1.75 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हो चुका है। ''चाय वाले'' को फंडिंग करने वाले में प्रमुख रूप से ''एंजेल इन्वेस्टर्स'' नामक ग्रुप है, तथा साथ ही देश के कई ख्यात निवेशक भी शामिल हैं। वर्ष 2021 जून में उन्हें लगभग एक मिलियन डालर (7.5 करोड़ रूपये) का निवेश प्राप्त होने वाला है। दक्षिण भारतीय सुपरस्टार नयनतारा ने भी उन्हें समर्थन दिया है।

सम्पर्क- विदुर माहेश्वरी ✉vidhurrathi@chaiwaale.co.in

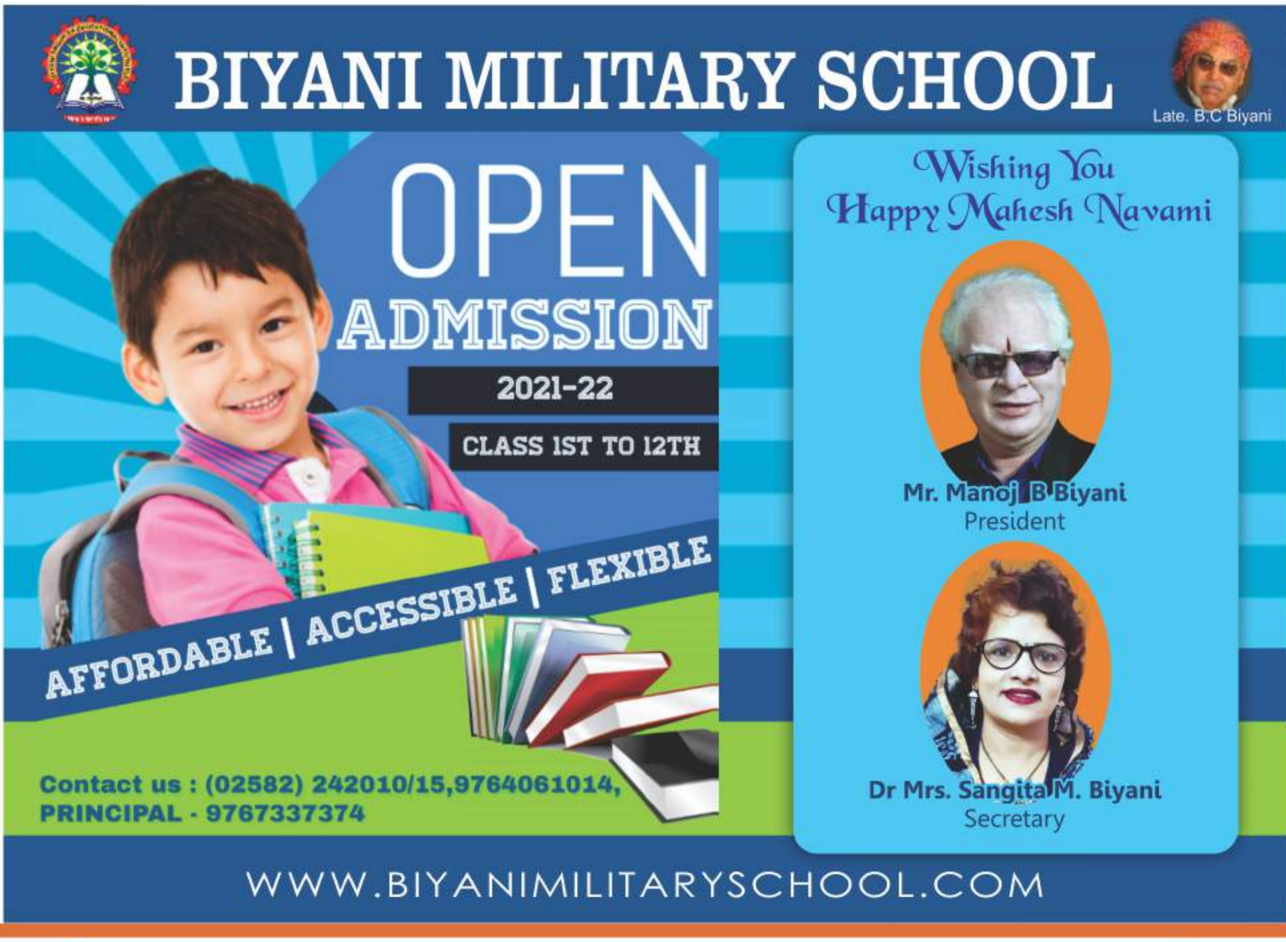

माहेश्वरी समाज अपनी सेवा परम्परा अनुसार वर्तमान में कोरोना महामारी के दौर में भी मानवता की सेवा में योगदान दे रहा है। इसी शृंखला में NEET व JEE जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी करवाने में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाली कोटा की संस्था एलन कैरियर इंस्टीट्यूट भी मानवता की सेवा में आगे आई है। इसके अंतर्गत एलन परिवार कोविड प्रभावित जरूरतमंद परिवारों के विद्यार्थियों को मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग देगा। इतना ही नहीं संस्था ने विद्यार्थियों की मदद के लिए ५० लाख रुपए का राहत कोष भी स्थापित किया है।

कोरोना दौर में मानव सेवा की मिसाल बना 'एलन'

ALLEN CAREER INSTITUTE KOTA (RAJASTHAN)
path to success

माहेश्वरी समाज मानवता की सेवा में किस तरह सदैव आगे रहता है, इसकी मिसाल देश के कोने-कोने में मिल जाती है। इसी श्रृंखला में देश के शिक्षा जगत में एक शीर्ष नाम बन चुके, मानधना परिवार द्वारा संचालित 'एलन' इंस्टीट्यूट भी हमेशा अपना योगदान देता रहा है। कोरोना महामारी के इस भयानक दौर में आमजन की मदद के लिए एलन परिवार ने चिकित्सा विभाग के साथ मिलकर एक आदर्श 250 बैडेड कोविड केयर सेंटर कोटा में संचालित किया। इतना ही नहीं, कोरोना महामारी से प्रभावित जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा देने के साथ ही उनकी मदद के लिये एलन ने 50 लाख रूपये की राशि से एक राहत कोष भी स्थापित किया है।

प्रशासन की मदद में भी आगे आया

कोटा का एलन मानधना परिवार समाज सेवा में सदैव अग्रणी रहा है। विद्यार्थियों का कॅरियर बनाने की बात हो या विपरीत समय में आमजन के साथ खड़े होने की, एलन मानधना परिवार ने सदैव साथ निभाया है। कोविड संक्रमण के भयावह दौर में भी एलन मानधना परिवार ने मानवता की सेवा में नई मिसाल पेश की है। संस्कार से सेवा तक को चरितार्थ करते हुए परमार्थ में श्रेष्ठ कार्य किया है। कोटा में जब चिकित्सा व्यवस्थाएं चरमराई तो एलन मानधना परिवार आगे आया और जिला प्रशासन व चिकित्सा विभाग के साथ मिलकर 30 अप्रैल से 26 मई तक 250 बैड का देश का आदर्श कोविड केयर सेंटर कोटा यूनिवर्सिटी में संचालित किया गया। परिवार की माता श्रीमती कृष्णादेवी माहेश्वरी के मार्गदर्शन से परिवार के अग्रज गोविन्द माहेश्वरी व राजेश माहेश्वरी के निर्देशन में अनुज बृजेश माहेश्वरी के साथ नवीन माहेश्वरी ने सामाजिक सरोकारों का यह बीड़ा उठाया हुआ है।

मदद के लिये तन-मन-धन से सहयोग

एलन परिवार द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के आह्वान पर कोरोना प्रभावित अभावग्रस्त परिवारों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को मेडिकल व इंजीनियरिंग की कोचिंग निःशुल्क देने की घोषणा की गई। इसके लिए 50 लाख रुपए का अतिरिक्त कोष भी स्थापित किया गया। इन विद्यार्थियों के रहने व खाने की व्यवस्था के लिए भी एलन परिवार द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। 250 बैड के कोविड केयर सेंटर में कोटा ही नहीं वरन हाड़ौती और आस-पास के जिले के लोगों को भी जीवन देने का हर संभव प्रयास किया। इस कोविड केयर सेंटर में संक्रमित मरीजों के बीच 27 दिनों तक एलन स्टूडेंट वेलफेयर सोसायटी के माध्यम से एलन परिवार से जुड़े 70 सदस्यों ने दिन-रात सेवाएं दी। प्रयासों के परिणाम अच्छे रहे और धीरे-धीरे मरीजों की संख्या कम होने लगी। अंतिम दिन मरीजों को सभी चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और एलन टीम द्वारा तालियां बजाकर विदा किया गया। इसके साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आह्वान पर एलन

परिवार द्वारा युवाओं के वैक्सीनेशन के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 लाख रुपए की मदद दी। एलन परिवार की मदद का सिलसिला आगे भी जारी है। कोटा ही नहीं वरन आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी दवाइयां व चिकित्सा संसाधन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

सुबह योगा, शाम को आरती

कोविड केयर सेंटर में मरीजों की स्वस्थता के लिए सकारात्मक ऊर्जा देने के प्रयास किए गए। यहां नियमित रूप से सुबह मरीजों व परिजनों को संगीतमय भजनों के साथ योगा करवाया गया। शाम को आरती करवाई गई ताकि सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सके। इसके साथ ही मनोरंजन व प्रेरक वचनों के लिए हर वार्ड में एलईडी लगाई गई। मरीजों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना को लेकर हवन भी करवाया गया।

रोगियों को पौष्टिक आहार

एलन के निदेशक नवीन माहेश्वरी की अगुवाई में मरीजों को बेहतर माहौल दिया गया। मरीजों को पौष्टिक व चिकित्सकों की सलाह के अनुरूप दोपहर व रात को भोजन दिया। मरीज के साथ परिजनों को भी भोजन वितरण किया। सुबह व शाम को चाय के साथ बिस्किट व नमकीन के अलावा दोपहर में फल तथा रात को भोजन के बाद दूध भी वितरित किया गया।

मानवता की सेवा का अवसर

यह एलन परिवार का सौभाग्य है कि मानवता की सेवा का अवसर मिला। कोविड केयर सेंटर संचालित कर विपरीत समय में जीवन बचाने में सहयोग कर सके। इसके साथ ही कोरोना से प्रभावित ऐसे परिवार के बच्चे जो माता-पिता को खो चुके हैं या परिवार में कमाने वाले नहीं रहे, उन्हें भी निशुल्क शिक्षा दी जाएगी। इसके अलावा जहां भी, जिस भी प्रकार की मदद की जरूरत होगी, एलन परिवार सदैव तत्पर रहेगा।

- **गोविन्द माहेश्वरी**, एलन मानधना परिवार, कोटा

With Best Compliments From

Sacchindanand L. Malani

Kelkar Wadi
Murtizapur - 444107
Phone : 07256-243513
Mobile : 9422162213 / 8600047213
email : office.slmalani@gmail.com

SPECIALITY IN ASPHALTING OF ROADS & EARTHEN DAMS

सपने तो सभी देखते हैं, बस सच उन्हीं के होते हैं, जिनमें उन्हें सच करने का हौंसला होता है। इन्हीं पंक्तियों को चरितार्थ कर रही हैं, चित्तौडगढ़ निवासी 20 वर्षीय अक्षी पुंगलिया, जो समाज की सबसे कम उम्र पायलट तो बनी ही हैं, साथ ही चित्तौड़गढ़ जिले को यह उपलब्धि दिलाने वाली पहली बेटी भी हैं।

सबसे कम उम्र में पायलट बनी अक्षी पुंगलिया

टीम SMT

चित्तौड़गढ़ के माहेश्वरी समाज ही नहीं, बल्कि जिले के हर निवासी के लिये अक्षी एक आदर्श बन चुकी है। बेटियों को दोयम दर्जे का स्थान देने वालों के लिये तो वे किसी सशक्त प्रत्युत्तर से कम नहीं हैं। आखिर चित्तौड़गढ़ जिले की सबसे कम उम्र पायलेट बनने का गौरव उन्होंने जिले को दिया है। अभी तक 20 वर्ष का कोई युवक भी चित्तौड़गढ़ से पायलट नहीं बना है। ऐसी स्थिति में समाज का सिर यदि गर्व से ऊँचा हो जाऐ, तो स्वाभाविक ही होगा।

बचपन से देखा सपना किया साकार

अक्षी का जन्म चित्तौड़गढ़ में समाज सदस्य शिवकुमार व हेमा पुंगलिया के यहाँ हुआ था। दादा-दादी श्री जमनालाल व शांतादेवी पुंगलिया सहित भरे पूरे परिवार में स्नेह के साथ बचपन से पायलट बनने का सपना भी सौगात के रूप में मिला। बस यही स्वप्न आज माता के प्रोत्साहन व पिता के सहयोग तथा परिवार के सम्बल से साकार रूप ले चुका है और वह भी मात्र 20 वर्ष की अवस्था में। एक बेटी के लिये इस क्षेत्र में कदम रखना तथा सफलता प्राप्त करना आसान नहीं था लेकिन उन्होंने यह कर दिखाया।

ऐसे पूर्ण की सफलता की यात्रा

अक्षी की स्कूल शिक्षा चित्तौड़गढ़ के यूरोपियन किड्स स्कूल से प्रारम्भ हुई। फिर आदित्य बिड़ला स्कूल से 10वीं तक की पढ़ाई की। हायर सेकेण्डरी कक्षा 11वीं व 12वीं की परीक्षा साईंस मैथ्स के साथ डी.पी.एस. उदयपुर से 90 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसके बाद परिवार की प्रेरणा से पायलेट ट्रेनिंग की ओर उनके कदम बढ़ गये। अक्षी ने एम.पी. फ्लाइंग क्लब इंदौर से पायलट ट्रेनिंग पूर्ण की है।

ASHOK SOMANY

SOMANY IMPEX
Stone that stuns

ASHOK SOMANY

AAKASH SOMANY

M/s. ASHOK SOMANY & Co.

Mining of Natural Stone & TIles

Khol House, Circular Road, Rewari - 123401 (Hry) Vill-Kund, Distt. - Rewari (Hry)
Tel. : 01274-225385, Mob. : 981245677, Res. : 01274-260088, 260048
Email : accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

SOMANY NATURAL STONES (I) Pvt. Ltd.

All Kind of Natural Stone & Tiles

Plot No.5, Delhi Rewari Road, Rewari-12340 1 (Hry)
Mobile : 9812345677, 9812028488
Email : mines@sonanyimpex.ind.in I somanyimpex@gmail.com

SOMANY IMPEX

Exporter of All Kind of Natural Stoen &Tiles

Khol House, Circular Road, Rewari-123401 (Hry), Unit-Khol Road, Vill-Kund, Distt. - Rewari (Hry)
Tel.: 01274-225385, Mob. : 9812028488, 9215689102
Email: accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

DEVVRAT OVERSEASE

All Kind of Natural Stone & Tiles

Vil. Mehtawas, Mehtawas Road (Raj), Mobile : 9812345677, 9812025385
Email: mines@sonanyimpex.ind.in I somanyimpex@gmail.com

SOMANY (P.G) INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT

Running B.Tech & M.Techinfidderent Discilines of Engineering

Near Delhi-Jaipur Highway No. 8, Beside 3 km, From Rewari City, Rewari (Hry) Tel. 01274-261239, 261781
Fax: 01274-261239, Mob. 9541069998
Email : Info@sitmrewari.com I admin@sitmrewari.com I accounts@sitmrewari.com

आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से प्रारम्भ नवदिवसीय पर्व गुप्त नवरात्र कहलाता है। इसका नाम ''गुप्त'' इसलिये है क्योंकि इस काल में होने वाली उपासना गुप्त रूप से मनोकामना सिद्ध करती है। इस पर्व पर तंत्र की महान देवी दस महाविद्याओं की गुप्त साधना से वशीकरण, उच्चाटन, सम्मोहन, स्तंभन, आकर्षण और मारण जैसी तांत्रिक क्रियाओं के दुष्प्रभाव से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख समृद्धि प्राप्त होती है।

मनोकामना का ''सिद्धि पर्व'' गुप्त नवरात्रि

डॉ. महेश शर्मा, जयपुर
94143-70518

गुप्त नवरात्र आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा आगामी 11 जुलाई, 2021से प्रारंभ होंगे, संयोग से इस दिन अतिशुभ रविपुष्य योग भी विद्यमान रहेगा। इस शुभ योग में वाहन खरीदना, रत्न धारण करना, तंत्र-मंत्र साधना आदि शुभ कार्य करना विशेष फलदाई और शुभ होते हैं। पुष्य नक्षत्र में भगवान गणेश का गणपति अथर्वशीर्ष के साथ अभिषेक एवं आराधना कर शुभ प्राप्ति की प्रार्थना करते हैं। तिथि क्षय के कारण इस वर्ष गुप्त नवरात्र भड्डुली नवमी,18 जुलाई तक चलेंगे। गुप्त नवरात्र मनाने एवं इनकी साधना का विधान देवी भागवत तथा अन्य धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। श्रृंग ऋषि ने गुप्त नवरात्राओं के महत्व को बतलाते हुए कहा है कि जिस प्रकार वासंतिक नवरात्र में विष्णु पूजा की और शारदीय नवरात्र में देवी शक्ति नौ देवियों की पूजा की प्रधानता रहती है, उसी प्रकार गुप्त नवरात्राओं में मनोकामना एवं सर्वार्थसिद्धि की प्राप्ति हेतु दस महाविद्याओं की पूजा अर्चना करने का विधान है, यदि कोई इन महाविद्याओं के रुप में शक्ति की उपासना करे तो जीवन धन-धान्य, राज्य सत्ता, ऐैश्वर्य से भर जाता है। गुप्त नवरात्रों की प्रमुख देवी के स्वरुप का नाम सर्वेष्वर्यकारिणी देवी है। लोभी, कामी, व्यसनी सहित मांसाहारी अथवा पूजा पाठ न कर सकने वाला भी यदि इन दिनों अपनी मनोकामना के अनुसार इन दस महाविद्याओं में से किसी की भी पूजा-साधना करके घर में उसका यंत्र स्थापित करते हैं तो उसकी मनोकामना पूर्ण होती है। गुप्त नवरात्र में देवी की आराधना कर न सिर्फ शक्ति संचय किया जाता है वरन् नवग्रहों से जनित दोषों का शमन भी इस अवधि में सुगमता से किया जा सकता है। जन्म कुंडली में कोई भी प्रतिकूल ग्रह नीच अथवा शत्रुक्षेत्रीय प्रभाव में होकर अनिष्टकारक हो, उनकी दशा अर्न्तदशा में अनिष्ट प्रभाव पड़ रहा हो या अनिष्ट की आशंका हो तो नवरात्रा में देवी की पूजा आराधना से सभी नौ ग्रह तथा बारह राशियों के प्रतिकूल प्रभाव शांत होकर घर में सुख, समृद्धि तथा शांति की प्राप्ति होती है।

दस महाविधाओं की साधना

दस महाविद्याएं काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी, तथा कमला हैं। इनकी प्रवृति के अनुसार इन्हें तीन ग्रुप में विभाजित किया गया है। 1. सौम्य कोटि- त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, मातंगी, और कमला। 2. उग्र कोटि- काली, छिन्नमस्ता, धूमावती और बगलामुखी। 3. सौम्य-उग्र कोटि- तारा और त्रिपुर भैरवी। यह महाविद्याएं तंत्र की प्रमुख देवी हैं। इनकी पूजा तथा जप आदि शुद्ध आचरण के साथ करने चाहिए। तंत्र और शाक्त मत का तो ये सबसे अहम पर्व माना जाता है। वैषनो, पारम्बा देवी, कामाख्या देवी और हिन्गुलाज देवी का यही मुख्य पर्व है। गुप्त नवरात्र में की गयी मंत्र साधना निष्फल नहीं जाती है। वशीकरण, उच्चाटन, सम्मोहन, स्तंभन, आकर्षण और मारण जैसी तांत्रिक क्रियाओं के दुष्प्रभाव को नष्ट करने की शक्ति इनमें में ही विद्यमान है।

कैसे करें महाविधा की साधना

सर्व प्रथम गुप्त नवरात्रों की प्रमुख देवी सर्वेष्वर्यकारिणी माता को धूप, दीप, प्रसाद अर्पित करें। रुद्राक्ष की माला से प्रतिदिन ग्यारह माला ''ओम ह्रीं सर्वेष्वर्याकारिणी देव्यै नमो नमः।'' मंत्र का जप करें। पेठे का भोग लगाएं। इसके पश्चात मनोकामना के अनुसार निम्न में से किसी मंत्र का जप करें। यह क्रम नौ दिनों तक गुप्त रुप से जारी रखें।

- **कालीः** लम्बी आयु, बुरे ग्रहों के प्रभाव, कालसर्प, मंगलीक बाधा, अकाल मृत्युभय आदि के लिए काली की साधना करें। मंत्र- ''क्रीं ह्रीं ह्रुं दक्षिणे कालिके स्वाहाः।'' हकीक की माला से नौ माला का जप कम से कम करें।
- **ताराः** तीव्र बुद्धि, रचनात्मकता, उच्च शिक्षा के लिए माँ तारा की

साधना नीले कांच की माला से बारह माला प्रतिदिन मंत्र जप करें। मंत्र- ''ओम ह्रीं ट्रीं हुम फट।''

❖ **त्रिपुर सुंदरी:** व्यक्तित्व विकास, स्वस्थ्य और सुन्दर काया के लिए त्रिपुर सुंदरी देवी की साधना करें। रुद्राक्ष की माला का प्रयोग करें। दस माला मंत्र जप अवष्य करें। मंत्र- ''ऐं ह्रीं श्रीं त्रिपुर सुंदरीयै नमः।''

❖ **भुवनेश्वरी:** भूमि, भवन, वाहन सुख के लिए भुवनेश्वरी देवी की आराधना करें। स्फटिक की माला से ग्यारह माला प्रतिदिन जप करें। मंत्र- ''ह्रीं भुवनेश्वरीयै ह्रीं नमः।''

❖ **छिन्नमस्ता:** रोजगार में सफलता, नौकरी, पदोन्नति आदि के लिए छिन्नमस्ता देवी की आराधना करें। रुद्राक्ष की माला से दस माला प्रतिदिन जप करें। मंत्र- ''श्रीं ह्रीं ऐं वज्रा वैरोचानियै ह्रीं फट स्वाहा''।

❖ **त्रिपुर भैरवी:** सुन्दर पति या पत्नि प्राप्ति, शीघ्र विवाह, प्रेम में सफलता के लिए मुंगे की माला से पंद्रह माला मंत्र का जप करें। मंत्र- ''ह्रीं भैरवी क्लौं ह्रीं स्वाहाः।''

❖ **धूमावती:** तंत्र, मंत्र, जादू टोना, बुरी नजर, भूत प्रेत, वशीकरण, उच्चाटन, सम्मोहन, स्तंभन, आकर्षण और मारण जैसी तांत्रिक क्रियाओं के दुष्प्रभाव को नष्ट करने के लिए देवी घूमावती के मंत्र की नौ माला का जप मोती की माला से करें। मंत्र- ''ओम धूं धूं धूमावती देव्यै स्वाहाः।''

❖ **बगलामुखी:** शत्रु पराजय, कोर्ट कचहरी में विजय, प्रतियोगिता में सफलता के लिए हल्दी या पीले कांच की माला से आठ माला मंत्र का जप करें। मंत्र- ''ओम ह्रीं बगुलामुखी देव्यै ह्रीं ओम नमः।''

❖ **मातंगी:** संतान, पुत्र आदि की प्राप्ति के लिए स्फटिक की माला से बारह माला मंत्र जप करें। मंत्र- ''ओम ह्रीं ऐं भगवती मतंगेष्वरी श्रीं स्वाहाः।''

❖ **कमला:** अखंड धन धान्य प्राप्ति, ऋण मुक्ति और लक्ष्मी जी की कृपा के लिए देवी कमला की साधना करें। कमलगट्टे की माला से दस माला प्रतिदिन मंत्र का जप करें। मंत्र- ''हसौः जगत प्रसुत्तयै स्वाहाः।''

नवग्रहों की शांति साधना

जन्म कुंडली में यदि नवग्रहों में से कोई भी ग्रह अनिष्ट फल दे रहा हो तो गुप्त नवरात्र में शक्ति उपासना करने से विशेष लाभ मिलता है। सूर्य ग्रह के कमजोर होने पर स्वास्थ्य लाभ के लिए शैल पुत्री की उपासना से लाभ मिलता है। चन्द्रमा के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए कुष्मांडा देवी की आराधना करें। मंगल ग्रह के लिए स्कंदमाता, बुध की शांति तथा अर्थव्यवस्था में वृद्धि के लिए कात्यायनी देवी, गुरु के लिए महागौरी, शुक्र के शुभत्व के लिए सिद्धिदात्री तथा शनि के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए कालरात्रि की उपासना सार्थक रहती है। राहु की शुभता के लिए ब्रह्मचारिणी की उपासना तथा केतु के विपरीत प्रभाव को दूर करने के लिए चंद्रघंटा देवी की साधना करनी चाहिए। जब किसी की जन्म पत्रिका उपलब्ध नहीं हो तथा जीवन में कुछ परेशानियां आ रही हों जैसे बार-बार दुर्घटनाएं होना, मानसिक परेशानी, किसी भी काम में बार बार विफलता आना, संतान के विवाह में बिलम्ब या अन्य कष्ट होना, पूजा पाठ में मन नहीं लगना, चित्त विकृति, धनाभाव, व्यापार में नुकसान, रोजगार की समस्या, भय, शारीरिक व्याधि, दाम्पत्य जीवन में क्लेष आदि समस्याओं के समाधान के लिए गुप्त नवरात्र में देवी की आराधना तथा यंत्र सहित मंत्र जप करें सफलता मिलेगी। नवरात्र के बाद यंत्र को घर में रखें।

दुर्गा सप्तशति मंत्र से मनोकामना सिद्धि

अशुभ ग्रहों की शुभता के लिए-करोतु सा नः शुभहेतुरीष्वरी। शुभानि भद्राण्यभिहन्तु चापदः।। 2.संतान प्राप्ति हेतु-नन्दगोपगृहे जाता यशोदागर्भ संभवा। ततस्तौ नाशयिष्यामि विन्ध्याचल निवासिनी।। 3.बाधा निवारण हेतु-सर्वाबाधा प्रशमनं त्रैलोक्यस्याखिलेश्वरी। एवमेव त्वया कार्यमस्मद्वैरि विनाशनम्।। 4.आरोग्य एवं सौभाग्य के लिए-देहि सौभाग्यमारोग्यं देहि मे परमं सुखम्। रुपं देहि जयं देहि यषो देहि द्विषो जहि।। 5.विपत्ति नाश के लिए-शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे। सर्वास्यार्तिहरे देवि नारायणि नमोऽस्तुते।। 6.संकटों से रक्षा के लिए-शूलेन पाहिनो देवि पाहि खंगेन चाम्बिके। घण्टास्वनेन नः पाहि चापज्यानिः स्वनेन च।। 7.सुलक्षणा पत्नि की प्राप्ति के लिए- पत्नीं मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम्। तारिणीं दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम्।। 8.व्यापार वृद्धि तथा भुक्ति मुक्ति हेतु- विधेहि देवि कल्याणं विधेहि परमां श्रियम्। रुपं देहि जयं देहि यषो देहि द्विषो जहि।। 9.यश, धन तथा विद्या प्राप्ति हेतु- आयु रक्षतु वाराही धर्म रक्षतु वैष्णवी। यषः कीर्ति च लक्ष्मीं च धनं विद्यां च चक्रिणी

महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

Kedar Heda
94250-82131
98260-77131

Ashok Heda
94250-81131
98931-17290

K.M. HEDA & CO.
TAX CONSULTANTS

108, Empire House, 17/1, Ushaganj, Opp. Shubham Gas Agency,
INDORE 452 001 (M.P.) Phone : 0731 (0) 2707131, 2702733 (R) 2494131
E-mail : kmhedaadco@yahoo.com, kmhedaandco@gmail.com

वैसे तो वर्तमान में भी योग की सम्पूर्ण विश्व में पताका फहरा रही है लेकिन हमारे मनीषियों ने इसे इससे भी आगे सिद्धि बना दिया था। वास्तव में यह सिर्फ तन की स्वस्थता का साधन नहीं बल्कि यह तो सर्वांग सिद्धि का माध्यम है। बस इसकी सिद्धि के लिये जरूरी हैं इसके प्रमुख सोपान यम-नियम।

डॉ. विवेक चौरसिया, उज्जैन

योग सिद्धि के दो सोपान यम-नियम

भारतीय धर्म-संस्कृति की आधारशिला सत्य, सदाचार, साहचर्य, समन्वय, सर्वआरोग्य, सर्वबंधुत्व और सर्वकल्याण जैसे जिन उद्दात्त मूल्यों पर रखी हैं, वे सब जिस एक में निहित हैं उसका नाम योग है। योग अपने आप में एक धर्म है, जो काल की चतुर्युगीन भारतीय परिकल्पना में सतयुग में प्रचलित था और कालजयी होकर आज कलयुग तक अपने अनुयायियों द्वारा पालित है। यह भी कहा जा सकता है, भारतीय संस्कृति योग-संस्कृति है और सनातन धर्म योग-धर्म ही है। वह अनूठा धर्म-पंथ जिसके अनुयायियों का अंतिम लक्ष्य योगस्थ योगेश्वर परमात्मा को पाना है और जिसका साधन एकमात्र 'योग' है।

हमारे शास्त्र कहते हैं, सतयुग में केवल योग ही धर्म था। अर्थात् लोगों का स्वभाव और कर्तव्य केवल योग था। उनमें काम, क्रोध, लोभ आदि दुर्गुण न थे। अतः वे सर्वोत्तम योगधर्म का आश्रय लेकर सरल, सहज, स्वाभाविक जीवन जीते और दीर्घायु होते थे। इसका यह आशय कदापि नहीं है कि वे लोग दिनभर योगाभ्यास ही करते रहते थे और बाकी कोई कामधाम नहीं करते थे। बल्कि यह है कि योगासनों के इतर और ऊपर उन्होंने योग को गहरे से आत्मसात कर लिया था। योग उनकी जीवन शैली था इसी कारण वे स्थितप्रज्ञ और निःस्पृह रहकर कामना रहित निश्छल निर्मल जीवन जी पाते थे। वे व्यावहारिक जीवन के लिए जरूरी खान-पान, विवाह-परिवार सारे दायित्वों का निर्वहन तो करते थे मगर 'योग' सध जाने के कारण तत्कालीन समाज छल, कपट, प्रपंच और प्रतिस्पर्धा से परे हो गया था। सबमें सत्त्व अधिकतम होता था, इसीलिए उनका युग सतयुग था।

सतयुग और उसके धर्म से जुड़ी योग केंद्रित यह अवधारणा संकेत करती है कि केवल योगासनों के अभ्यास मात्र से 'योग' की सिद्धि सम्भव नहीं है। योगासन सिद्धि में सहायक अवश्य है मगर सच्ची सिद्धि योग को उसकी सम्पूर्णता में अपनाने से ही सम्भव है। अन्यथा योगासनों से शारीरिक स्वास्थ्य और कुछ हद तक मानसिक सुकून अवश्य पाया जा सकता है लेकिन जिस परम् सिद्धि के लिए 'योग' है, उसकी प्राप्ति तभी सम्भव है जब योग जीवन शैली बन जाए।

ध्यान रहे योग महर्षि पतंजलि से भी सदियों पूर्व से है। महर्षि पतंजलि योग के प्रणेता के रूप में लोक विख्यात इसलिए हुए कि उन्होंने योग शास्त्र के बिखरे हुए सूत्रों को एकत्र कर उसे समग्रता में प्रस्तुत करने का महत् कार्य कर योग को लोक के लिए सुबोध बना दिया। आज विश्वभर में योग का जो भी वैभव है वह सब महर्षि पतंजलि द्वारा सम्पादित 196 पंक्तियों के 'योगसूत्र' पर आधारित है। ख़ास बात यह कि योग की 'सिद्धि' के लिए पतंजलि जिन आठ सोपानों यानी अष्टांग योग का प्रतिपादन करते हैं, उनमें भी 'आसन' तीसरे क्रम पर है। उससे पहले यम और नियम रूपी दो सीढ़ियाँ और हैं। मानो पतंजलि इशारा करते हैं कि आसन तक जाने से पहले यम व नियम की कसौटी पर ख़रा उतरना ज़रूरी है।

यम और नियम वस्तुतः शील और तपस्या के द्योतक हैं। यम का अर्थ है संयम। जिसके लिए पतंजलि का सूत्र है, 'अहिंसा सत्यास्तेय ब्रह्मचर्या परग्रहाःयमाः ।।' इसमें पाँच सामाजिक नैतिकता अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह साधने की सीख है। अस्तेय अर्थात् दूसरों की वस्तु की चोरी न करना और अपरिग्रह अर्थात् वस्तुओं के संग्रह से बचना। जीव मात्र के प्रति अहिंसा और एकमात्र परमात्मा को सत्य मानना था ब्रह्म की भाँति चर्या रखना ही यम साधना है। इसी तरह नियम को समझाते हुए पतञ्जलि ने सूत्र दिया है, 'शौचसंतोषतपः स्वाध्यायेश्वर प्रणिधानानि नियमाः।।' अर्थात् शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्राणिधान करना ही नियम हैं। जिस प्रकार यम के पाँच अनुशासन सामाजिक नैतिकता सिखाते हैं, उसी प्रकार नियम मनुष्य की व्यक्तिगत नैतिकता को अनुशासित करने के लिए है।

आसन तो इसके बाद तीसरे क्रम पर है। यानी क़ायदे से आसनों के अभ्यास का अधिकारी वही है जो अपने जीवन में यम और नियम के सूत्रों को साध चुका हो। इसके बाद चौथे क्रम पर प्राणायाम और फिर क्रमशः प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि है। महत्वपूर्ण है कि अष्टांग योग के अंतर्गत प्रथम पांच अंग (यम, नियम, आसन, प्राणायाम तथा प्रत्याहार) 'बहिरंग' और शेष तीन अंग (धारणा, ध्यान, समाधि) 'अंतरंग' नाम से प्रसिद्ध हैं। बहिरंग साधना यथार्थ रूप से अनुष्ठित होने पर ही साधक को अंतरंग साधना का अधिकार प्राप्त होता है। इस तरह सीढ़ी दर सीढ़ी ही आगे बढ़ा जा सकता है, किसी एक सीढ़ी को छोड़कर अगली पर छलाँग नहीं मारी जा सकती।

साधो! आजकल योग एक 'फैशन' है। बहुसंख्यक योग प्रेमियों को योगासन करते देखना सुखद है पर याद रखिए शास्त्र के अनुसार यम व नियम को साधे बिना योगाभ्यास 'अधूरा' है। यदि जीवन में यम व नियम के सभी दस सद्गुणों का उजाला उतर आए तो कदाचित योगासनों के अभ्यास की आवश्यकता न रहे। जब अनेक योगाभ्यासियों को यम-नियम की कसौटी पर कमजोर पाकर बड़े जोर शोर से आसन करते देखता हूँ उद्विग्न हो जाता हूँ। वे आसन में भले निष्णात हो जाए मगर उनके जीवन में योग कभी उतर नहीं पाता। वे मानो कागज की नाव पर संसार सागर पार करने निकले यात्रियों जैसे नज़र आते हैं। सम्भव है वे डूबे नहीं मगर उस पार परमात्मा तक कभी नहीं पहुँच पाते!

IS:1786
CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality
MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

प्राकृतिक सुन्दरता किसे अच्छी नहीं लगती? वास्तव में तो हर कोई इसके प्रति ललायित रहता है, तभी तो प्राकृतिक सम्पदा से लबरेज पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की हमेशा भीड़ लगी रहती है। इतना सब होने के बावजूद हम प्राकृतिक सुन्दरता का भी सिर्फ उपभोग करना चाहते हैं, पेड़ लगाकर पृथ्वी का श्रृंगार नहीं करना चाहते। इसी समस्या को देखते हुए लोगों को पर्यावरण के महत्व को समझाने और इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

पृथ्वी का सबसे अच्छा श्रृंगार पेड़

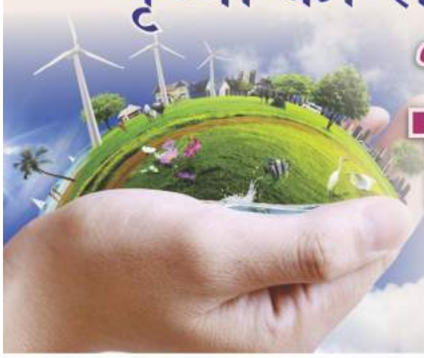

डॉ. सौ. मंगल शरद राठी
परतवाडा (महाराष्ट्र)

समस्त मनुष्य, जीव जंतु, पशु, वनस्पतियां, पेड़, पौधे, जंगल, नदी, जल, सूर्य, प्रकाश, मिट्टी, पहाड़, हवा, जलवायु, मौसम पर्यावरण के अंतर्गत आते हैं। बढ़ती जनसंख्या और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए मनुष्य जंगलों की कटाई कर रहा है और उसी जगह खेत बनाए जा रहे हैं। इसी तरह शहरों और बड़ी-बड़ी इमारतों का भी निर्माण किया जा रहा है। पेड़ों की कटाई की वजह से ग्लोबल वार्मिंग, वर्षा की कमी, सुखा, बहुत ज्यादा वर्षा व बाढ़ जैसी आपदा निर्मित हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ग्लेशियर पिघल रहे हैं और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो दुनिया भर के हजारों द्वीप डूब जाएंगे। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हर साल गर्मी के मौसम में बहुत ज्यादा गर्मी पड़ रही है, साथ में कई सालों से बरसात भी कम हो रही है।

पर्यावरण अनमोल रत्न

धरती केवल एक ऐसा ग्रह है जहां मनुष्य का जीवन टिकाऊ है। धरती पर जीवित रहना होगा तो पर्यावरण को बचाना होगा। पर्यावरण से हमें जीवन की आवश्यक सभी वस्तुएं उपलब्ध होती है जैसे कि स्वच्छ हवा, पानी, शुद्ध वातावरण, शीतलता इत्यादि। पर्यावरण हमारे लिए अनमोल रत्न है। पर्यावरण के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकता। पेड़-पौधों की हरियाली से मन का तनाव दूर होता है, दिमाग को शांति मिलती है। अनेक प्रकार की बीमारियां भी दूर होती है। पर्यावरण से मनुष्य और सभी जीवों के विकास में मदद मिलती है। यदि हम भविष्य में इस धरती पर सुरक्षित आनंददायक, अच्छा सेहत भरा जीवन चाहते हैं तो हमें अपनी धरती और पर्यावरण को सुरक्षित बनाना होगा।

पौधारोपण को बनाऐं परम्परा

पेड़ों को अंधाधुंध काटने की वजह से पर्यावरण को काफी नुकसान हो रहा है और पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। प्रदूषण की समस्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। प्रकृति को बचाने के लिए हमें महत्वपूर्ण बातों को आत्मसात करना पड़ेगा जैसे हर बच्चे के जन्म के समय एक पौधा लगाएं और बच्चे की परवरिश के जैसी ही उसकी परवरिश करें। बच्चों के जन्मदिन के अवसर पर रिटर्न गिफ्ट के बदले में सुंदर-सुंदर पौधे गिफ्ट करें। कोई भी फंक्शन हो मेहमानों का स्वागत छोटे-छोटे पौधों से करें। हर उत्सव पर पौधारोपण अवश्य करें।

पर्यावरण के प्रति भी रहें सतर्क

नदी, तालाब, समंदर इनको प्रदूषित न करें। नदी तालाब में कपड़े ना धोए। कूड़ा कचरा नदी, तालाब में ना डालें। कारखानों से निकलने वाला गंदा पानी नदी तालाब में ना जानें दे। जल का दुरुपयोग ना करें, इस्तेमाल के बाद तुरंत बंद करें। बिजली का उपयोग आवश्यकतानुसार करें। जरूरत नहीं रहने पर टीवी, एसी, कूलर, फैन, लाइट सब बंद रखें। प्लास्टिक, पॉलीथिन का उपयोग बंद करें। प्लास्टिक 700-800 साल तक जमीन में वैसा ही रहता है और जमीन को और वातावरण को प्रदूषित करता है। जानवरों के पेट में जाने के बाद उनकी मृत्यु तक हो सकती है। सामान खरीदते वक्त घर से ही कागज की थैली या कपड़े की थैली ले जाए। सिग्नल पर गाड़ियां बंद करें। आसपास जाना हो तो साइकिल का उपयोग करें। अगर बड़े सिटी में घूमना है तो सिटी बस को प्राथमिकता दें ना कि खुद के गाड़ी से जाएं ताकि थोड़ा सा प्रदूषण कम करने में हमारी सहायता बनी रहेगी। कारखानों से निकलने वाले धुएं से प्रदूषण बचाने के लिए कारखानों का शहर से दूर होना और चिमनी की ऊंचाई बढ़ाना जरूरी है। दोपहिया वाहनों में अच्छा ऑयल डालें जिससे कि वो काला धुंआ ना छोड़े।

पशु - पक्षी भी पर्यावरण का अंग

पशु, पक्षियों के प्रति सहानुभूति बनाए रखें, क्योंकि ये भी पर्यावरण का ही अंग हैं। उनके लिए दाना पानी की व्यवस्था करें। कूड़ा कचरा डस्टबिन में ही फेंके। ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए लाउड स्पीकर की आवाज कम से कम रखें। जनसंख्या नियंत्रण में रखें। पेड़ों की बढ़ती कटाई रोकने के लिए सरकार द्वारा सख्त से सख्त कानून बनाएं।पृथ्वी का बढ़ता तापमान और प्रदूषण इंसानों के साथ साथ सभी जीवों के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। जीव जंतुओं की कुछ प्रजातियां विलुप्त हो रही है। सांस लेने में तकलीफ जैसी भयंकर बीमारियां भी हो रही है। अगर यह सिलसिला ऐसा ही चलता रहा तो धीरे-धीरे जिंदगी मुश्किल होती जाएगी। पर्यावरण को स्वच्छ रखना हमारा प्रथम कर्तव्य है क्योंकि स्वच्छ पर्यावरण ही देगा हमको स्वास्थ्यपूर्ण जीवन।

(लेखिका ख्यात स्त्रीरोग विशेषज्ञ हैं।)

महेश नवमी पर्व पर सभी माहेश्वरी बंधुओं को हार्दिक मंगलकामनाएं

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

कोरोना महामारी ने हमे एक बहुत बड़ा सबक दिया है, वह यह कि हम पैसा कमा सकते हैं, लेकिन उसका सुख भोगने के लिए अच्छा स्वास्थ्य भी जरूरी है। अच्छे स्वास्थ्य की प्रथम सीढ़ी है, सही खानपान। यदि खानपान बिगड़ा तो सब कुछ बिगड़ जाऐगा। आईये देखें कैसा रखें अपना खानपान कि हमारा तन-मन रहे चुस्त दुरूस्त?

डॉ. एस.एन. चांडक
विशेषज्ञ (कृषि) एवं चेयरमैन
Sheel Biotech Ltd.
नई दिल्ली

अच्छे स्वास्थ्य का आधार है उचित खानपान

स्वास्थ्य का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है फूड। मेरे आफिस में डायबिटीज की फ्री आयुर्वेदिक दवा दी जाती है तो मैं पेशेंट से यही कहता हूँ कि उसके ठीक होने के लिए तीन चीजों का रोल होगा, अकेली दवा काम नहीं कर पाएगी। 33 प्रतिशत फूड, 33 प्रतिशत मॉर्निंग वॉक, 33 प्रतिशत दवा असर करेगी। इसलिए हमें भोजन करने से पूर्व तथा भोजन करते समय मांगलिक वस्तुओं का दर्शन करना चाहिए। भोजन करते समय टीवी देखना एवं मोबाइल पर बात करना ठीक नहीं है। खाना खाते समय बिजनेस डिस्कशन भी अवॉइड करें। अगर सारी फैमिली साथ बैठकर खाना खा सके तो बहुत ही अच्छा है। बुजुर्गों ने कहा है कि "जैसा खाओगे अन्न, वैसा होगा मन।" शुद्ध एवं क्वालिटी फूड का हमारे जीवन में बहुत रोल है। अतः भोजन की शुद्धता के लिए किचन में पूर्णतया साफ सफाई हो, जैसे आजकल फंगस कोरोना में आ रहा है तो फ्रीज या सिंक में किसी भी कोने में किंचित मात्र भी फंगस नहीं होना चाहिए।

फास्ट फूड आदि से रहें दूर

खाना बनाते समय का भाव भी खाने में आता है। वैसे तो परिवार की महिलाएं खुद ही खाना बनाए तो बहुत ही श्रेयस्कर है, पर नौकर भी बनाए तो भगवान का भजन किचन में चलते रहना चाहिए। भोजन सामने आने पर सबसे पहले उसे परमात्मा को अर्पण करें तो वह भोजन प्रसाद के रूप में बन जाएगा। भोजन में अगर फास्ट फूड, मैदा, तली हुई चीजें, अचार एवं पापड़ का उपयोग कम करें तो अच्छा रहेगा। तली हुई चीजें, मैदा, फास्ट फूड को पचाने में शरीर की ज्यादा शक्ति लगती है। पापड़ एवं अचार में नमक की मात्रा अधिक होने से बीपी बढ़ने का डर रहता है। स्प्राउट सप्ताह में दो बार अवश्य खाएं, खाना एक निश्चित समय पर खाएं, इससे भी आपकी बॉडी ठीक रहेगी। प्रोटीन एवं कैल्शियम भी हमारे फूड का अंग होना चाहिए।

डायबिटीज वाले अपनाएं यह तरीका

डायबिटीज आजकल 40 से ऊपर वाले 50 प्रतिशत लोगों में हो जाती है। इसे भी आप ठीक कर सकते हैं। आप अपने वजन के हिसाब से, जैसे आप 80 किलो के हैं तो 800 ग्राम, 70 किलो के हैं तो 700 ग्राम फल आपको सुबह नाश्ते में खाना है। नाश्ता केवल फलों का ही होगा, ना चाय, न दूध, न पराठे। कोशिश करें कि एक दिन में एक तरह का ही फल लें। उसके 2 घंटे बाद सभी तरह के ड्राई फ्रूट 5-5 पीस खाएं। दोपहर में 350 ग्राम सलाद ही खाना है, इसमें आप ड्राई फ्रूट व नारियल मिला सकते हैं, इसमें नमक व नींबू ना डालें, क्योंकि नमक नींबू डालने से सलाद पानी छोड़ देता है और हमारे भोजन पचाने वाले जूस डाइल्यूट हो जाते हैं। डिनर में आप ग्रीन चपाती, हरी सब्जी इत्यादि लें। आपका डिनर 7.00 बजे तक हो जाए तो बेहतर रहे, क्योंकि खाने एवं सोने में 3 घंटे का समय अन्तराल होना चाहिए। इस प्रक्रिया को करें तो आपकी डायबिटीज कम होती चली जाएगी।

खाने में स्वास्थ्य से समझौता नहीं

कोशिश करें बाहर का खाना न खाएं या कम से कम खाएं। शादी या अन्य कार्यक्रम में घर से ही खाना खाकर जाएं, क्योंकि वहां का खाना हाइजीनिक नहीं होता है। हम खाने की लाइन में लगने से अच्छा अधिक लोगों में मेलजोल एवं नेटवर्किंग पर ध्यान देवें। खाने में ऑर्गेनिक अन्न एवं सब्जियों का बड़ा रोल है। अगर बालकनी या छत पर कुछ सब्जियां उगा सकते हैं तो घर की सब्जियां खाएं। बाजार की सब्जियों में कैमिकल प्रचुर मात्रा में होता है। आप जो कैंसर के बढ़ते हुए केस देख रहे हैं वो केमिकल का ही दुष्परिणाम है। पंजाब में जो हरित क्रांति आई थी, उसमें गेहूं अनाज का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए केमिकल का बहुत अधिक मात्रा में उपयोग किया गया। नतीजा यह हुआ कि उनकी मिट्टी बिल्कुल खराब हो चुकी है एवं 30 में से एक व्यक्ति को कैंसर हो रहा है।

अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ने दें

थोड़ा अस्वस्थ होते ही हम तुरंत एलोपैथी डॉक्टर की दवा की ओर भागते हैं। पर वास्तव में देखें तो हमारी बॉडी में ही रिपेयर सिस्टम है, जो स्वयं भी बॉडी को ठीक करता है, पर थोड़ा समय लगता है एवं हमें थोड़ा बर्दाश्त करना पड़ता है। इसके साथ अगर आप घरेलू या आयुर्वेदिक उपचार करेंगे तो साइड इफैक्ट से बचेंगे। आपका प्रयास एलोपैथी को कम से कम यूज करने का होना चाहिए। दवाइयां एवं उपचारों के साथ आपके अपने पास भी एक शक्ति छिपी हुई है, उसका नाम है इच्छा शक्ति। हमें बीमारियों से बचना है या सामना करना है तो इच्छा शक्ति को स्ट्राँग रखना होगा। यह सोचना होगा कि मैं बिल्कुल ठीक हूँ।

शरीर को भी दें "रिलेक्सेशन"

हेल्थ को ठीक रखने के लिए और भी कुछ चाहिए- जैसे मशीन को रेगुलर रिलेक्स करते रहना पड़ता है, उसी तरह हमारी बॉडी को भी साल में दो-तीन बार करके 15 दिन हॉलीडे पर जाना चाहिए, इससे आपकी बैटरी चार्ज होती रहेगी, पारिवारिक मेलजोल बढ़ेगा, फैमिली भी रोग की भागदौड़ की दिनचर्या से हटकर रिलैक्स कर पाएगी। कहते हैं "ट्रैवल मेक यू रिच', क्योंकि ट्रैवलिंग से जो एक्सपीरियंस मिलता है, वह किताबों में नहीं होता। जब आप दो-तीन फैमिली बाहर जाते हैं तो सब के बच्चों में बहुत मेलजोल भी बढ़ता है। हमने अन्न एवं खाने की बहुत चर्चा कर ली और खाने से भी ज्यादा शरीर के लिए जो चाहिए वह है जल। जल ही जीवन है, तो हम वॉटर थैरेपी पर भी थोड़ी बात कर लेते हैं। हमारे बुजुर्गों ने कहा है कि 'जैसा पीवे पाणी, वैसी होवे वाणी"। अतः हमेशा शुद्ध जल पीना चाहिए, खुला रखा हुआ जल नहीं पीना चाहिए।

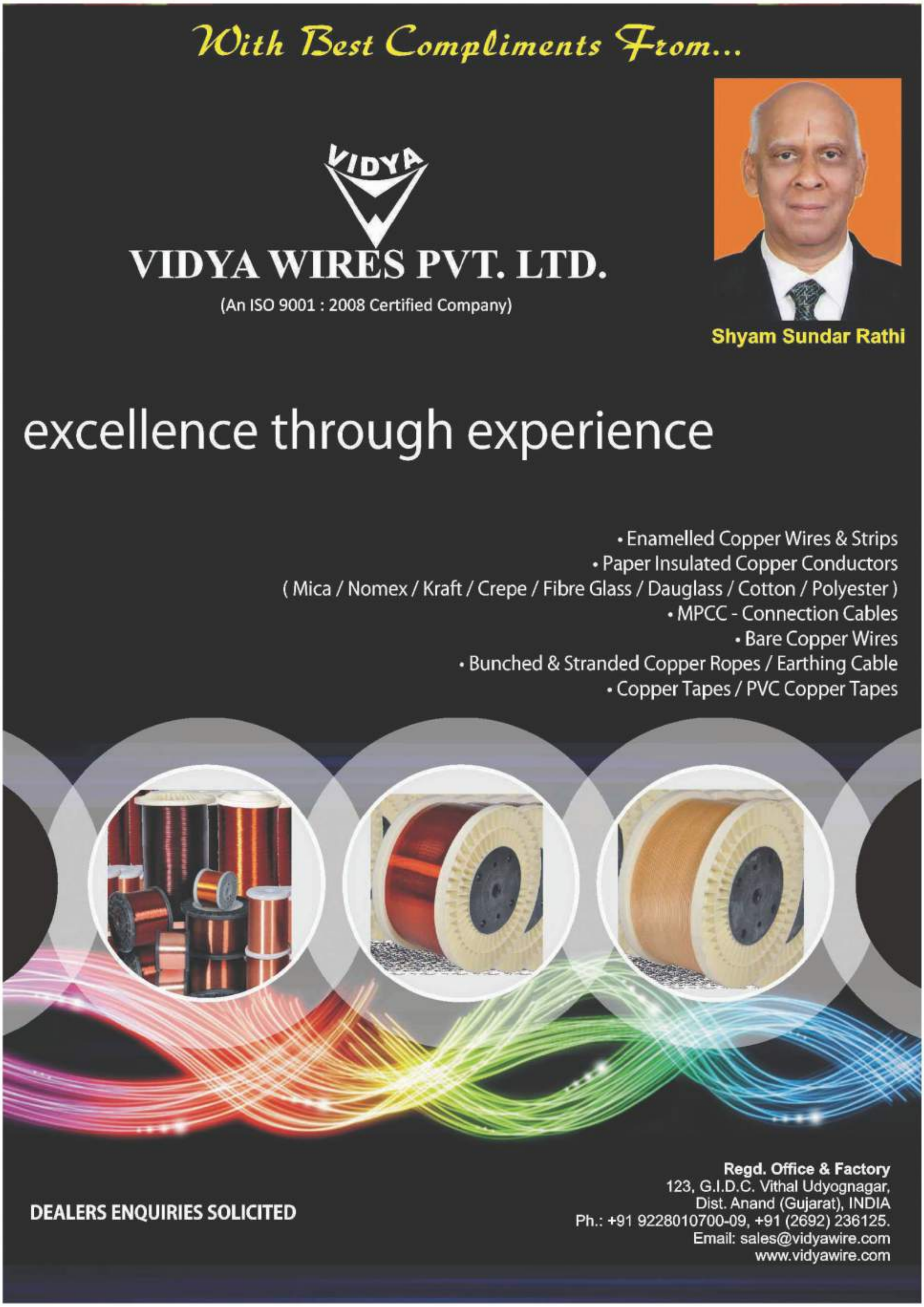

With Best Compliments From...
VIDYA
VIDYA WIRES PVT. LTD.
(An ISO 9001 : 2008 Certified Company)
Shyam Sundar Rathi
excellence through experience
• Enamelled Copper Wires & Strips
• Paper Insulated Copper Conductors
(Mica / Nomex / Kraft / Crepe / Fibre Glass / Dauglass / Cotton / Polyester)
• MPCC - Connection Cables
• Bare Copper Wires
• Bunched & Stranded Copper Ropes / Earthing Cable
• Copper Tapes / PVC Copper Tapes
DEALERS ENQUIRIES SOLICITED
Regd. Office & Factory
123, G.I.D.C. Vithal Udyognagar,
Dist. Anand (Gujarat), INDIA
Ph.: +91 9228010700-09, +91 (2692) 236125.
Email: sales@vidyawire.com
www.vidyawire.com

मकान की नींव ही कमजोर हो गयीं तो मकान गिरने का डर ज्यादा रहता हैं। आज तलाक की समस्या हर समाज में है और इसके लिये हम सब कहीं ना कहीं जबाबदार हैं क्योंकि सारी परिस्थितियों, गलतियों मे हम सब भी जाने अनजाने में भागीदार हैं। अधिकतर हम सब भी मूलभूत कारणों को समझने की बजाय अपने फायदे-नुकसान अनुसार परिस्थितियों का आकलन करते हैं और आदमी देखकर तिलक करते हैं। आज कुछ समस्याएं कैंसर की तरह समाज को खोखला कर रही हैं इसलिये जरूरत है कि हम समस्याओं के कारणों पर खुले निष्पक्ष मन से चिंतन करें।

क्यों बिखर रहे हैं दाम्पत्य के रिश्ते

शरद गोपीदासजी बागड़ी
नागपुर

संयुक्त परिवार का टूटना

संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार होने से सदस्यों, बच्चों में केयरिंग, शेयरिंग, संवेदना, सहनशीलता, अपनेपन की बेहद कमी होती जा रही हैं। घर परिवार में साथ रहने से बच्चों को दादा-दादी, काका-काकी, बुआ, नाना-नानी से संस्कार व हमारी संस्कृति की जानकारी मिलती थी। बच्चों को बचपन से त्याग, अपनापन, रिश्तों के महत्व की समझ आती हैं जिससे विपरीत परिस्थितियों में भी वह रिश्तों को जोड़े रखने का महत्व समझता है। संयुक्त परिवार में हर सदस्य पर एक दूसरे का मानसिक दबाव-अंकुश रहता है।

बच्चे जो देखते वहीं सीखते हैं

हर पेरेंट्स को यह समझना बेहद जरूरी है कि बच्चे वह नहीं सीखते जो हम उन्हें सिखाते हैं बल्कि बच्चे वहीं सीखते है जो वो देखते हैं। इसलिए हर पेरेंट्स को बच्चों के सामने अत्यंत मर्यादित व्यवहार करने की जरुरत है। आज हर घर में बड़ों में भी बहुत 'अहं-ईगो' रहता है और हम हर रिश्ते में सिर्फ़ दूसरो को झुकाकर जीतना चाहते हैं। हम पेरेंट्स बच्चों के सामने अनजाने में रिश्तों के साथ गलत व्यवहार की शिक्षा देते हैं। बच्चे बड़े होकर वहीं सब करते हैं।

बच्चों में अहं का बढ़ता प्रमाण

अर्थशास्त्र का 'डिमांड एंड सप्लाई' नियम परिवार पर भी लागू होता है। आजकल परिवार में अधिकांशतः एक ही संतान होती है जिसको पेरेंट्स बहुत ही लाड़ प्यार से पालते हैं व अधिकतर उसकी हर जिद, फरमाइश पूरी की जाती हैं, इस कारण बच्चों को 'नहीं' शब्द सुनने की आदत नहीं। इस पर भी उनकी पढ़ाई कॉन्वेंट स्कूलों में होती है जिससे संस्कारों की कमी हो जाती हैं। बच्चों में 'ईगो', 'अहं' व 'जिद' की मात्रा बहुत ज्यादा हो गयीं इसलिये बच्चे लड़का हो या लड़की झुकना पसंद नहीं करते बल्कि सामने वाले को झुकाने में उनके अहं, ईगो की संतुष्टि होती हैं। शादी के बाद पति-पत्नी दोनों के अहं-ईगो टकराते है और चिनगारी 'शोलों-ज्वाला' में कब बदल जाती है, पता ही नहीं चलता।

जबाबदारियों से हो रहे दूर

शायद मेरी इस बात से कई लोग सहमत नहीं हों लेकिन अधिकांश मामलों में यह भी एक कड़वा सच है कि शहरों में बेटे-बेटियों की पढ़ाई-लिखाई घर परिवार से दूर होस्टल में होती हैं, जहाँ उन्हें स्वछंद, स्वतंत्र वातावरण में बिना किसी रोकटोक रहने की आदत पड़ जाती है। शहर में रहते हुये बच्चों का सुबह से रात तक स्कूल, कॉलेज, ट्यूशन, दोस्तों-सहपाठियों के साथ समय गुजरता है। पेरेंट्स भी बच्चों को पारिवारिक जिम्मेदारियों, तनाव से दूर रखते हैं। पढाई करते करते उम्र बढ़कर परिपक्व हो जाती है और अधिकांश मामलों में बच्चों के मन मे यह भावना भर दी जाती हैं कि झुकना मत। बेटियों को शादी के बाद उनको सास, ससुर व ससुराल के रिश्ते बोझ लगने लगते है।

बचपन से ही अति महत्वाकांक्षी

हम बच्चों को बचपन से ही बड़े-बड़े सपने दिखाकर मनी माइंडेड बनाते हैं। आज हम सब चाहते हैं कि हमारा बच्चा बड़ा होकर बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब करें। अधिकतर शहरी मामलों में आजकल बच्चों की सैलरी-कमाई पेरेंट्स से ज्यादा होती हैं जिससे वो माता-पिता को तुच्छ समझने लगते है और स्वच्छंद, स्वतंत्र जीवन पसंद करते हैं इसलिए माता-पिता की शिक्षा, सीख, रोकटोक पसंद नहीं करते। सारांश में हम कह सकते है कुछ समस्या के लिये परिस्थितियां जिम्मेदार हैं लेकिन कुछ समस्याओं के लिए हम सब जिम्मेदार हैं इसलिये हमें सारी बातों पर गौर करते हुए समाधान करना जरूरी है।

MANTRI

GRANITE INDUSTRIES

MANUFACTURER OF QUALITY GRANITE SLABS & TILES

- **BULK QUANTITY AVAILABLE FOR HOTELS SCHOOL & OTHER PROJECTS**
- **LARGEST CHAIN OF NATURAL STONES IN INDIA**
- **PRODUCTS AVAILABLE IN LIVELY COLORS & TEXTURES**

HIGHEST QUALITY GRANITES AVAILABLE AT UNBEATABLE PRICE

SP-7, PHASE IV RIICO IND. AREA, MADANGANJ-KISHANGARH
MOB. 9414116683, 9999382337, 9829186946
E-mail: mantrigranitindustries@gmail.com

OTHER OUTLETS

NEW DELHI, HYDERABAD, AURANGABAD
BHUBANESWAR, NELLORE, MAKRANA, JAIPUR

खाद्य पदार्थों में मिलावट की खबरें अक्सर पढ़ते हैं और चिंतित भी होते हैं। लेकिन समस्या होती है, तो यह कि अपने स्तर पर मिलावट को पहचानें तो कैसे? आइये जानें मसाले में होने वाली मिलावट को कैसे पहचानें?

मसाले में ये कैसी-कैसी मिलावट

कैलाशचंद्र लड्ढा, भीलवाड़ा

खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए हर घर की रसोई में मसालों का इस्तेमाल होता है। पहले के समय में महिलाएं सभी मसाले खुद घर में पीस कर तैयार किया करती थीं। लेकिन आज के व्यस्त जीवन में बहुत कम लोग घर में ही मसाले बना पाते हैं। आजकल बहुत आसानी से सभी मसाले बाजार में तैयार उपलब्ध भी हैं। बाजार में बिकने वाले ये मसाले कितने शुद्ध हैं और कितने मिलावटी इसका तो अंदाजा भी आप नहीं लगा सकते। सूत्रों के अनुसार यूपी के हाथरस में पुलिस ने गधे की लीद से मसाले बनाने वाली फैक्ट्री का भांडा फोड़ किया था। हाथरस में स्थानीय ब्रांड के मसाले बनाने वाली एक फैक्ट्री में गधे की लीद, भूसा और एसिड का इस्तेमाल कर मसाले तैयार किए जाते थे। इस फैक्ट्री में गधे की लीद और एसिड से धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला आदि मसाले बनते थे।

ऐसे करें मिलावट की पहचान

केसर - केसर काफी महंगी आती है और इसमें मिलावट भी बहुत ज्यादा होती है। इसे पहचानने के लिए केसर के एक बाल को हाथ में लें और तोड़ने की कोशिश करें। अगर यह असली होगा, तो आसानी से नहीं टूटेगा। इसमें मिलावट के लिए भुट्टे के बाल रंग करके मिलाए जाते है, नकली बाल जल्दी टूट जाता है।

धनिया - धनिया में मिलावट करने के लिए सबसे ज्यादा जंगली घास पीस कर मिलाई जाती है। सूखने के बाद इस घास का रंग भी धानिए जैसा हो जाता है। असली धनिए की खुशबू बहुत तेज होती है। अगर पीसे हुए धनिए से खुशबू कम या न के बराबर आ रही है तो समझ जाए कि वह नकली है।

हल्दी पाउडर - हल्दी की पहचान करने के लिए इसे पानी में डालिए। अगर पानी में डालते ही हल्दी का रंग जल्दी गायब हो जाए तो वो नकली है। वहीं असली हल्दी हल्के पीले रंग की होती है। बाजारो में खउली हल्दी गहरे पीले रंग की मिलती है। यही असली हल्दी की पहचान है।

नमक - नमक में भी बहुत मिलावट की जाती है। खाना कैसा भी हो शाकाहारी या मांसाहारी सभी में नमक इस्तेमाल होता है। इसे चेक करने का तरीका यह है कि एक आलू को दो हिस्सों में काटकर उस पर नमक लगा दें। उस पर नींबू के रस की कुछ बूंदें डाल दें। 10 मिनट बाद चेक करें कि अगर उसका रंग नीला हो जाए तो वो आयोडाइज है, अगर नहीं होता है तो वो नकली नमक है।

लाल मिर्च पावडर - ज्यादातर लाल मिर्च पाउडर में मिलावट के लिए ईंट पाउडर, नमक पाउडर या तालक पाउडर का यूज किया जाता है। इस तरह की मिलावट का पता लगाने के लिए आप एक कांच के गिलास में सादा पानी लें। अब इसमें एक चम्मच मिर्च पाउडर मिलाएं और 5 मिनट के लिए छोड़ दें। अगर मिर्च पाउडर में मिलावट है तो यह अपना रंग बदल देगा।

काली मिर्च - काली मिर्च में मिलावट जांचने के लिए पांच ग्राम काली मिर्च एक ग्लास अल्कोहल में डालें। यदि पांच मिनट बाद भी कुछ बीज तैरते रहें तो उसमें पपीते के बीज या काली मिर्च के खोखले मिर्च की मिलावट की गई है।

सभी समाज बंधुओं को महेश नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएँ

ॲड. मोतीसिंह मोहता
मा. अध्यक्ष एवं सदस्य
बार कॉन्सिल ऑफ महाराष्ट्र - गोवा
अध्यक्ष
दि. बैरार जनरल एज्युकेशन सोसायटी
प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य
भारतीय जनता पार्टी, महाराष्ट्र

ॲड. हेमसिंह मोतीसिंह मोहता

उपाध्यक्ष
विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन
मा. अध्यक्ष
माहेश्वरी प्रगति मंडल, अकोला
मा. सचिव
बार असोसिएशन, अकोला

कार्यालय : जय प्लाझा, संतोषी माता मंदिर के सामने, अकोला
निवास : शिवाजी पार्क के पास, अकोला
मो.9422938600, 9422808600

www.rathi.com

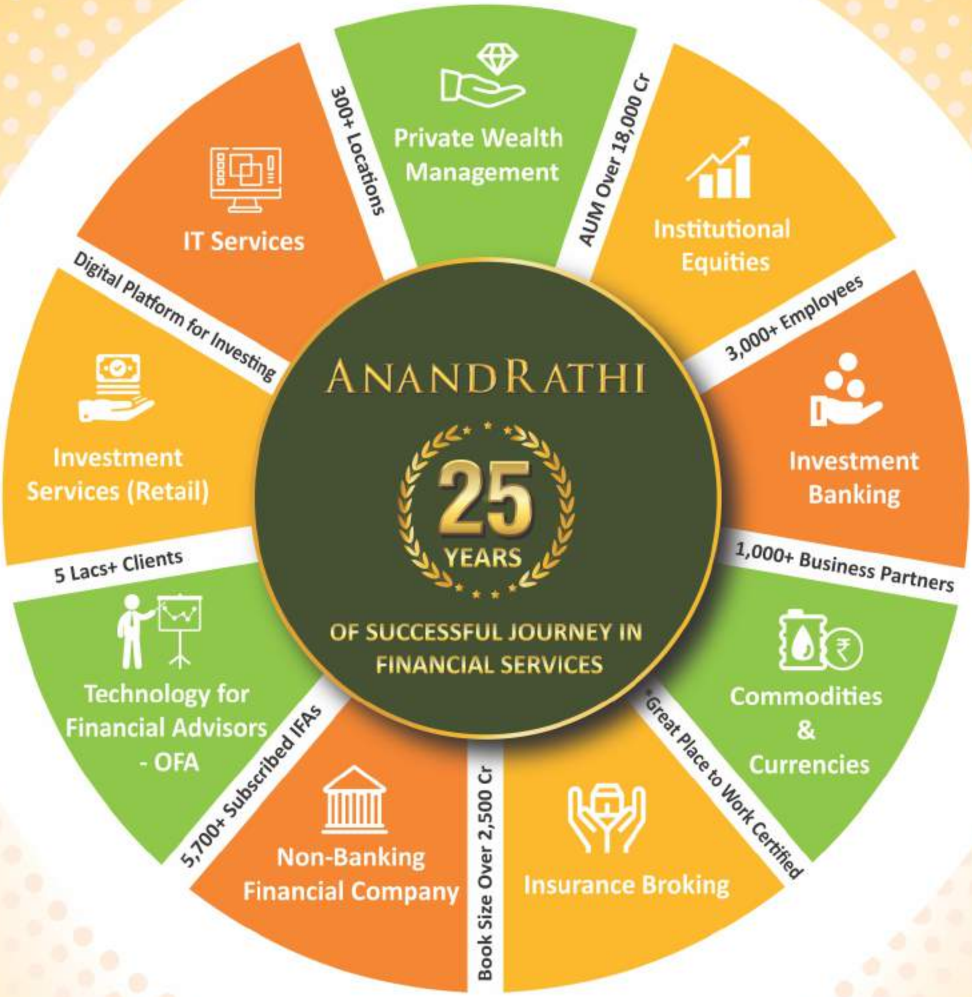

ANANDRATHI

Call us on 1800 200 1002 / 1800 121 1003 or log on to www.rathi.com

Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd. / AnandRathi Advisors Ltd.
Regd. Office: Express Zone, A Wing, 9th Floor, Western Express Highway, Opposite Oberoi Mall, Goregaon (E). Mumbai - 400063. India. Tel: 022 6281 7000
BSE (Mem.ID.949) CM: INB011371557 FO: INF010676931 BSE CD: Exchange Regn. | NSE (Mem.ID.06769) CM: INB230676935 FO: INF230676935 CD: INE230676935 | MSE (Mem.ID.1014) CM: INB260676938 FO: INF260676938 CD: INE260676935 | DP- NSDL: IN-DP-NSDL-149-2000, CDSL: IN-DP-CDSL-04-99. | Research Analyst - INH000000834 | MCX: MCX/TCM/CORP/0525 Mem.ID.: ITCM8500 | NCDEX: NCDEX/TCM/CORP/0178 Mem.No.: TCM00147 | NCDEX SPOT: NCDEXSPOT/043/CO/08/10050 Mem.No.: 10050 | PMS: INP000000282 | MBD-INM000010478 | Investment Adviser: INA000000268 | AMFI: ARN-4478 is Registered under "Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd." | ARN-100284 is Registered under "AR Wealth Management Pvt. Ltd." | ARN-111569 is Registered under "AR Venture Fund management Pvt. Ltd." --We are a distributor of Mutual Fund. Anand Rathi Global Finance Limited is registered as NBFC Regn. No.: B-13.01682. Insurance is registered under "Anand Rathi Insurance Brokers Ltd." License No. 175. PMS registered under Anand Rathi Advisors Ltd. Insurance Products are distributed under Anand Rathi Insurance Brokers Ltd. PMS, PAS & Wealth Management are not offered in commodities segment. Commodities is registered under Anand Rathi Commodities Ltd. | *Anand Rathi Wealth Services Limited.

Disclaimer: Investment in securities market are subject to market risks, read all the related documents carefully before investing. Investments in Mutual Fund are subject to market risk, read all the related documents carefully before investing.

महेश नवमी के पावन पर्व को हम सभी समाजवासी उत्साहित हो धुमधाम से मनाते हैं किंतु केवल उत्सवपूर्ति को भव्य रुप देने से हमारे दायित्वों की इतिश्री नहीं होती। उत्सव के साथ ही हमें आत्मचिंतन कर अपने भीतर कुछ सकारात्मक बदलाव लाने होंगे तभी सही मायने में हम इसे सार्थक समझेंगे। भगवान महेश ने हमें त्याग, समर्पण, सेवा और ना जाने कितने ही बहुमूल्य संदेश दिये हैं जिनका अंश मात्र अनुसरण करने का प्रयास भी हम करते हैं तो जीवन जीने की राह आसान और खुशनुमा हो जायेगी। आज हर मानव जो विषम स्थितियों के दौर में अनेक त्रासदियों से गुजर रहा हैं, वह त्रासदियां भी कुछ मात्रा में ही सही निश्चित रुप में कम हो जायेगी। इसके लिये पौराणिक समुद्र मंथन की तरह आत्ममंथन जरूरी है।

'समुद्र मंथन' की तरह करें आत्ममंथन

राजश्री राठी, अकोला

समुद्र मंथन के दौरान भगवान विष्णु ने कच्छप बनकर मंथन में भाग लिया था। समुद्र के बीच वे स्थिर थे, उनके उपर मंदरांचल पर्वत स्थापित कर वासुकी नाग को रस्सी बनाकर देवता और दैत्यों ने मिल मंथन करना प्रारंभ किया तो चौदह रत्नों में सर्वप्रथम जल द्वारा हलाहल उपर आया जिसकी प्रखर ज्वाला से सभी देवताओं और दैत्यों को जलन होने लगी। प्रायः हम देखते हैं, जब भी कोई वस्तु बाँटी जाती है अथवा मिलती है तो हम सर्वश्रेष्ठ हमें मिले इसी जहोजहद में लगे रहते है। इस से विपरीत भगवान महेश ने तत्काल उदारता धारण कर मंथन के दौरान निकला हुआ हलाहल हथेली में रख स्वयं प्राशन किया। उस विष को ना निगला ना उगला निगलते तो स्वयं को हानि और उगलते तो सर्वनाश निश्चित था। सर्वनाश की स्थिति उत्पन्न ना हो इसलिए शिव जी ने विष को कंठ में धारण किया।

नकारात्मकता से न खोऐं संयम

प्रायः नकारात्मकता के चलते हम संयम खो देते है और अपनी वाणी से कई बार विष रुपी कटु वचन उगल देते हैं या उसे अपने भीतर रख मन ही मन हम कुढ़ते रहते हैं और स्वास्थ्य को हानि पहुँचाते है। मन में द्वेष, ईर्ष्या का पौधा वटवृक्ष का रुप ले लेता हैं। वास्तविकता से हम भलीभाँति परिचित है, किसी के दिल को ठेस पहुँचाते समय दूसरों के साथ ही हम स्वयं भी आहत होते हैं। इसमें कई बार पारिवारिक, सामाजिक, व्यवसायिक संबंधों की आहुति देनी पड़ती है जिसके चलते तनाव की जो स्थितियां हम स्वयं निर्मित करते है, वह अनेक बीमारियों को न्यौता तो देती ही है साथ ही हमें अवसाद के कटघरे में लाकर खड़ा कर देती है और पश्चाताप की अग्नि में जलने के सिवा कोई पर्याय हमें नजर नहीं आता। भौतिक माया यह मृग मरीचिका का मायावी जाल है जो हमें कितना ही आकर्षित क्यों ना करे, इसे पाने के लिए हम कितने ही रुख अपनायें किंतु इस से मिलने वाला सुख स्थाई नहीं है। विधि का विधान निश्चित है और काल जब हमें अपने आगोश में समाहित करेगा तो केवल कर्मफल ही साथ होंगे।

श्रेष्ठ कर्मों का मिलता है फल

श्रेष्ठ कर्मों का फल बीमा पॉलिसी की तरह जीवन के साथ भी और जीवन के बाद भी हमें लाभान्वित ही करता है। तो क्यों ना इस महेश नवमी के पावन पर्व पर हम सभी समाज वासी मन में दृढ़ निश्चय कर प्रण लेवें 'छोटी छोटी बातों में तिल का ताड़ बनाने की अपनी मनोवृत्ति पर विराम लगायेंगे।' प्रत्येक व्यक्ति में गुण दोष विद्यमान होते हैं, बस जरुरत है, आपसी रिश्तों में थोडा सा तालमेल बैठाकर चलने की। जीवन में आये कुछ कड़वे अनुभव व प्रसंग नजरअंदाज कर चलेंगे तो जीवन यात्रा का आंनद ले पाएंगे वरना बोझिल कदमों से राह कष्टदायक होगी। नम्रता का आभुषण सर्वोत्तम है इसे पहन लिया जाए तो कुछ समस्याओं पर खुद बखुद विराम लग जाएगा। अपनी वाणी में मिश्री सी मिठास घोलकर कही गई बात निश्चित तौर पर सकारात्मक और प्रभावी होगी तो क्यों ना हम भी उदारता का परिचय देते हुए जीवन यापन करने की आदत डालें, जिससे हमें आत्मिक संतुष्टि के साथ ही स्वास्थ्य लाभ होगा। भगवान महेश जब विष प्राशन कर रहे थे तो कुछ बुंदें नीचे गिर गई। आज सॉंप - बिच्छू उसी का रुप हैं। उसी तरह हम जरा भी कटु वचनों को अपने जीवन में शामिल कर चलेंगे तो हमारे अपने भी हमसे दूरियां बना लेंगे। तो आओ इस वर्ष महेश नवमी का पावन पर्व उत्साहित हो मनाते हैं। बाह्य उत्सव तो निश्चित ही कोरोना के अनुकूल होगा किंतु शांति का एक दीप अपने भीतर प्रज्वलित कर आंतरिक मन को रोशन करते हैं।

प्रकृति की दुर्लभ औषधि शाक

शाक अर्थात् पत्ती वाली सब्जियाँ ये वैसे तो हमारे भोजन का एक हिस्सा हैं। लेकिन आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि कुछ ऐसी ''शाक'' हैं, जो विशिष्ट औषधि से कम नहीं हैं। आईये जानें ऐसी दुर्लभ विशिष्ट पत्र शाकों के बारे में जो हमारे लिये हैं, कुछ खास।

टीम SMT

वास्तुक- इसको मराठी में चाकवत नाम से जाना जाता है और हिंदी में बथुआ अथवा चिल्लीशाक कहते हैं। इसी के वास्तूक, वास्तुक, क्षारपत्र अथवा शाकराट् यह पर्यायी हैं। बड़े पत्ते वाले और रक्तवर्णी वास्तुक को गौड वास्तुक कहते हैं। यह अधिकतर यव के खेत में उगता है। अतः बथुआ को यवशाक भी कहते हैं। दोनों प्रकार के बथुए स्वादिष्ट, क्षारयुक्त, कटु, विपाकी, अग्निदीपक, पाचक, रुचिकारक, लघु, शुक्र तथा बल को बढ़ाने वाले होते हैं।

यह सारक है तथा प्लीहा, रक्तपित्त, अर्श, कृमि तथा त्रिदोष की नाशक है। चरकाचार्य ने व्याधि चिकित्सा में अनेक स्थान पर वास्तुक का उपयोग बताया है। रक्तपित्त चिकित्सा में रुग्ण को विबन्ध रहने पर वास्तुक का उपयोग बताया है। इसी तरह आचार्य चरक ने अर्श, कास, अतिसार, उरुस्तंभ, वातरक्त, पुरीषक्षय में वास्तुक का उपयोग किया है। सुश्रुताचार्य के अनुसार वास्तुक कटु, विपाकी, कृमिघ्न, मेधा, अग्नि और बल वर्धक है। इसमें क्षारों की उपस्थिति है। त्रिदोषघ्न है तथा रुचि उत्पन्न करने वाला तथा सर गुणात्मक है। क्षारों की उपस्थिति रहने से मूत्राश्मरी, वृक्कश्मरी जैसे विकारों में यह अपथ्य है। क्षारों की उपस्थिति रहने से इसका आहार में उपयोग करते समय अम्ल वर्ग के द्रव्य जैसे अम्लिका (चिंचा), निम्बुक, वृक्षाम्ल के साथ पकाया जाता है। जिससे क्षार और अम्ल के संयोग से माधुर्य की उत्पत्ति होती है और शरीर पर हानिकारक परिणाम नहीं होते।

पोतकी - इसके गुणधर्म वास्तुक के समान ही होते हैं। इसको मराठी में 'मायाळु' नाम से जाना जाता है। हिंदी में इसे पोई कहते है। यह शीत, स्निग्ध, कफकारक और वातपित्तघ्न है। कण्ठ के लिए हितकारक नहीं है। यह पिच्छिल गुणात्मक है। निद्रा और शुक्रकारक तथा रक्तपित्तनाशक है। यह बलकारी, रुचि उत्पन्न करने वाली, पथ्य, बृंहण और तृप्तिकारक है।

सुश्रुत के अनुसार - विष से उत्पन्न, मद्य से उत्पन्न तथा शोणित विकार में वर्णित मद रोग का नाश करती है। साथ ही सर, स्निग्ध, बल्य, शीत, कफ उत्पन्न करने वाली, वात पित्तघ्न, वृष्य और मधुर रसविपाकी है। वाग्भटाचार्य ने भी मेदोघ्नी ऐसे वर्णन किया है। चरक ने अर्श चिकित्सा में उपोदिक का उल्लेख किया है (च.चि. 14/126)। साथ ही चरक ने अतिसार में भी शूल युक्त अन्य शाक जैसे मूलक, वास्तुक आदि के साथ उपोदिका का उपयोग किया है। (च.चि.19/33) पोतकी तैल का उपयोग भाव प्रकाश ने सुखप्रसव के लिए भी बताया है। पोतकी मूल कल्क में तिल तैल मिलाकर योनि के आभ्यंतर लेप करने से सुखपूर्वक प्रसव होता है।

मारिष - यह दो प्रकार का होता है। श्वेत मारिष और रक्त मारिष। इसे मराठी में माठ नाम से जाना जाता है।

''मारिषो मधुरः शीतो विष्टम्भी पित्तनुद् गुरुः।''

श्वेत मारिष-मधुर, शीत, विष्टम्भजनक, पित्तनाकश, गुरु गुणात्मक वातकफकारक एवं रक्तपित्त विषमाग्नि का शमन करने वाला है। रक्त मारिष किंचित गुरु, क्षारयुक्त, मधुर रस, कटु विपाकी, सारक कफजनक तथा स्वल्प दोष वाला होता है। अष्टांग हृदय में वर्णन करते हुए कहा है, मारिष मधुर, रुक्ष, लवण युक्त, वात कफ कारक, गुरु, शीत, अधिक प्रमाण में मलमूत्र उत्पन्न करने वाला, विष्टम्भी होता है। इसका उपयोग करते समय, पकाते समय अधिक प्रमाण में स्नेह (तेल, घृत) का उपयोग करें। इस प्रकार पकाने पर यह अतिदोषकारक नहीं होता।

तण्डुलीय - इसे मराठी में काटे माठ और हिंदी में चौलाई शाक के नाम से भी जाना जाता है। चौलाई लघु, शीत, रुक्ष, मूत्र तथा मल को अधिक मात्रा में निर्माण करने वाली, रुचिकारक, अग्निदीपक, पित्त, कफ, रक्त विकार तथा विष का नाश करने वाली है। मधुर रसविपाकी, रुक्ष, पित्त तथा मद नाशक, तण्डुलीय शीततम अर्थात् अत्यंत शीत गुणात्मक है। यह विषनाशक भी है। पानीय तण्डुलीय यह एक तण्डुलीय की उपजाति है। यह तिक्त रसात्मक, लघु, रक्तपित्त तथा वात दोष नष्ट करता है। चारकाचार्य ने रक्तपित्त चिकित्सा में तण्डुलीय का उपयोग बताया है। रक्तपित्त चिकित्सा में पथ्यकर शाक अच्छी तरह स्विन्न कर अथवा घृत में भर्जन कर यूष बनाकर सेवन कराऐं। इसमें तण्डुलीय यूष का उपयोग कर सकते हैं।

पालक्य - मराठी तथा हिंदी दोनों में ही यह पालक नाम से जाना जाता है। पालक वात कफकारक, शीत, मलभेदन करने वाला, गुरु गुणात्मक है। सुश्रुताचार्य के अनुसार यह बद्धविण्मूत्र अर्थात् मल एवं मूत्र को बांधने वाला है। अन्यत्र इसे सर कहा गया है। परंतु यह आम मल तथा मूत्र को बद्ध करता है और पक्क मल का सरण करता है। राजनिघण्टु के अनुसार यह ग्राही और परं संतर्पण गुणयुमुक्त है।

अक्सर समाज में देखा जाता है कि जब समाजजन संगठन के किसी पद पर आसीन होते हैं, तब सक्रियता से कार्य करते हैं और पद से हटते ही निष्क्रिय हो जाते हैं। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि क्या समाजसेवा के लिये पद जरूरी है? आखिर वे पद पर रहते हुए तो काम कर सकते हैं, लेकिन पद के बिना नहीं, ऐसा क्यों? क्या बिना पद के सेवा करने में बाधा उत्पन्न होती है? क्या बिना पद के समाजसेवा नहीं हो सकती अथवा नहीं की जा सकती? आखिर ऐसा होता है तो क्यों? क्या हम पद पर न रहते हैं तो अपने सामाजिक कर्त्तव्य भूल जाते हैं? अथवा हम बिना पद प्रतिष्ठा के समाजसेवा करना ही नहीं चाहते? आइये जानें समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

"क्या समाजसेवा के लिए जरूरी है पद?"

सेवा के उच्च मापदंड हेतु पद जरूरी

यदि समाजसेवा के उच्च मापदंड स्थापित करना हों तो निःसंकोच समाजसेवा के लिये पद जरूरी है। बिना पद सेवा सीमित ही हो सकती है। बिना पद और पद के साथ समाज सेवा में वही अंतर है जो सड़क पर चलते हुये बांसुरी बजाने और मंच पर बांसुरी बजाने वाले में होता है। पद पर रहते हुये सैकड़ों आँखे, सैकड़ों कान आपके कार्य को देखते और सुनते हैं, इसलिये समाजसेवा का कार्य समयबद्ध और व्यवस्थित होता है। एक बार पद पर आने के बाद जो सक्रियता आती है वह हमेशा किसी ना किसी रूप में बरकरार रहती है। समाजसेवा निरन्तर एवं सुचारू रूप से जारी रहे उसके लिये आवश्यक है, हमारा व्यक्तित्व नेतृत्व अहंकारविहीन, सहनशील, निष्पक्ष एवं सामंजस्य के साथ काम करने वाला हो। दो अक्षर और दो मात्रा से बने सेवा शब्द के समुन्दर में हर कोई गोता लगाकर भवसागर को पार करने की जुगत में लगा हुआ है। पद पर रहते ठीक से सेवा नहीं की तो सागर में डूबने यानि छवि खराब होने के भी पूरे चांस होते हैं।

■ **श्यामसुन्दर जेठा**, जबलपुर

सेवा में पद-प्रतिष्ठा की लालसा नहीं

दिल में लगन, मन में भाव, दिमाग में एहसास और संतुष्टि पाने की चाहत हो तो कदम अपने आप आगे बढ़ते जाते हैं। सार्थक भी तभी होते हैं जब न कोई तमन्ना हो प्रशंसा पाने की न कोई स्वप्रचार या स्वार्थ हो ना ही कोई वाहवाही या दूसरों को दिखाने की लालसा हो। केवल पुण्याई या परोपकार की लालसा मन में हो न कि पद की जरूरत है, न ही किसी मान-सम्मान की।यदि सिर्फ समाज सेवा की खातिर पद की लालसा है तो आप कार्य कर ही नहीं सकते वरन् समाज को गलत दिशा भी दे सकते हैं। जब समाज को पद के माध्यम से सीमित समय के लिए ही समाज सेवा करना हो तो आप कुछ न करें वही ठीक है। पद पर रहकर बहुत से बंधन 'लेकिन' 'किंतु' 'परंतु' के भी होते हैं जहां वह बंधनों में बंधकर खुले दिल से यह कार्य निस्वार्थ भाव से कर सकने में अपने आप को असहज महसूस करते हैं। अतः ध्येय यही होना चाहिए कि औरों को आगे बढ़ाने में पर्दे के पीछे रहकर बिना पद के भी आप समाज सेवा का कार्य बखूबी कर सकते हैं।

■ **भरत काबरा**, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

पद नहीं इच्छाशक्ति जरूरी

सेवा शब्द ही अपने आप में यह दर्शाता है कि वह किसी का मोहताज नहीं है। अतः हमारे यहां कहा जाता है निःस्वार्थ सेवा कीजिये । सेवा के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। यह अनुभव अभी-अभी कोरोना काल में पिछले डेढ़ वर्ष में किया है। हमने देखा कि लोगों ने तन, मन, धन, लगन से निःस्वार्थ सेवा की है। जिसके लिए उन्हें किसी पद की आवश्यकता नहीं पड़ी, जिससे जो भी बन पड़ा उसने वह निःस्वार्थ सेवा की। इसी तरह हम सिख समाज को भी वर्षों से देखते आ रहे हैं कि वे गुरुद्वारे में किस तरह से अपनी सेवाएं देते हैं,वहाँ छोटा-बड़ा,गरीब-अमीर किसी तरह के भेद बिना कार सेवादार झूठे बर्तन धोने, जूते-चप्पल साफ करने तक की सेवाएं देते हैं। यह हमारे मन का भ्रम है कि सेवा के लिए पद की आवश्यकता होती है, मेरा मानना है कि सेवा के लिए किसी पद की आवश्यकता नहीं है। हमारे मन में सेवा भाव और दृढ़ इच्छाशक्ति होने से ही सेवा की जा सकती है। इसके लिए पद की कोई भी आवश्यकता नहीं है और समाज सेवा में तो बिल्कुल भी नहीं है।

■ **संजीव सोमानी**, भोपाल

निःस्वार्थ सेवा ही सच्ची समाजसेवा

मेरा उपर्युक्त विषय में बिल्कुल स्पष्ट अभिमत है कि समाजसेवा के लिए पद का होना आवश्यक नहीं। सच्ची समाज सेवा वही है कि जिस में प्रदर्शन न हो और दूर दूर तक कोई स्वार्थ न हो। यह बात दीगर है कि पद प्राप्त व्यक्ति को कुछ विशेष अधिकार अवश्य प्राप्त हो जाते हैं। किन्तु जिस व्यक्ति/ समूह में सच्ची समाज सेवा का जज्बा होता है वह कभी पद मिलने की महत्वाकांक्षा नहीं रखता। पद मिलने के पीछे लोकेषणा का भाव व्यक्ति की मानसिकता में प्रछन्न रूप से अवश्य रहता है, ऐसा मेरा मानना है। किन्तु जिनकी मानसिकता में समाज सेवा का विशुद्ध भाव रहता है वह बिना पद,बिना प्रचार के भी समाज सेवा में रत रहता है। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं जो बिना पद के गोपनीय रूप से समाज सेवा करते आये हैं और आज भी कर रहे हैं, समाज सेवा को भी प्रभु सेवा मान कर।

■ **रमेशचंद्र माहेश्वरी**, बिजनौर (उ.प्र.)

सेवा के लिये अंतर्मन से लगन जरूरी

वास्तव में देखा जाऐ तो समाजसेवा के लिए पद की बजाए अंतर्मन से लगन होना जरूरी है। इसके लिये जरूरी है कि हम पद पर रहें या न रहें लेकिन समाजसेवा में प्रसन्नता जरूर हो और इसे समाज के प्रति कर्त्तव्य मानकर किया जाऐ। समाज के लिये कुछ करने का जज्बा हो। जब समाजसेवा की सच्ची भावना होगी तो ही सच्ची समाजसेवा हो सकती है, चाहे हम पद पर रहें अथवा नहीं। समाज में वर्तमान में भी कई ऐसे लोग हैं, जो बिना किसी पद के भी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। यह उसी का प्रमाण है कि समाजसेवा के लिए पद नहीं बल्कि सेवा भावना जरूरी है। पद से तो जिम्मेदारी बढ़ती है और जिम्मेदारी बढ़ने से समाजसेवा के स्तर में अवश्य सुधार होता है लेकिन ऐसा नहीं कि उसके बिना यह सम्भव नहीं।

■ **रामगोपाल मूंदड़ा**, सूरत
पूर्व उपसभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सेवा में पद लालसा का स्थान नहीं

सेवा के जज्बे में पद की लालसा का कोई स्थान नहीं है। देखने में आता है कि व्यक्ति पद की लालसा में सेवा का पूर्वाभ्यास एवं उसका प्रचार करता है और पद मिलने पर कर्तव्य के बोझ तले सेवा कार्य की औपचारिकता करता है। आश्चर्य तो यह है कि सेवा कार्य के लिये पद प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी पद से मुक्त होने के बाद स्वयं को बोझ मुक्त ही बताता है। इसके विपरीत सेवा भावी व्यक्ति पद पर है या नहीं वो तो सेवा कार्य का अवसर ढूंढते हुए अपना लक्ष्य सिद्ध करने की कोशिश में व्यस्त रहता है। कई बार अवसर मिलने पर भी वह पद के प्रस्ताव को ठुकरा देता है। वह मानता है कि पद पर जाकर उसके सेवा यज्ञ में कुछ बाधा आ सकती है। कुल मिलाकर मेरे मत से तो यह कहना सर्वथा गलत है कि समाज सेवा के लिए पद जरुरी है।

■ **नवनीत राठी**, इन्दौर

समाजसेवा में सहयोगी है पद

प्रश्न जितना सीधा है, उत्तर उतना ही कठिन है। बल्कि बहुआयामी है, उत्तर। मेरे अनुभव के अनुसार सामर्थ्यवान, सक्षम तथा सुयोग्य व्यक्ति को समाजसेवा के लिए किसी पद की आवश्यकता नहीं है। वह विविध प्रकार से समाजसेवा कर सकता है। सांगठनिक स्तर पर समाजसेवा के लिए पद, सहायक होता है। कार्यकर्ता की बात सुनी जाती है और समाजबंधु भी उनके साथ जुटते हैं। कौशलयुक्त, सक्षम, लेकिन आर्थिक दृष्टि से असमर्थ कार्यकर्ताओं के लिए तो पद ही जरूरी है। अन्यथा, उनके गुणों को, उनकी क्षमता को सहजता से स्वीकार नहीं किया जाता। उनकी आवाज़ को भी अनसुना कर दिया जाता है। पद न हो तो व्यापक स्तर पर, समाजबंधुओं का ध्यान भी ऐसे कार्यकर्ताओं पर नहीं जाता।

■ **संजय बिन्नानी**, कोलकाता

'लक्ष्य अगर सर्वोपरि है तो फिर आलोचना, तारीफ और विवेचना कुछ मायने नहीं रखती है'

पद श्रेष्ठ करने की प्रेरणा

जी हाँ, यदि हम किसी संगठन से जुड़कर कार्य कर रहे हैं तो यह प्रश्न अपने आप शून्य हो जाता है । संगठन में हमें कौशल्य अनुसार काम दिया जाता है और संगठन का पद ही हमें यह दायित्व बोध कराता है कि हमें अपनी पूरी क्षमता से संगठन में कार्य करते हुए समाज का कल्याण अपने कार्यकाल में करना है। व्यक्तिगत रूप से किये जा रहे सेवा कार्य को अपने तरीके से करने की स्वतंत्र होती है परन्तु संगठन में पद के साथ यदि अधिकार मिलते हैं तो जिम्मेदारी भी ज़्यादा होती है और मर्यादा भी अधिक निभानी होती है। पद के साथ मिलने वाला सम्मान भी व्यक्ति को एक विशेष खुशी और संतोष देता है जो उसे श्रेष्ठ करने की प्रेरणा भी देता है। एक प्रसिद्ध घोष वाक्य है 'संगठन अपने आप नहीं चलते, उसे चलाने वाले होते हैं लोग'। इसलिये नेतृत्व गुण के समुचित उपयोग और प्रदर्शन के लिये पदेन जिम्मेदारी को जरूरी कहा जा सकता है।

■ **मनोहर रा. मालपाणी** अमरावती (महाराष्ट्र)

पद से ऊपर है सेवा भावना

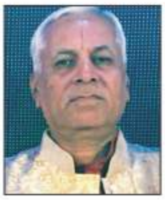

जिन समाज बंधुओं के मन में समाज हित के लिये कुछ भी करने का विचार होता है, उनके सभी सेवाकार्य स्थापित पद से बहुत ऊपर होते हैं । इस विषय पर एक प्रसंग के माध्यम से अपनी बात रखना चाहता हूँ - लगभग सात दशक पूर्व की घटना है मुंबई में (तब बम्बई) एक संस्था का गठन हुआ। जिसका सदस्यता शुल्क दस हजार रुपये था। संस्था के कुछ पदाधिकारी प्रसिद्ध उद्योगपति टाटा के परिवार में गये और दस हजार रुपये की सदस्यता का अनुरोध करते हुए बताया कि उन्हें संस्था में महत्वपूर्ण पद भी मिलेगा और दानदाताओं के सूची पटल पर उनका नाम भी अंकित होगा। तब श्री टाटा ने (श्री रतन टाटा के पूर्वज) ९९८०/- रुपये दिये और कहा मुझे न तो नाम ही लिखवाना है और न ही पद चाहिये। इस प्रसंग में तो आर्थिक पक्ष प्रमुख है, परन्तु कोई भी सेवा कार्य बिना पद के भी किया जा सकता है और हम दृष्टि डालें तो ऐसे कई व्यक्ति हमें समाज में मिल भी सकते हैं जो बिना पद या नाम की लालसा के समर्पित भाव से सेवा कार्य करते हैं ।

■ **शैलेन्द्र गगरानी**, भोपाल

समाजसेवा में पद जरूरी नहीं

मेरे विचार से समाज सेवा के लिए किसी भी पद पर होना ज़रूरी नहीं। मनुष्य में समाज सेवा का भाव होना अनिवार्य है, तभी वह समाज सेवा कर सकता है। भारत में ऐसे कई समाज सेवक हैं, जो कि बिना किसी पद पर रहे समाज में लोगों की सेवा करते आये हैं और उन्हें जन सामान्य में मान-सम्मान तो मिला ही है, सरकार द्वारा भी समय-समय पर सम्मानित किया गया है, जैसे कि मदर टेरेसा, बाबा आमटे, विनोबा भावे, अभय और रानी बंग। किंतु साथ ही यह भी देखा गया है कि किसी पद पर होने से कुछ लोगों में समाज सेवा का जोश आ जाता है, वह अपनी ख्याति के चक्कर में समाज सेवा करने लगते हैं और जैसे ही कार्यकाल समाप्त हुआ कि उनका सारा जोश ठंडा पड़ जाता है और अपने सामाजिक कर्तव्य भूल जाते हैं। अतः मैं समाज सेवा के लिये पद होना ही आवश्यक नहीं मानता ।

■ **राजकुमार जाजु**, नागपुर

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

'मैं' ने मारो हुकम

खम्मा घणी सा हुक्म आपा देखा हुक्म की मनुष्य खुद रो तप-त्याग, ज्ञान-ध्यान रो अहंकार पाल ने रखें वो यां ही सोचे कि म्हासूं बड़ो तपस्वी, और जानकर कुण? हुकम ! इतिहास गवाह है जब व्यक्ति ने बुद्धि रो अहंकार हूँ जावे तो उन्हीं दिन वो खुद रे पतन रो बीज बो देवें । संत लोग तो केयो है कि उपलब्धियों रो बखान करता ही वे दूसरे घर चली जाती हैं।

आप भी मित्रों रे आगे समाज रे लोगो रे आगे आपरी तारीफ करता हुवोला कि मैं इतो दान कियो,इता शास्त्र पढिया.. वगैरह वगैरह... पर आप जिणने सामने तारीफ करों हो सके वे यां सब सुणणों पसन्द ही नहीं हुवें यां भी हूँ सके आपरे पीठ पीछे आपरी मज़ाक उड़ावें कि.. बेकार री बांता करने समय खराब कियो।

हुक्म या बात समझण री है कि कदैई खुद री प्रशंसा नहीं करणी... हाँ... दूसरों री प्रशंसा में कमी कदैई नहीं राखणी। हुक्म सम्मान हमेशा औरों ने देवण वास्ते ही हुवे... खुद री तारीफ करने सम्मान पावण रो प्रयास भूल ने भी नहीं करनो चहिजै।

अक्सर आपा देखा लोगा ने सत्ता रो अहंकार आ जावें कि बहुत बड़ो पद मिल ग्यो है मंत्री, केबिनेट सचिव,अध्यक्ष या ऐड़ो ही कोई ऊंचे पद री पोस्ट मिलगी है।

सता पर बैठा पदासीन या भी याद राखें की कदैई वे सत्ता में नहीं था ... भविष्य भी देख ले कि भूतपूर्व भी बणनो है पछे किण सत्ता रो अहंकार..?

हुक्म अहंकार रे वृक्ष पर केवल विनाश का फल आवे। अहंकार विनाश रो कारण है पद रो माया रो अहंकार ने कदैई भी खुद पर हावी मत हुवण दो.

लोग आपरे पद ने आपरी माया ने नहीं आपरी सरलता ने याद राखेला। जीते जी और मरण रे बाद भी।

मुलाहिज़ा फ़रमाइये

ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- पत्थरों के शहर में कच्चे मकान कौन रखता है...!
  आजकल हवा के लिए रोशनदान कौन रखता है...!!
- अपने घर की कलह से फुरसत मिले तो सुने!
  आजकल पराई दीवार पर कान कौन रखता है...!!
- खुद ही पंख लगाकर उड़ा देते हैं चिड़ियों को..!
  आज कल परिंदों मे जान कौन रखता है..!!
- हर चीज मुहैया है मेरे शहर में किश्तों पर..!
  आज कल हसरतों पर लगाम कौन रखता है..!!
- बहलाकर छोड़ आते है वृद्धाश्रम में मां-बाप को..!
  आज कल घर में पुराना सामान कौन रखता है!!
- सबको दिखता है दूसरों में इक बेईमान इंसान!
  खुद के भीतर मगर अब ईमान कौन रखता है!!
- फिजूल बातों पे सभी करते हैं वाह-वाह..!
  अच्छी बातों के लिये अब जुबान कौन रखता है!!

कार्टून कौतुक

महेश नवमी की हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

बजरंगलाल बाहेती

चेयरमेन

''अभिनंदन'' श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन-जयपुर

ट्रस्टी एवं अध्यक्ष	:	श्री गिरीराज धरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, गोवर्धन (उ.प्र.)
ट्रस्टी एवं उपाध्यक्ष	:	अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, द्वारिका (गुजरात)
ट्रस्टी एवं उपाध्यक्ष	:	अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, जगन्नाथपुरी (उड़ीसा)
ट्रस्टी	:	श्री राम शंकर गोशाला,छापर (चुरु)
ट्रस्टी	:	श्री माहेश्वरी भवन छापर (चारु)
संरक्षक	:	महेश हास्पिटल, जयपुर
ट्रस्टी	:	शेखावटी विकास परिषद, जयपुर
पूर्व उपाध्यक्ष	:	उत्सव माहेश्वरी भवन, जयपुर
भूतपूर्व शिक्षा सचिव	:	माहेश्वरी समाज, जयपुर (2002-12)
कार्यकारिणी सदस्य	:	माहेश्वरी समाज, जयपुर
माहेश्वरी बोर्ड (मुखपत्र) कार्यकारी मण्डल सदस्य	:	अ.भा. माहेश्वरी महासभा
कोषाध्यक्ष	:	जयपुर जिला माहेश्वरी सभा
अध्यक्ष	:	सुजानगढ़ तहसील नागरिक परिषद, जयपुर

बाहेती जेम्स एण्ड ज्वेल्स (प्रा.) लिमिटेड

''गोकुल धाम'', 2030, पिटलियों का चौक, जोहरी बाजार,
जयपुर (राज.) 302003
दूरभाष : 0141-2570415/75, मोः 098290-79200
ई-मेल : bajrang@baheti.in

निवास : सी-1/401-402, कमल अपार्टमेंट-1, बनी पार्क, जयपुर (राज.) 302006

खुश रहें - खुश रखें

हनुमानजी से सीखिए कहाँ बड़ा और कहाँ छोटा होना है

पं. विजयशंकर मेहता (जीवन प्रबन्धन गुरु)

वर्तमान समय में आदमी यह भूल गया है कि कहां बड़ा होना और कहां छोटा होना है। समाज में कई लोग प्रतिष्ठित, मान्य और ख्यात होते हैं। काम-धाम के बाद घर आते हैं, तो इसकी अकड़ और ऐंठ लेकर आ जाते हैं। यहीं से परिवार के सदस्यों से झगड़ा हो जाता है। घर में, परिवार में परस्पर सम्मान का व्यवहार होना चाहिए। अपनी-अपनी जगह सभी का महत्व है।

कहां बड़ा होना और कहां छोटा यह एक कला है। हमारे हनुमानजी इसमें बहुत दक्ष हैं। सुंदरकांड के एक प्रसंग से हम सीख सकते हैं। अशोक वाटिका में हनुमानजी और सीताजी की चर्चा चल रही थी। वे सीताजी को धैर्य बंधा रहे थे किंतु सीताजी का आत्मविश्वास लौट नहीं रहा था।

हनुमानजी ने कहा, ''माँ भरोसा रखें, प्रभु श्रीराम आएँगे और आपको ले जाएँगे। वैसे तो मैं आपको यहां से ले जा सकता हूँ किंतु श्रीराम की ऐसी आज्ञा नहीं है। वे वानरों के सहित आएँगे और राक्षसों का नाश करके आपको ले जाएँगे।'' तब सीताजी ने कहा, ''राक्षस बहुत बलवान हैं और वानर तुम्हारी तरह छोटे-छोट होंगे, इसलिए मुझे संदेह है।''

इतना सुनते ही हनुमानजी ने अपने शरीर को पर्वत के समान विशाल कर दिया। देखकर सीताजी के मन में विश्वास हो गया। हनुमानजी तत्काल छोटे हो गए। उन्हें लगा कि कहीं सीताजी यह नहीं समझ लें कि मैं अपनी बड़ाई कर रहा हूं।

अगली ही पंक्ति में हनुमानजी ने स्पष्ट किया-सुनु माता साखामृग नहिं बल बुद्धि बिसाल, प्रभु प्रताप तें गुरुड़हि खाइ परम लघु ब्याल। यानी हे माता सुनो, वानरों में बहुत बल-बुद्धि नहीं होती परंतु प्रभु के प्रताप से बहुत छोटा सर्प भी गरुड़ को खा सकता है। इस तरह जो लोग अपनी बड़ाई, श्रेष्ठता को परमात्मा से जोड़ देते हैं उन्हें अहंकार नहीं आता और उनकी परमात्मा से नजदीकी बढ़ जाती है।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/- डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक ''खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद''.

Rs. 120/- डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - **''ऐसा क्यों?''** लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/- डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

KHANA KHAZANA

सिंघाडे का आटा और मूंगफली से बने लड्डू

आवश्यक सामग्री : सिंघाडे का आटा- 3/4 कप ,(100 ग्राम), मूंगफली- 3/4 कप (100 ग्राम), घी- 1/2 कप (100 ग्राम), नारियल- 1/2 कप (40 ग्राम), इलायची पाउडर- 1/2 छोटी चम्मच, चीनी पाउडर- 1.5 कप (150 ग्राम)

विधि : 3/4 कप भुने हुए मूंगफली के दाने ले कर उसे मिक्सर जार में डाल कर दरदरा पीस लीजिए। अब एक पैन में 2 बड़ी चम्मच घी डाल कर गर्म कर लीजिए। घी के मेल्ट हो जाने पर घी में 3/4 कप सिंघाडे का आटा डाल कर चलाते हुए हल्का ब्राउन होने तक मिडियम आंच पर भून लीजिए। घी और आटा पूरी तरह से मिल जाने पर इसमें 2 बड़ी चम्मच घी ओर डाल कर मिला लीजिए। इतने आटे को भुनने में 3 से 4 मिनट का समय लगा हैं।

आटा भुन जाने पर इसमें पिसा हुआ मूंगफली का पाउडर डाल कर चलाते हुए 2 मिनट धीमी आंच पर ओर भून लीजिए। मूंगफली के भून लेने के बाद इसमें थोड़ा सा नारियल का बुरादा डाल दीजिए और थोडा सा बचा कर रख लीजिए। नारियल का बुरादा डाल कर चलाते हुए धीमी आंच पर थोड़ी देर भून लीजिए। नारियल के मिला लेने के बाद इसे एक बड़े बर्तन में निकाल लीजिए और 1.5 कप चीनी पाउडर, 1/2 छोटी चम्मच इलायची पाउडर डाल कर मिला दीजिए। चीनी मिला देने के बाद मिश्रण थोड़ा सूखा हो जाता है इसलिए इस मिश्रण में 1 बड़ी चम्मच घी ओर डाल कर मिला लीजिए और कुछ देर के लिए ठंडा होने रख दीजिए। मिश्रण के हल्का सा ठंडा हो जाने पर हाथ में हल्का सा मिश्रण ले कर गोल करते हूए लड्डू बना लीजिए। लडडू का आकार गोल हो जाने पर उसे नारियल के बुरादे में डाल दीजिए ताकि नारियल का बुरादा लड्डू पर पूरी तरह से लग जाए। इसी तरीके से सारे लड्डू बना कर तैयार कर लीजिए। यह लड्डू बनाना बहुत ही आसान है। एक बार ये लड्डू बनाए और पूरे सावन में खाए।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपको आर्थिक उन्नति प्रदान करने वाला रहेगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा किंतु मन में अज्ञात भय भी बना रहेगा। पुराने विवाद निपटाने में सफलता प्राप्त होगी। संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। आय की नवीन सोच की प्राप्ति होगी। घर में शुभ एवं मांगलिक काम होगा। तीर्थ यात्रा के शुभ अवसर प्राप्त होंगे किंतु स्वास्थ्य से संबंधित कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ेगा। घर में बुजुर्गों की सेवा का अवसर प्राप्त होगा। मित्रों से भेंट होगी व शुभ समाचार प्राप्त होगा।

वृषभ

यह माह आपके लिए भौतिक सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण रहेगा। इस महीने में लंबी यात्रा के योग रहेंगे। आमोद-प्रमोद में समय व्यतीत करेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता अर्जित होगी। ऋण लेने के योग बनते हैं, वाणी के माध्यम से अपने कार्यों में सफलता मिलेगी। नवीन मित्र बनेंगे। आंखों से संबंधित कष्ट के योग रहेंगे। वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि होगी किंतु अज्ञात भय भी बना रहेगा। किसी विषय को लेकर दोहरी मानसिकता रहेगी। निर्णय लेने में अपने आपको असहाय महसूस करेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। अचानक धन प्राप्ति के योग रहेंगे तथा उसी अनुपात में खर्च भी करेंगे।

मिथुन

यह माह आपको लंबी यात्रा प्रदान करने वाला होगा। सोचे कार्य में सफलता मिलेगी। ऋण के माध्यम से स्थाई संपत्ति का निर्माण होगा। व्यर्थ की चिंता बनी रहेगी। संतान के कार्यों में रुकावट आएगी किंतु अंततः कार्य में सफलता मिल जाएगी । आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। परिश्रम की तुलना में लाभ कम मिल पाएगा। हड्डी एवं दांतों से कष्ट के योग रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। शुभ काम, धार्मिक काम व मांगलिक कार्यों में खर्च करना पड़ेगा। दांपत्य जीवन अनुकूल रहेगा। खर्च की व्यवस्था हो जाएगी। मित्रों का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क

यह माह आपको विशेष लाभ प्रदान करने वाला रहेगा। कई दिनों से रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। विवाह संबंध मांगलिक कार्य, धार्मिक कार्य, शुभ कार्य में सफलता मिलेगी। हालांकि गुस्सा जल्दी आएगा, क्रोध पर नियंत्रण रखना नितांत आवश्यक रहेगा। संतान को लेकर चिंता रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में परिश्रम के उपरांत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। गूढ़ रहस्य, ज्ञान में वृद्धि होगी। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। पाचन तंत्र से कष्ट के योग व सुस्वाद भोजन का लुत्फ उठाएंगे। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। वाहन सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग प्रबल रहेंगे

सिंह

यह माह आपके लिए यश एवं सम्मान प्रदान करने वाला होगा। आय के नए स्त्रोत की प्राप्ति, नौकरी में पद एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मूलभूत परिवर्तन होने के योग रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। घर में हर्ष-उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। भौतिक सुख सुविधाएं, मनोरंजन, यात्रा व दिखावा आदि पर अधिक खर्च करना पड़ेगा। शुभ समाचार मिलेंगे। दान -पुण्य, धार्मिक कार्य, उत्सव आदि में भाग लेंगे। आर्थिक समृद्धि होगी। स्थाई संपत्ति का निर्माण होगा। लंबी यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। किसी विशेष विषय पर मंथन अधिक करेंगे एवं निर्णय लेने में अपने आपको असहाय महसूस करेंगे।

कन्या

यह माह आपके लिए मिश्रित फलदायी रहेगा। सोचे हुए कार्यों में परिश्रम के उपरांत सफलता मिल पाएगी। भाई एवं परिवारजनों का स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। परिवार में मांगलिक, धार्मिक प्रसंग आयोजित होंगे। विवाह संबंध होने के योग प्रबल रहेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दान धर्म भी होगा। संतान के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। विद्यार्थियों को श्रेष्ठ सफलता मिलेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे एवं विरोधी परास्त होंगे।

तुला

यह माह आपके लिए व्यय की अधिकता वाला रहेगा। शुभ एवं मांगलिक कार्यों में खर्च करना होगा। लंबी यात्रा के योग बनेंगे। भागदौड़ अधिक होगी। परिवार के साथ आनंद का समय व्यतीत करेंगे। संतान की उन्नति के सुखद समाचार मिलेंगे। मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे। विरोधी परास्त होंगे। भाइयों से विवाद की स्थिति बन सकती है। जीवन साथी से सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। वाहन सुख की प्राप्ति होगी। पुत्र संतान प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी।

वृश्चिक

यह माह आपको सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करने वाला होगा। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। व्यापार व्यवसाय में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। अतिथियों के आगमन से प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगा। उच्च वाहन सुख की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेगा। मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे। तेजी-मंदी में सावधानी रखें, हानि उठाना पड़ सकती है। अज्ञात भय मन में बना रहेगा। सटीक टिप्पणी करने से बचें। कार्य व्यवसाय में विस्तार होगा। व्यस्तता बनी रहेगी।

धनु

यह माह आपके पुराने रुके हुए कार्यों में सफलता प्रदान करने वाला होगा। परिजनों से भेंट होगी। भौतिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। मांगलिक कार्य पर खर्च करेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। विलासिता के साधनों पर खर्च करना पड़ेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। मानसिक तनाव दूर होंगे। संतान की उन्नति से प्रशंसा होगी। बड़ों का स्नेह एवं सहयोग मिलेगा। स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे। व्यापार व्यवसाय में वृद्धि होगी। लंबी यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। वाहन सुख मिलेगा। अधिक खर्च से आर्थिक स्थित प्रभावित होगी। स्थाई संपत्ति का निर्माण होगा। विद्यार्थियों को परिश्रम का फल मिलेगा।

मकर

यह माह आपको कठिन परिश्रम के उपरांत सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। सुस्वाद भोजन का लुत्फ उठाएंगे। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। यश मुश्किल से मिल पाएगा। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। स्वास्थ्य से संबंधित कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। परिवार में भी वृद्धजनों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। दिनचर्या व्यस्ततम बनी रहेगी। विरोधियों पर सफलता मिलेगी। जल्दबाजी एवं क्रोध से हानि उठाना पड़ सकती है। व्यापार में समुचित लाभ प्राप्त होगा।

कुम्भ

यह माह आपको धार्मिक विचारों वाला बना देगा। वाणी पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखना होगा, वाणी के कारण बनते हुए कार्यों में विलंब हो सकता है। पारिवारिक सुखों में वृद्धि होगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। धन और यश की प्राप्ति होगी। आय के साधनों में वृद्धि होगी। नवीन नौकरी के योग प्रबल रहेंगे। संबंधों का लाभ उठा पाएंगे। भाई-बहनों परिवार में मतभेद दूर होंगे। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में उन्नति एवं स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे। रुपयों के लेन-देन में सतर्कता बरतें। शिक्षा के क्षेत्र में अनुकूलता मिलेगी। स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। मानसिक तनाव कम करें। अपने विचारों को दूसरों पर नहीं थोपे।

मीन

यह माह आपके लिए परिश्रम एवं प्रयत्नों के उपरांत प्रत्येक क्षेत्र में सफलता एवं लाभ प्रदान करने वाला होगा। कई दिनों से रुका हुआ कार्य पूर्ण होगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। खिलाड़ी वर्ग का प्रदर्शन उत्तम रहेगा। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों को मनचाहा विषय चयन करने में सफलता अर्जित होगी। विरोधी परास्त होंगे। आय के नए स्त्रोत की प्राप्ति होगी। बेरोजगारों को नवीन नौकरी के योग प्रबल रहेंगे एवं नौकरी पेशे को स्थान परिवर्तन का सामना करना पड़ेगा। शुभ समाचार मिलेंगे। प्रिय व्यक्ति से भेंट होगी।

श्री जगन्नाथ पेड़ीवाल

सूरत। समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री जगन्नाथ पेड़ीवाल का गत दिनों देहावसान हो गया। श्री पेड़ीवाल सामाजिक, आध्यात्मिक गतिविधियों में सक्रिय रहे। छापर में गौशाला का संचालन किया। धरमार्थ होमियोपैथिक चिकित्सालय में स्थापित करवाया जो आज भी चल रहा है। आप अपने पीछे 3 पुत्र-मदनमोहन, श्रीनारायण एवं ललितकुमार एवं 2 पुत्रियां निर्मला-ओमप्रकाश मालपानी एवं बिमला बृजमोहन सोमानी सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। पुत्र मदनमोहन पेड़ीवाल गुजरात महेश्वरी सभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं माहेश्वरी भवन सीटी लाइट, सूरत एवं गुजरात माहेश्वरी चेरीटेबल ट्रस्ट (प्रदेश ट्रस्ट) के अध्यक्ष हैं।

श्रीमती चंदा भंसाली

रतलाम। समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती चंदा भंसाली का हृदयाघात से आकस्मिक निधन गत 14 अप्रैल को हो गया। आप माहेश्वरी महिला संगठन रतलाम शाखा, माहेश्वरी महिला जिला संगठन व मारवाड़ी महिला संगठन रतलाम शाखा तीनों की बारी बारी से अध्यक्ष रहीं। साथ ही पश्चिमी मध्य प्रदेश महिला संगठन एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की मेंबर भी रहीं।

श्री सुभाष मोहता

नांदुरा (बुलडाणा)। शहर में गौसेवक के रूप में ख्यात श्री सुभाष मोहता का गत 31 मई को एक दुर्घटना में निधन हो गया। आप मोहता विद्यालय वडनेर के सचिव व लायंस क्लब के मुख्य मार्गदर्शक भी थे। आप अपनी पीछे पत्नी, दो पुत्र आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्रीमती कमलादेवी बाहेती

खंडवा। माहेश्वरी महासभा की केंद्रीय चुनाव समिति के मुख्य चुनाव अधिकारी एवं प. मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रकाशचंद्र बाहेती की माताजी श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री रामकिशन बाहेती का गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे भरा पूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री सत्येंद्र कुमार माहेश्वरी

जयपुर। समाज सदस्य श्री सत्येंद्र कुमार माहेश्वरी 68 वर्ष की अवस्था में गत 6 जून को निधन हो गया। आप जयपुर माहेश्वरी समाज के सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके परिवार में पत्नी और भाई-बहनों के साथ अलावा तीन बेटियां भी शामिल हैं।

श्री सुरेंद्र काबरा

बड़नगर (उज्जैन)। जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वासुदेव काबरा के अनुज एवं मेडिकल व्यवसायी श्री नवीनजी काबरा के अग्रज सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री सुरेंद्र काबरा का निधन 10 जून को हो गया। श्री काबरा सामाजिक क्षेत्र में हमेशा ही अग्रणी रहे हैं। आपने शिक्षा के क्षेत्र में अनेक जरूरतमंद छात्रों की वर्षों से मदद की। कई अशक्त आर्थिक रूप से कमजोर लोगो की दवाई व राशन की जरूरत पूरी की। वृक्षारोपण के लिए अनेक सफल प्रयास किए।

श्री सुनील एवं श्रीमती ज्योति परवाल

धार। माहेश्वरी समाज धार नगर के पूर्व अध्यक्ष तथा लक्ष्मीनारायण परवाल के पुत्र एवं वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री व कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश माहेश्वरी के अनुज का सपत्नीक अत्यंत कम अंतराल में आकस्मिक निधन हो गया। इस खबर से पूरे धार जिला में शोक की लहर फैल गई। परवाल दंपति ने अंत समय तक एक दूसरे का साथ निभाया।

श्री रमेशचंद्र मूंधड़ा

मालेगाँव। सुजानगढ़ निवासी मालेगांव प्रवासी समाज के वरिष्ठ श्री रमेशचंद्र सीताराम मूंधड़ा का 73 वर्ष का देहावसान गत 15 जून को नासिक में हो गया है। आप अपने पीछे धर्मपत्नी श्रीकांता मूंधड़ा तथा पुत्र राजकुमार सहित पौत्र-पौत्री आदि का भरा पूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्री जमनादास परवाल

जयपुर। अ. भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व संयुक्त मंत्री एवं पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम परवाल के लघु भ्राता श्री जमनादास परवाल (70) का गत 26 अप्रैल, 2021 को दुःखद निधन हो गया। स्व. श्री परवाल विभिन्न सामाजिक संगठनो से जुड़े हुए सेवाभावी व्यक्ति थे। आप अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री संतोष धूत

राजनांदगांव। प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाज सेवी श्री संतोष धूत का आकस्मिक निधन हृदयाघात से गत 21 अप्रैल को 65 वर्ष की अवस्था में हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्रों सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

SONI OFFICE MATE®

Innovation is our tradition

GLUE STICK
For Neat & Clean Adhesion

Available in
8 g, 15 g,
25g, 35 g

CORRECTION PENS
For Neat & Quick Correction

Available in
7ml, 9ml

CORRECTION TAPE
For Instant Correction

5mm x 6m

WHITEBOARD MARKER

Non Stick, easy wipe

PERMANENT MARKER

HIGHLIGHTER
Available in 5 colours

CD / DVD MARKER
For permanent marking on Glass, Plastic, Wood, Metal & Any Plain Surface.

PAINT MARKER
Permanent Marking
for any surface

Available in Colours

- Regular Tip
- Fine Tip
- Chisel Tip

WINDOW MARKER (FLUORESCENT)
Can be used on
- Glass
- Acrylic Sheets
- Mica Boards
- LED Boards
- Any non-porous surface

DRY WIPE

Available in eight colours

NOTE GRIP
For Counting Currency Notes without slipping

Available in 10 g, 30 g, 53 g

STAMP PAD

Available in 3 sizes in all colours

ELECTION / INDELIBLE INK MARKER PEN

INDELIBLE INK

FOR ENQUIRIES DEALERSHIP, DISTRIBUTORSHIP & CNF PLEASE CONTACT-

SONI POLYMERS PVT. LTD. ISO-9001-2008 CERTIFIED COMPANY

'Utkarsha-Vishakha, 42, Bajaj Nagar, Nagpur - 440 010 (INDIA)
Ph : 91-712-2236463, 2232002, 2221746 Fax : 91-712-2249598
E-mail : domestic@soniofficemate.com, export@soniofficemate.com
Website : www.soniofficemate.com

A Product of " R.Mimani" Group

गणपति
Ganpati

Bikaneri Bhujia & Namkeen

Bikaneri Papad & Badi

शुद्ध लाएं - शुद्ध खाएं - शुद्ध खिलाएं

WE MAKE THE FOLLOWING PREMIUM QUALITY PRODUCTS

Chana Besan
Sattu
Ready to Cook
Instant Mixes
Khaman Dhokla
Idli Mix
Rava Idli Mix
Dosa Mix
Sambhar Vada Mix
Uttapam Mix
Upma Mix
Chilra Mix
Urad Dahi Vada Mix
Rajasthani Dahi vada Mix
Hing Club Kachori Mix
Bela Kachori Mix
Matar Kachori Mix

Bikaneri Bhujia
Aloo Bhujia
Nimbu Bhujia
Boondi Mix Bhujia
Marwari Mixture
All In One Mixture
Navratan Mixture
Khatta Meetha
Kaju Cornflakes
Tasty Moongdal
Tasty Peanut
Tasty Chanadal
Raita Boondi
Masala Boondi
Chirwa Mixture
Special Chatpata Mixture

Moong Papad
Royal Kamti Mirch
Kalimirch
Kalimirch Special
Kalimirch Teekha
Javatri Jaifal
Meetha Masala
Urad Papad
Royal Kamtimirch
Kalimirch
Kalimirch Special
Kalimirch Teekha
Chana Papad
Chatpata
Disco Papad

Chana Besan
Sattu
Ready to Cook
Instant Mixes
Khaman Dhokla
Gulab Jamun Mix
Moong Dal Halwa Mix
Badam Halwa Mix
Kesar Kulfi Mix
Vanilla Kulfi Mix
Strawberry Kulfi Mix
Badam Pista Kulfi Mix
Chocolate Kulfi Mix
Panipuri Golgappa Mix
Moong Pakoda Mix
Methi Pakoda Mix
Moth Pakoda mix
Besan Pakoda Mix

GANPATI TASTY FOODS PVT. LTD. BIKANER
9929899292, 9829841344, 9351531972, 9351544318
e-mail: sales.mappl.gtfpl@gmail.com

॥ जय श्री गणेश ॥

With Best Compliments

Rahul Gandhi
Director

Ramesh Gandhi
Managing Director

Rohit Gandhi
Director

R.A. Kraft Paper Pvt. Ltd.

PAPER & BOARD INDENTER & IMPORTOR

The Global Leader of

- Kraft Paper
- Waste Paper
- Duplex Paper
- News Print
- Imported Waste Paper

R.S. Kraft Paper Ltd.

FIBRE IMPEX Pvt. Ltd.

HEAD OFFICE : 504, Suryakrian Complex, Opp. VNIT-1, Bajaj Nagar, Nagpur-10 (India)
Ph. : 0712-2220626, 2242412, 2249685, Fax : 0712-2243248 e-mail : info@rakraftpaper.com

MUMBAI : B-230, Sanjay Building No. 5B, Mittal Estate,
Andheri Kurla Road, Andheri (E) Mumbai-400059
Ph. : 022-42235000 Fax : 022-66915284
E-mail : mumbai@rakraftpaper.com
Website : rakraftpaper.com

BRANCHES : AURANGABAD, HYDERABAD, INDORE, KOLHAPUR, NASIK, PUNE, VAPI

इम्युनिटी ही मेरा सुरक्षा कवच!
धूतपापेश्वर
१८७२ से आयुर्वेद सेवा
सुवर्ण से च्यवनप्राश समृद्ध
धूतपापेश्वर
स्वामला
हर मौसम में संपूर्ण स्वास्थ्यवर्धक
सुवर्ण से समृद्ध
स्वामला से शुरुआत
स्वस्थ रहे, उन्नत रहे, आयुर्वेद के रक्षाछत्र में रहे।
Authentic · Standardised · Efficacious · Safe
श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड शास्त्रोक्त • मानकीकृत • सुरक्षित • उत्तम गुणवत्ता • १४५+ वर्षोंकी आयुर्वेद परंपरा
For Health & Trade Enquiries Tollfree: 1800 22 9874 www.sdlindia.com Now available on amazon
F22SWDad6.5x9.25H99

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 20 Hospitals: 1 million patients treated

Over 50 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccines in Maharashtra. Over 1800 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 July, 2021

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/smtmagazine/
http://srimaheshwaritimes.com/